रांची, मंगलवार
03.12.2024
वर्ष : 10, अंक : 03 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

रांची डीसी मंजू नाथ भजंत्री की याचिका पर सुनवाई 6 को

रांची : आईएएस अधिकारी और वर्तमान में रांची डीसी के पद पर पदस्थापित मंजू नाथ भजंत्री की याचिका सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हो गई है. सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक, रांची डीसी की याचिका पर 6 दिसंबर को सुनवाई हो सकती है. उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) दाखिल की है. अपनी याचिका में उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए चुनावी कार्य से दूर रखे जाने के आदेश को रद्द करने की मांग की है. दरअसल 22 सितंबर को झारखंड हाईकोर्ट ने कअर अधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और उन्हें चुनावी कार्यों से उन्हें अलग रखने के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका स्वीकार कर ली थी. जिसके बाद उन्हें चुनाव के कार्य से दूर रखा गया था. इतना ही नहीं आचार संहिता के दौरान आनन फानन में उन्हें रांची डीसी के पद से हटा कर वरुण रंजन को रांची डीसी नियुक्त कर दिया गया था. हालांकि हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सरकार ने वापस मंजू नाथ भजंत्री को रांची डीसी नियुक्त कर दिया है.

भाजपा ने निर्मला सीतारमण और विजय रूपाणी को महाराष्ट्र विधायक दल का पर्यवेक्षक नियुक्त किया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव की निगरानी के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को मंजूरी देने के साथ ही भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने महाराष्ट्र सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अब सीतारमण और विजय रूपाणी की निगरानी में चार दिसंबर को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक दल के नेता का चुनाव होगा। भाजपा पहले ही घोषणा कर चुकी है कि नई सरकार 5 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में आजाद मैदान में शाम 5 बजे शपथ लेगी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा के संसदीय बोर्ड ने महाराष्ट्र में पार्टी विधायक दल के नेता चुनाव के लिए गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पंजाब के प्रभारी विजय रूपाणी तथा केंद्रीय वित्त एवं कारपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

राज्य में विकास कार्यों को गति देनी है और राजस्व संग्रहण भी बढ़ाना है : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य में विकास कार्यों को गति देनी है और राजस्व संग्रहण को भी बढ़ाना है। ऐसे में सभी विभाग राजस्व उगाही में तेजी लाने के साथ अतिरिक्त राजस्व संग्रहण के नए स्त्रोतों के लिए संभावनाओं को तलाशें।

सोरेन सोमवार को झारखंड मंत्रालय में विभिन्न विभागों के प्रधान सचिव, सचिव के साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट से परे शुरू की गई नई योजनाओं के अतिरिक्त दायित्वों की पूर्ति एवं वित्तीय वर्ष 2024- 25 के अनुपूरक बजट की तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को ये निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व प्रबंधन को मजबूत बनाएं। इसके साथ राजस्व की बबार्दी तथा स्थापना व्यय को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह भी कहा कि रेवेन्यू जनरेट सिस्टम का माइक्रो लेवल ऑब्जरवेशन कर इसकी खामियों को दूर करें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग राजस्व संग्रहण का एक्शन प्लान तैयार करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार विभागों के बीच को-ऑर्डिनेशन नहीं होने से राजस्व संग्रहण की गति धीमी हो जाती है और लक्ष्य के हिसाब से राजस्व संग्रहण नहीं हो पता है। ऐसे में इस समस्या के समाधान के लिए सभी विभाग आपस मे समन्वय बनाकर राजस्व संग्रहण के कार्य को करें। इसके लिए जिलों में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री कहा कि कई विभागों में ऐसी कई एजेंसी, बोर्ड और निगम हैं जो राजस्व का बेहतर माध्यम साबित हो सकते हैं। ऐसी एजेंसियों को बिजनेस मॉडल के रूप में स्थापित करें, ताकि वे

अपने कार्यों का विस्तार कर सकें। इससे राज्य को अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कई उद्योग और कंपनियां कार्य कर रही हैं। इनके द्वारा सीएसआर मद से कई जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाता है। लेकिन, इनके द्वारा खर्च की जा रही सीएसआर राशि की जानकारी राज्य सरकार तक नहीं पहुंच पाती है। ऐसे में एक ऐसा मेकैनिज्म बनाएं, जिसके जरिए कंपनियों द्वारा सीएसआर मद में किए जाने वाले खर्च की जांच हो सके।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी कहा कि वे विभिन्न कंपनियों और उद्योगों समूहों के साथ बातचीत कर राजस्व बढ़ोतरी की संभावनाओं को तलाशें।

उच्च स्तरीय बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव वंदना दादेल, प्रधान सचिव एमएस मीणा, प्रधान सचिव सुनील कुमार, सचिव प्रशांत कुमार, सचिव प्रवीण टोप्पो, सचिव अमिताभ कौशल, सचिव अबू बकर सिद्दीक, सचिव कृपानंद झा, सचिव के श्रीनिवासन, सचिव मनोज कुमार, सचिव उमाशंकर सिंह, सचिव चंद्रशेखर, सचिव अरवा राजकमल, सचिव विप्रा भाल, सचिव जितेंद्र सिंह, सचिव मनोज के अलावा संजीव बेसरा, अमित कुमार , निशा उरांव और सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के निदेशक राजीव लोचन बक्शी उपस्थित थे।

अधिक से अधिक कामों को धरातल पर उतारने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सभी विभागों के पदाधिकारियों और सचिवों के साथ बैठक में बजट की तैयारी, चल रहे कामों की स्थिति, सरकार के काम पर नजर दौड़ाये गये हैं। सभी विभागों के साथ अलग-अलग बैठक कर समीक्षा करेंगे। सोरेन सोमवार देर शाम प्रोजेक्ट भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैसे विकास की गति को तेज किया जा सके और इसके लिए क्या-क्या चीजों की आवश्यकता है। इन सब चीजों पर हमलोग आगे कैसे काम करेंगे। जैसे ही सरकार कर पूरा गठन हो जाता है सभी लोग तैयारी शुरू कर दें। ऐसा निर्देश था हमारा। अब समय का सदुपयोग अधिक से अधिक कामों को धरातल पर उतारने का लक्ष्य हमने दिया है। लगातार सभी चीजों पर सभी लोगों की नजर होनी चाहिए। जहां कोई समस्या हो, उनसे अवगत कराया जाये और समाधान निकाला जाये। राज्य को आगे बढ़ाने के लिए, रोजगार के लिए, लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए, लोगों तक आनाज पहुंचाने के लिए सहित अन्य विषयों पर बातचीत हुई। एक सवाल के जवाब में पश्चिम बंगाल में झारखंड के लिए लोड किये गये आलू के रोकने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य सचिव को इसके लिए निर्देश दिये गये है। आगे जरूरत पड़ी तो बातचीत की जायेगी।

झारखंड में बदला मौसम का मिजाज, कल से ज्यादा ठंड पड़ने की संभावना

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में रांची सहित राज्य के कई हिस्सों में फेंगल चक्रवात का असर देखने को मिल रहा है। इस वजह से सुबह से ही आसमान में धुंध और हल्के बादल छाए हैं। इस बीच शहर में बूंदाबांदी भी देखने को मिल सकती है। वहीं, अब दोपहर में भी ठंड लोगों को सताएगी।

झारखंड में सोमवार से आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं, रविवार को रांची समेत कई जगहों पर बादल छाए रहे और कहीं-कहीं हल्की बारिश भी देखने को मिली। इस दौरान अधिकतम तापमान करीब 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, सात दिसंबर के बाद

आसमान साफ रहने की उम्मीद है। इस दौरान तापमान में भी बदलाव देखने को मिलेगा।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के दक्षिणी भागों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा, बाद में आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे। इस दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम पूवार्नुमान के अनुसार, 3 दिसंबर से 7 दिसंबर तक सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा, धुंध रहने और बाद में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। इस दौरान मौसम शुष्क रह सकता है। चार दिसंबर से ठंड ज्यादा पड़ने की संभावना है। क्योंकि, न्यूनतम तापमान और नीचे जा सकता है।

इस संबंध में रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने सोमवार को बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने 'फेंगल' तूफान के कारण हवा का रुख बदल चुका है। वहीं, दक्षिण से आ रही हवा के कारण राज्य में बादल छाए हुए हैं। इसके बाद राज्य में ठंड भी बढ़ेगी।

उल्लेखनीय है कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के दक्षिणी हिस्से में हल्की बारिश दर्ज की गई। जगन्नाथपुर में 12 मिमी, सिमडेगा में 2.5 मिमी बारिश हुई। इस दौरान सबसे अधिक अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस गोड्डा में दर्ज किया गया। जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस गढ़वा में दर्ज किया गया। हालांकि इस दौरान कुछ जगहों पर तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की डिस्चार्ज पिटीशन पर सुनवाई पूरी, आदेश सुरक्षित

बिभा संवाददाता

रांची। टेंडर कमीशन घोटाला मामले में आरोपित पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की डिस्चार्ज पिटीशन पर पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट में सोमवार को सुनवाई पूरी हो गई। कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रखा है। मामले में आरोपितों पर आरोप गठित होना है।

इससे पहले खुद पर लगे आरोप को मुक्त कराने के लिए आरोपितों के जरिये डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल किया गया है। मामले में ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम और उनके परिजन सहित कई सहयोगियों की डिस्चार्ज पिटीशन खारिज हो चुकी है। 15 मई को ईडी ने आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद से वे जेल में बंद है। टेंडर आवंटन में कमिशन लेने का उनपर आरोप है।

टेंडर कमीशन घोटाला मामले को लेकर ईडी ने सबसे पहले 21 फरवरी, 2023 को बड़ी कार्रवाई की थी। निलंबित चीफ इंजीनियर

वीरेंद्र राम के रांची जमशेदपुर पटना और दिल्ली सहित कई ठिकाने पर छापेमारी की थी। छापेमारी के बाद वीरेंद्र राम सहित अन्य को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ईडी की दूसरी बड़ी कार्रवाई 6 और 7 मई को हुई थी। इसमें कई इंजीनियर, काट्रैक्टर ठेकेदार और पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के पीएस के ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी। आलमगीर आलम पीएस संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम के ठिकाने से 32 करोड़ कैश बरामद हुए थे। इसके बाद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम से दो दिनों की पूछताछ के बाद ईडी ने 15 मई को गिरफ्तार कर लिया था।

लोकसभा में हंगामे के बीच पेश किया गया 'तटीय पोत परिवहन विधेयक'

एजेंसी

नई दिल्ली : तटीय व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य वाला एक विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया गया। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सवार्नंद सोनोवाल ने सदन में विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच विधेयक पेश किया। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों के सदस्य अदाणी समूह से जुड़े मुद्दे और संभल हिंसा से संबंधित मुद्दे को उठाने की कोशिश कर रहे थे और नारेबाजी कर रहे थे।

यह विधेयक उन पांच नए विधेयकों में शामिल है जिसे संसद के शीतकालीन सत्र में पेश करने की सरकार की योजना है। उक्त विधेयक राष्ट्रीय सुरक्षा और

व्यावासयिक जरूरतों को लेकर भारतीय नागरिकों के स्वामित्व वाले और उनके द्वारा संचालित भारत के ध्वज लगे जहाजों की तटीय व्यापार में सहभागिता को प्रोत्साहित करेगा। इस विधेयक को अक्टूबर महीने में केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल चुकी है।

क्यों खास है ये विधेयक?

तटीय पोत परिवहन विधेयक भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित एक विधेयक है, जिसका उद्देश्य भारतीय तटों पर तटीय जल मार्गों का उपयोग बढ़ाना और समुद्री परिवहन को अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनाना है। यह विधेयक समुद्री परिवहन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने और भारत के तटीय क्षेत्रों के बीच परिवहन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

तटीय पोत परिवहन विधेयक के प्रमुख उद्देश्यः

इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य भारतीय तटों के बीच तटीय शिपिंग के माध्यम से माल परिवहन को बढ़ावा देना है। इससे समुद्री परिवहन की लागत कम होगी और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी यह अधिक पर्यावरण मित्रवत होगा।

तटीय शिपिंग के माध्यम से माल परिवहन के लिए एक प्रभावी और कम खचीर्ला तरीका होगा, जिससे भारतीय व्यापार और उद्योगों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकेगा।

तटीय शिपिंग से संबंधित गतिविधियों के विस्तार से नई नौकरियों का सृजन होगा, खासकर बंदरगाहों और समुद्री परिवहन से जुड़े अन्य क्षेत्रों में।

यह विधेयक बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देगा, जिससे तटीय शिपिंग को और भी सुविधाजनक और प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकेगा।

विधेयक में तटीय शिपिंग के दौरान सुरक्षा उपायों और पर्यावरणीय नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रावधान किए गए हैं। इससे समुद्र में प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

झारखंड प्रदेश के प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और पुष्प गुच्छ देकर जीत की बधाई दी

राजस्व सेवा के अधिकारी देश की आर्थिक सीमाओं के संरक्षक : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राजस्व सेवा के अधिकारियों को देश की आर्थिक सीमाओं का संरक्षक करार देते हुए कहा कि उन्हें हमेशा ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करना होगा क्योंकि दूसरे देशों के साथ व्यापार को सुगम बनाने के समझौतों में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

श्रीमती मुर्मु ने सोमवार को यहां भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के प्रशिक्षु अधिकारियों से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की।

राष्ट्रपति ने अधिकारियों को संबोधित

करते हुए कहा कि भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) हमारी अर्थव्यवस्था को एक समान कर प्रणाली और साझा प्रशासनिक मूल्यों के माध्यम से जोड़ती है। यह सेवा देश के कर प्रशासन में एकरूपता को बढ़ावा देती है। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी सरकार, व्यापार और विभिन्न राज्यों के कर प्रशासन के बीच बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि विश्व में बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में राष्ट्रीय हित का एजेंडा काफी हद तक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग से तय होता है। राजस्व सेवा के अधिकारी देश की आर्थिक सीमाओं के संरक्षक हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन्हें हमेशा ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करना होगा। उनकी भूमिका दूसरे देशों के साथ व्यापार सुगम बनाने के समझौतों में भी महत्वपूर्ण होगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) देश को आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे के निर्माण, सामाजिक-आर्थिक योजनाओं के संचालन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने जैसे कार्यों के लिए संसाधनों का उपयोग करने में सक्षम बनाती है। यह कार्य राष्ट्र निर्माण में भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हैं। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि प्रशासक के रूप में अपनी भूमिका के निर्वहन के लिए, उन्हें ऐसी प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ विकसित करने की जरूरत है जो पारदर्शी हों और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करें।

राष्ट्रपति ने कहा कि इस नए और गतिशील युग में कर संग्रह में कम हस्तक्षेप और प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग करने का प्रयास किया जाना चाहिए। कर प्रशासन के क्षेत्र में नए विचार और नए समाधान प्रस्तुत करने का उत्तरदायित्व युवा अधिकारियों पर है। राष्ट्रपति ने अधिकारियों को परामर्श दिया कि वे यह याद रखें, कराधान केवल देश के राजस्व को बढ़ाने का साधन नहीं है। यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। राष्ट्र के नागरिकों द्वारा दिये गये कर का उपयोग देश और लोगों के विकास के लिए किया जाता है। इसलिए, यदि वे अपना काम लगन और निष्ठा से करेंगे, तो देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान दे पाएंगे।

तेलंगाना : अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे सब्जी बेचने वालों को कुचला, छह की मौत व 20 घायल

एजेंसी

हैदराबाद। रंगेरेडी जिले में हैदराबाद-बीजापुर मार्ग पर चेवेल्ला मंडल के अलुरु गेट पर एक भीषण सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।दुर्घटना पर मुख्यमंत्री ने दुख जताया और मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है।

जानकारी के अनुसार जिले में हैदराबाद-बीजापुर मार्ग पर चेवेल्ला अलुरु गेट पर सड़क के किनारे तमाम लोग सब्जी बेच रहे थे।उसी समय एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे सब्जी बेच रहे दुकानदारों को कुचलते हुए एक पेड़ से टकरा गया। इस हादसे में छह लोगों की मौत की खबर है। इसके अलावा 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों कर सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। हादसे के तुरंत बाद लॉरी चालक दुर्घटनास्थल पर लॉरी छोड़कर भाग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। घटना की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री ए रेवंथ रेड्डी ने दुख व्यक्त किया है।

संक्षिप्त खबरें

कुष्ठ रोग एवं गैर संचारी रोग से संबंधित स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन

लापुंग(बिभा): लापुंग प्रखंड के लतरातु स्थित पंचायत भवन में कुष्ठ रोग एवं गैर संचारी रोग से संबंधित स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में कुल 140 लोगों का उच्च रक्तचाप, मधुमेह इत्यादि विभिन्न बीमारियों से संबंधित जांच किया गया। कुष्ठ रोग से संबंधित जांच के दौरान तीन कुष्ठ रोगी पाए गए, जिनका इलाज शुरू करते हुए उन्हें एमडीटी की दवाई दी गई। साथ ही समय-समय पर जांच कराने को भी कहा गया। कैंप में जिला कुष्ठ पदाधिकारी डॉक्टर सीमा गुप्ता, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी लापुंग डॉक्टर नमिता लकड़ा, डॉ ए आर मुस्तफि, डॉ दीपशिखा, डॉ प्रीति लता, पुष्पा कुमारी समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

नेशनल महिला दिव्यांग क्रिकेट का आयोजन 4 से 6 दिसम्बर तक

रांची(बिभा) : झारखंड झारखंड डिसएबल क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा झारखंड के दिव्यांग क्रिकेट के खिलाडी मध्य प्रदेश के भोपाल मे आयोजित नेशनल महिला दिव्यांग क्रिकेट का आयोजन किया गया है। यह आयोजन 4 से 6 दिसम्बर तक चलेगा। देश मे पहली बार महिला दिव्यांग क्रिकेट का आयोजन दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया के तत्वाधान मे आयोजित किया गया है। सभी खिलाडियों को एसोसिएशन के सचिव सरिता सिन्हा, मुकेश कंचन के द्वारा सुभकामना देकर रवाना किया। खिलाडियों मे कप्तान संजुकता एक्का, प्रतिमा तिर्की, महिमा उरांव, असुनता टोप्पो, तारा मानी कच्छप, सरिता, सुनीता, जय श्री, निक्की कुमारी शामिल है।

मुख्यमंत्री से मिल युवा नेता शशि पन्ना

रांची(बिभा) : युवा नेता शशि पन्ना ने मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी से शिष्टाचार मुलाकात कर प्रचंड जीत की बधाई और शुभकामनाएं दी। वार्ता में शशि पन्ना ने कहा कि आने वाले पांच वर्ष आम जनता और सरकार से समन्वय बनाकर जनहित के कार्य किए जाएंगे।
पेसा कानून, खतियान आधारित स्थानीय नीति, लैंड बैंक रद्द, समय पर जेपीएससी/जेएसएससी परीक्षा वा अन्य मुद्दों पर सरकार की प्राथमिकता रहेगी।

राहे के दोकाद में मनाया गया शहीद का पुण्यतिथि

राहे(बिभा)। प्रखंड क्षेत्र के दोकाद पंचायत में सोमवार को झारखंड पुलिस के शहीद जवान घासीराम महतो का 18 वां पुण्यतिथि सम्मान के साथ मनाया गया। परिजनों और ग्रामीणों ने शहीद घासीराम महतो के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सम्मान के पुष्प अर्पित किये। परिजनों ने कहा कि शहीद के सम्मान के लिये उनके सोच को गांव में स्थापित करना होगा। मौके पर शहीद के पिता लक्ष्मण महतो ,माता शिवानी देवी, बहनें उषा देवी,नम्रता कुमारी, रीता कुमारी, संजय महतो, मणिलाल महतो के अलावे जेएलकेएम उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो, उमेश महतो, विनोद महतो, क्षेत्र मोहन महतो, अनिल महतो, सुभाष महतो आदि मौजूद थे।

प्रखंड के कोंदा गांव में लगाया गया नया ट्रांसफार्मर

सोनाहातू(बिभा)। सिल्ली विधायक अमित महतो के पहल पर सोमवार को प्रखंड के कोंदा गांव में नया ट्रांसफार्मर लगाया गया।ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष बिजली की समस्या रखी थी।सोमवार को ग्राम प्रधान मनमोहन सिंह मुंडा,जयंती देवी और तिलोत्तमा देवी के द्वारा विधिवत रूप में पूजन के बाद100 केवी के ट्रांसफार्मर का स्विच ऑन कर उद्घाटन किया गया। मौके पर झामुमो कार्यकर्ता रोहिताश चौधरी, दीनबंधु महतो, बासुदेव महतो, राजु मुंडा, भवेश्वर कोइरी, जनार्दन मानकी, जगन्नाथ, वीरेन, बहादुर, मनोहर, संजीव आदि मौजूद थे।

कार्यस्थल में महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध एवं निवारण अधिनियम पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

रामगढ़(बिभा): नई चेतना 3.0 लैंगिक हिंसा के विरुद्ध जेंडर अभियान का दिनांक 25 नवंबर 2024 से 23 दिसंबर 2024 तक संचालित है, इस अभियान के अंतर्गत जेएसएलपीएस रामगढ़ द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को जेएसएलपीएस रामगढ़ के जिला कार्यालय में पोस्को एक्ट 2013, कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध एवं निवारण अधिनियम 2013 के संबंध में कार्यशाला का अयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार रामगढ़ की अधिवक्ता मंजूरी चाकी द्वारा कार्यशाला में इस अधिनियम के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी और आंतरिक शिकायत कमिटी के गठन की जानकारी दी गई। कार्यशाला में जेएसएलपीएस के

मुख्यमंत्री से अधिकारियों एवं आमजनों ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में कई अधिकारियों ने मुलाकात की। इन अधिकारियों में उपायुक्त धनबाद माधवी मिश्रा, डीजी वायरलेस प्रशांत सिंह, आईजी दक्षिणी छोटानागपुर अखिलेश झा, डीआईजी एसीबी शैलेंद्र कुमार वर्णवाल, डीआईजी हजारीबाग सुनील भास्कर, डीआईजी बोकारो सुरेंद्र झा और पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अरविंद कुमार सिंह शामिल थे। मुख्यमंत्री से अधिकारियों की यह मुलाकात ने शिष्टाचार बताया गया।
दूसरी ओर, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में प्रधान सचिव डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी और एडीजी सुमन गुप्ता ने शिष्टाचार मुलाकात की।

पलामू पुलिस ने हथियार सहित 6 अपराधियों को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

पलामू : जिले में क्रेशर मालिकों को मिल रही धमकियों और क्रेशर पर हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में पुलिस ने हथियार सहित 6 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि जिले में क्रेशर मालिकों को रंगदारी के लिए मिल रही धमकियों और 29 नवंबर 2024 की रात चैनपुर थाना अंतर्गत डोकरा-चांदो स्थित क्रेशर पर हुई फायरिंग की घटना के सिलसिले में पुलिस अधीक्षक पलामू ने एक विशेष टीम का गठन किया था। इसके बाद टीम लगातार छापेमारी कर रही थी।
इसे लेकर 1 दिसंबर 2024 को पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि चैनपुर-सलतुआ रोड पर लगभग 5-6 लोग अवैध हथियारों के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस पर पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई की और धरती अहरा के पास 3 मोटरसाइकिल पर सवार 6 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।
वहीं, इस दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि वे सुजीत सिन्हा गैंग के लिए काम करते हैं। वो करसो स्थित क्रेशर मालिक द्वारा

रंगदारी देने में देरी करने पर फायरिंग करने जा रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने 29 नवंबर को डोकरा-चांदो क्रेशर में फायरिंग की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। बता दें कि पुलिस ने उनके पास से घटना में लूटा गया मोबाइल फोन भी बरामद किया है। इस दौरान अपराधियों पर चैनपुर थाना कांड संख्या 246/2024 दिनांक 01.12.2024 धारा 25 (1-ब), 26, 35 आयुध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।
इस दौरान पुलिस ने अपराधियों के पास से 03 देशी पिस्तौल, 01 देशी कट्टा, 03 जिंदा राउंड, 03 मोटरसाइकिल और 07 स्क्रीन टच मोबाइल बरामद किया। वहीं, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चैनपुर थाना के शाहपुर निवासी 25 वर्षीय अशफाक खान, गर्दा निवासी 22 वर्षीय आशिफ अहमद उर्फ राजा खान, कुरैशी मोहल्ला निवासी 24 वर्षीय फरहान कुरैशी उर्फ शैलू कुरैशी, पांकी थाना क्षेत्र की खपरमंडा 21 वर्षीय कुश कुमार यादव, पाकी थाना के चापी कला निवासी 30 वर्षीय दीपक कुमार भुईया और सतबरवा थाना के पोची निवासी 22 वर्षीय गुलशन कुमार विश्वकर्मा के रूप में की गई है।

छापेमारी दल में मौजूद

बता दें कि अपराधियों की गिरफ्तारी के दौरान चैनपुर सदर अंचल के पुलिस निरीक्षक जीतराम महली, थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा, रंजीत कुमार, अनिल बिद्यार्थी, राजकुमार मेहता, छत्रधारी कुमार, रामचन्द्र चौधरी, आरक्षी-803 अनुराग सिंह, आरक्षी-220 संतोष चौधरी, 10. आरक्षी-1688 राकेश विश्वकर्मा, आरक्षी-1666 शैलेन्द्र कुमार मौजूद रहे। इनके साथ छापेमारी दल में टाईगर मोबाईल के आरक्षी-2029 रोहित कुमार, आरक्षी-1925 राकेश कुमार, आरक्षी-387 संतन कुमार मेहता, आरक्षी-692 सूर्यनाथ सिंह और पुलिस अधीक्षक कार्यालय के आरक्षी रामनारायण विश्वकर्मा, आरक्षी रामजीत बासकी व आरक्षी प्रदीप राम शामिल थे।

झारखण्ड वुशु टीम पंजाब पहुंची, तरण तारण में शुरू हो रहें 24 वे सब जूनियर नेशनल वुशु प्रतियोगिता में लेगी भाग

बिभा संवाददाता

रांची : 41 सदस्यों वाली झारखण्ड वुशु टीम पंजाब के तरण तारण , होसियारपुर में प्रारम्भ हो रहें सब 24वी सब जूनियर वुशु प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पहुंची। यह प्रतियोगिता दिनांक 2 से 6 दिसंबर तक चलेगी। इस प्रतियोगिता में झारखण्ड के खिलाडी भाग ले रहें है।
बालक वर्ग : रोहित गंझु, शिवम उरांव, निखिल उरांव, अर्जुन उरांव, नीमय सिंह, नरेंद्र, नायर शान अहमद, हर्ष कुमार, उमेश बेदिया, उमाकांत कुमार, अनेश गोप, गौरव कुमार, श्रवण कुमार, इशांत कुमार बास्के, धनश्याम कुमार
बालिका वर्ग : मान्या कुमारी, सौम्या कुमारी, अर्पिता सिंह, आरोही सिंह, पंखुरी सारदा, महक कुमारी, प्रगति निधि सोय, जानवी कुमारी, अनुष्का कुमारी, आरुषि कुमारी, एंजेल तिर्की, श्रुति कुमारी, वंदना कुमारी, वाणी कुमारी, प्राची कुमारी, विद्या कुमारी, शोभा कुमारी, सोनका कुमारी, फूल कुमारी, रूबी असुर, ईशा कुमारी, आहना सिंह, सरस्वती कुमारी।
कोच :दीपक गोप रत्नेश कुमार गुप्ता मैनेजर : बासुदेव टोप्पो झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ प्रदीप वर्मा (राज्य सभा सांसद) सहित डॉ कविता सिंह, मिथलेश साहू, डॉ अंशु साहू ,चंचल भट्टाचार्य, कुमुद प्रसाद साहू,उदय साहू, शैलेन्द्र कुमार, मनोज कुमार महतो, मनोज साहू, शशिकांत पांडे, रजि अहमद, गोकुलनंद मिश्रा, वाहिद अली, आजाद पाठक, शैलेन्द्र दुबे, रत्नेश कुमार, दीपक गोप, आशीष गोप, अमासी बारला, संजय मंडल, कार्तिक राम, दिनेश यादव, अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, प्रतिमा कुमारी, बिमला टोप्पो, सुशांति तोपनो, काजल किरण, मृतुन्जय कुमार राय, शिवेंद्र दुबे आदि ने झारखण्ड दल की सफलता की कामना की है।

बीआईटी मेसरा एवं संचार मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता

बिभा संवाददाता

रांची : स्क्रीन और कीबोर्ड के वर्चस्व वाली दुनिया में, संचार मंत्रालय, डाक विभाग, भारत सरकार और बीआईटी मेसरा के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग और छात्र मामलों के डीन के कार्यालय ने मिलकर एक राष्ट्रीय स्तर की पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया । इस प्रतियोगिता का विषय, द जॉय ऑफ राइटिंग, ने हस्तलिखित संचार की कला को पुनर्जीवित करने और प्रतिभागियों को इसके अद्वितीय आकर्षण की याद दिलाने की कोशिश की।
हमारी बढ़ती डिजिटल दुनिया में, प्रतियोगिता ने पत्र लेखन की शाश्वत कला का जश्न मनाया। प्रतिभागियों ने कलम और कागज के माध्यम से अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करते हुए हस्तलिखित संचार के अद्वितीय भावनात्मक और सांस्कृतिक मूल्य का पता लगाया। प्रतिभागियों को

कलम और कागज संचार के अपूरणीय आकर्षण को प्रदर्शित करते हुए हस्तलिखित पत्रों के शाश्वत माध्यम के माध्यम से अपने विचारों, भावनाओं और रचनात्मकता को व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया गया था।
करीब 200 से अधिक विविध पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों ने पत्र प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा संचार मंत्रालय द्वारा आयोजित भव्य समापन समारोह के दौरान की जाएगी। प्रथम स्थान पाने वाले को 50,000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान के विजेताओं को क्रमशः 25,000 रुपये और 10,000 रुपये मिलेंगे।
यह आयोजन संचार के एक सार्थक और स्थायी रूप के रूप में पत्र लेखन को बढ़ावा देने के लिए डाक विभाग के राष्ट्रव्यापी अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। प्रतिभागियों को पत्र लिखने के स्पर्शात्मक और भावनात्मक पहलुओं को फिर से खोजने के लिए प्रोत्साहित करके, प्रतियोगिता ने इस कालातीत माध्यम के लिए नए सिरे से सराहना को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया।
प्रतियोगिता का आयोजन मानविकी विभाग के सहायक प्रोफेसर मृणाल पाठक एवं डॉ. रोहित पांडे, सहायक प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग और डॉ. योगेन्द्र अग्रवाल, एसोसिएट डीन, स्टूडेंट अफेयर्स की देखरेख में किया गया। आयोजन टीम ने कार्यक्रम की शानदार सफलता में उनके अमूल्य योगदान के लिए सभी प्रतिभागियों, संकाय सदस्यों और भागीदारों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता ने न केवल पत्र लेखन की भावना को फिर से जागृत किया बल्कि हमारी बढ़ती डिजिटल दुनिया में प्रामाणिक मानवीय संबंधों को संरक्षित करने में इसकी स्थायी प्रासंगिकता को भी रेखांकित किया।

हारे हुए विधानसभा सीटों पर समीक्षा करेगी कांग्रेस

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव-2024 में कांग्रेस जिन विधानसभा सीटों पर चुनाव हारी है उन सीटों पर कांग्रेस समीक्षा करेगी, किन परिस्थितियों में और किन कारणों से उन सीटों पर शिकस्त खाये है, प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव व झारखण्ड प्रभारी गुलाम अहमद मीर के निर्देश पर उन सीटों पर समीक्षा हेतु प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश द्वारा वरिष्ठ कांग्रेसजनों की जिलावार समिति का गठन किया गया है, जो जिलाध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों, प्रखंड, मंडल के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी एवं जिला के अग्रणी संगठन, विभाग के लोगों के साथ बैठक कर हार की कारणों की समीक्षा करेगी।

गठित जिलावार समिति

1. हजारीबाग-हजारीबाग, बड़कागांव, बरही, माण्डू- बंधु तिर्की, संयोजक, सुल्तान अहमद, रविन्द्र कुमार झा
2. धनबाद-धनबाद, झरिया, बाघमारा- शहजादा अनवर, संयोजक, अशोक चौधरी, जयशंकर पाठक
3. पलामू- डाल्टेनगंज, विश्रामपुर, पांकी- रविन्द्र सिंह, संयोजक भीम कुमार, बिनय सिन्हा दीपू
4. पूर्वी सिंहभूम-जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी-ब्रजेन्द्र प्रसाद सिंह, संयोजक, रमा खलखो, आलोक दूबे,
5. दुमका एवं देवघर- जरमुंडी राजीव रंजन प्रसाद, संयोजक, अमूल्य नीरज खलखो, डॉ एम तौसीफ,
6 रांची-हटिया-रामाश्रय प्रसाद, संयोजक, अजय सिंह, जवाहर लाल महथा।

संक्षिप्त खबरें

परीक्षा देने आई एक नाबालिग छात्रा के कमरे में घुसकर छेड़खानी

रांची। राजधानी रांची में एक बेहद ही शर्मनाक मामला सामने आया है, जहां वेस्ट बंगाल से परीक्षा देने आई एक नाबालिग छात्रा के कमरे में घुसकर बदमाशों ने छेड़खानी की। कपड़े उतरवाए और फोटो खींचकर ब्लैकमेल भी किया। यह घटना रांची के कटहल मोड़ स्थित एक होटल में हुई। मामले में छात्रा के पिता ने नगड़ी थाने में मालदा के सुभेंदु मंडल, शांतनु मंडल, तमिलनाडु के अभिषेक दत्ता, अर्कापराव दत्ता, सोमनाथ शर्मा पर केस किया है। पुलिस तहकीकात में जुट गई है।
पुलिस में की गई कंप्लेन में छात्रा के पिता ने बताया है कि घटना से उनकी बेटी काफी डरी- सहमी हुई है। उन्होंने कहा कि जब वह खाना खाकर कमरे में लौटे तो आरोपी फरार हो गए। छात्रा के पिता ने बताया कि आरोपी रूम नंबर 104 में ठहरे थे। चारो आरोपी उनके कमरे में जबरन घुस आए। परिचय देते हुए बेटी से दोस्ती की और छेड़खानी कर अश्लील हरकतें की। इसके बाद आरोपियों ने उनकी पुत्री के सारे कपड़े उतरवा दिए और उसे ब्लैकमेल करने लगे। लेकिन, कमरे में उनके पहुंचते ही सभी आरोपी वहां से अपने कमरे में चले गए।

रोहित तिर्की हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार

रांची। रांची में दुर्गा पूजा घूमने के दौरान रोहित तिर्की हत्याकांड के दो आरोपी युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इनमें विकास नगर, पिस्का मोड़ निवासी मंतोष कुमार उर्फ मंटू (25 वर्ष), पिता सुरेश कुमार चौधरी और विकास नगर का ही आयुष राज उर्फ अंकित कुमार (24 वर्ष), पिता प्रेम कुमार, 138 एसबीआई रोड शामिल हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है।
बता दें कि दुर्गा पूजा के दौरान 11-12 अक्टूबर की आधी रात रांची के न्यू मार्केट चौक के पास अज्ञात अपराधियों द्वारा की गई मारपीट में रोहित तिर्की गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें गंभीर अवस्था में इलाज के लिए रिम्स में भर्ती किया गया था, जहां इलाज के दौरान ही रोहित तिर्की की मौत हो गई थी।

मारवाड़ी युवा मंच ने लगाया आई चेकअप कैम्प

रांची। मारवाड़ी युवा मंच राँची समर्पण शाखा स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल किशोरगंज मे आई चेकप कैंप लगाया गया। यह कैंप शार्प आई हॉस्पिटल के सौजन्य से 12 महीने 12 निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर के अन्तर्गत सातवें शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों और शिक्षकों का निःशुल्क आइ चेकअप कराया गया। इसमें बच्चों के बीच एक अवेयरनेस सेशन भी कराया गया। इस कार्य में स्कूल प्रबंधन का हमें भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। इस शिविर से 60 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। इस शिविर के आयोजन हेतू स्वास्थ्य प्रभारी कोमल झुनझुनवाला संयोजिका आशा सर्राफ ने बहुत अच्छे से तैयारी की थी। इस कार्यक्रम मे शुभा अग्रवाल,आशा सराफ,कोमल पोद्दार, पूजा अग्रवाल और अन्य सदस्य मौजूद थी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

आम लोगों से शिकायत प्राप्त करने के लिए व्हाट्सएप नंबर जारी

समय के साथ व्यवस्था को और बेहतर करने का प्रयास : उपायुक्त

- उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा जारी किया गया नंबर
- 9430328080 पर रांची ज़िला वासी कर सकेंगे शिकायत
- 24×7 एक्टिव रहेगा नंबर, 03 शिफ्ट में कर्मियों की प्रतिनियुक्ति
- आम लोगों की सुविधा एवं उनकी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन की पहल

विभा संवाददाता। रांची

उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर इस नंबर की पायलट लॉन्चिंग की। उपायुक्त के आवसीय गोपनीय स्थित सभा कक्ष से नंबर की लॉन्चिंग करते हुए उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि आम लोगों की सुविधा एवं उनकी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन की ये पहल है, समय के साथ इस प्लेटफार्म के माध्यम से शिकायत प्राप्त करने और समाधान की प्रक्रिया को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

24×7 एक्टिव रहेगा नंबर

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि व्हाट्सअप ग्रुप 9430328080 चौबीस घंटे क्रियाशील रहेगा। इस ग्रुप के अनुश्रवण के लिए जिला स्तर पर नोडल पदाधिकारी को नामित किया गया है, साथ ही उनके सहयोग के लिए दो अन्य पदाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है।

तीन शिफ्ट में कर्मियों की प्रतिनियुक्ति

व्हाट्सएप ग्रुप 9430328080 पर समाहरणालय अवस्थित विभिन्न शाखाओं में होने वाले कार्यों तथा आम लोगों से प्राप्त होने वाली शिकायतों के तत्काल समाधान के लिए तीन पालियों में कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिनकी कार्यावधि सुबह 06:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक, दोपहर 02:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक एवं रात्रि 10:00 बजे से सुबह 06:00 बजे तक होगी। प्रतिनियुक्त कर्मी प्राप्त शिकायत ससमय संबंधित विभाग को अग्रसारित करेंगे, साथ ही की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

समाहरणालय परिसर का किया निरीक्षण, दिये आवश्यक निर्देश

रांची। उपायुक्त रांची, मंजूनाथ भजंत्री ने सोमवार सुबह समाहरणालय परिसर की साफ सफाई एवं रखरखाव का जायज़ा लिया। मौके पर साफ-सफाई हेतु प्रतिनियुक्त नोडल पदाधिकारी मौजूद थे। उपायुक्त द्वारा शौचालय की स्वच्छता, समाहरणालय प्रांगण के सुन्दरीकरण एवं पेयजल क्षेत्र के सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उपायुक्त द्वारा अग्निशमन एवं ड्रेनेज की व्यवस्था को दुरुस्त करने और समाहरणालय में सौर ऊर्जा प्रणाली के विषय में जानकारी ली गई।

प्रखंड एवं अंचल कार्यालय में पदाधिकारियों की उपस्थिति की ली जानकारी: उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी अंचल एवं प्रखंड कार्यालय में पदाधिकारियों की उपस्थिति की जानकारी गूगल लोकेशन के माध्यम से ली।
उपायुक्त ने कार्यालय प्रकोष्ठ में बैठक कर समाहरणालय स्तर के सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारियों के आइडेंटी कार्ड एवं कर्मियों की उपस्थिति तथा जन शिकायत कोषांग के कार्यों की जानकारी भी ली।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने ऋण वितरण शिविर का किया आयोजन

विभा संवाददाता। रांची

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय रांची के तत्वाधान में ऋण वितरण शिविर का आयोजन क्षेत्रीय कार्यालय रांची के सभागार में सोमवार को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रमुख सुनील कुमार ने की। क्षेत्रीय प्रमुख सुनील कुमार ने ग्राहक एवं बैंक के मध्य पारस्परिक निर्भरता की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय रांची सदैव ग्राहकों की सुविधा, वित्तीय सुरक्षा, एवं वित्तीय प्रगतिशीलता हेतु प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय के अधीन 47 शाखाएं हर समय ग्राहकों के हित का ध्यान रखते हुए उत्कृष्ट सेवा देने के लिए तत्पर है। इसी क्रम में ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ पहुंचाने हेतु निरंतर प्रतिमाह ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। आगे भी यह जारी रहेगा। सुनील कुमार ने कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया अनवरत अपने ग्राहकों के लिए जमा और ऋण उत्पादों की आकर्षक योजनाओं को लागू करता है। वर्तमान में कम ब्याज पर विभिन्न ऋण तथा बच्चों, महिलाओं, व्यवसायियों, वरिष्ठ नागरिकों के लिए जमा पर विभिन्न उत्पाद जारी किया गया है।

दूरदर्शन रांची की ओर से स्ट्रिंगरों के लिए 29 दिसम्बर तक आवेदन आमंत्रित

विभा संवाददाता। रांची

दूरदर्शन केन्द्र, रांची में स्ट्रिंगर पैनल के लिए विजुअल कवरेज में अनुभव रखने वाले स्ट्रिंगर कैमरा मैन से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। झारखंड के सभी जिलों रांची, खूंटी, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, गुमला, लोहरदगा, पलागू, लातेहार, गढ़वा, रामगढ़, हजारीबाग, धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, कोडरमा, पाकुड़, दुमका, देवघर, गोड्डा, जामताड़ा, साहिबगंज और चतरा के लिए समाचार कवरेज में सक्षम स्ट्रिंगर की आवश्यकता है।
रांची दूरदर्शन केन्द्र के सहायक निदेशक एवं समाचार प्रमुख दिवाकर कुमार ने बताया कि आवेदन पत्र और आवश्यक जानकारियां प्रसार भारती की वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती हैं। ऑफलाइन मोड में स्ट्रिंगर्स के लिए आवेदन पत्र दूरदर्शन केन्द्र, रांची से किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 11 बजे से शाम पांच बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 29 दिसम्बर, 2024 तक है।
आवेदन के साथ 1180/- रूपये (18 प्रतिशत जीएसटी के साथ) का डिमांड ड्राफ्ट भी जमा करना है। निर्धारित फॉर्म और शुल्क के साथ आवेदन 29 दिसम्बर तक समाचार प्रमुख, दूरदर्शन केन्द्र, रांची तक पहुंच जाना चाहिए। लिफाफे के ऊपर मोटे अक्षरों में स्ट्रिंगर्स के पैनल के लिए आवेदन लिखा होना चाहिए। उम्मीदवार को अपने आवदेन में उस जिले का नाम लिखना अनिवार्य है, जहां से वह काम करना चाहते हैं। उम्मीदवार को सिनेमैटोग्राफी, विडियोग्राफी, समाचार संग्रहण और प्रसारण पत्रकारिता में भी पर्याप्त अनुभव होना चाहिए।

बीएनआर में नेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल डे पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

विभा संवाददाता। रांची

नेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल डे के अवसर पर झारखण्ड प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् द्वारा आज होटल बीएनआर में आयोजित कार्यशाला में फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष परेश गट्टानी मुख्य रूप से शामिल हुए। नेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल डे के इस वर्ष की थीम क्लिन एयर, ग्रीन अर्थ, ए स्टेप टूवर्डस सस्टनेबल लिविंग रखी गई है। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में शिक्षाविद्, पर्यावरण, इंजीनियरिंग विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से विभिन्न स्कूल के बच्चे रूबरू हुए और पर्यावरण की रक्षा के लिए जानकारी प्राप्त किये। इस दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं का उपयोग, गैर बायोडिग्रेडेबल वस्तुएं या सामग्रियों का उपयोग नहीं करने की शपथ ली गई। कार्यशाला में उपस्थित पॉल्यूशन बोर्ड के अधिकारियों ने राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के उद्देश्य से लोगों को जागरूक किया। यह भी कहा कि राज्य में पर्यावरण नियंत्रण एक बडी चुनौती है। झारखण्ड पॉल्यूशन बोर्ड लगातार इस क्षेत्र में तेजी से आगे बढकर प्रदूषण को कम करने की ओर कार्य कर रहा है। विद्यार्थियों ने पॉल्यूशन के विभिन्न पहलुओं पर अपनी शंकाओं को दूर करने के लिए उपस्थित विशेषज्ञों जैसे मेकॉन के पूर्व सीजीएम राणा सुभाशीष चक्रवर्ती, झारखण्ड चैंबर के अध्यक्ष परेश गट्टानी, सेल के जीएम उज्ज्वल भास्कर, एपीसीसीएफ डीके सक्सेना, से सवाल-जवाब के माध्यम से स्पष्टता प्राप्त की।

विस चुनाव के दौरान राष्ट्र विरोधी शक्तियों की भूमिका की उच्च स्तरीय जांच हो : प्रतुल

विभा संवाददाता। रांची

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में राष्ट्र विरोधी शक्तियां सक्रिय रही। प्रतुल ने कहा कि जिस तरीके से भाकपा माओवादियों ने बयान जारी करके भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन की हार पर झारखंड की जनता को बधाई दी है,यह बहुत ही संदिग्ध है। प्रतुल ने कहा कि मीडिया के अनुसार माओवादियों के पूर्वी रीजनल ब्यूरो के मुख्य प्रवक्ता आजाद ने बयान जारी कर भाजपा की हार पर हर्ष व्यक्त किया है। प्रतुल ने कहा कि का यह बेहद ही संदिग्ध मामला है क्योंकि इन्हीं उग्रवादियों ने चुनाव से पहले पूरे प्रदेश में पर्चे बाँट करचुनाव के बहिष्कार का आह्वान किया था। जो संगठन चुनाव में विश्वास नहीं रखता, वह किसी दल विशेष की पराजय से इतना खुश कैसे हैं? प्रतुल ने कहा क्या चुनाव के समय ऐसे संगठनों ने पर्दे के पीछे से कोई बड़ा षड्यंत्र किया है? प्रतुल ने कहा कि आज तक ऐसा पूर्व में कभी नहीं हुआ है जब माओवादी जैसे देश की एकता और अखंडता पर प्रहार करने वाले प्रतिबंधित संगठन ने किसी के चुनाव हारने पर ऐसी प्रतिक्रिया दी हो।इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता है। प्रतुल ने कहा कि इसी तरीके से अवैध गतिविधियों में लिप्त कई एनजीओ की भूमिका भी संदिग्ध रही। राष्ट्र विरोधी कार्यों में लगे फॉरेन फंडिंग से फल फूल रहे इन एनजीओ ने जमकर भाजपा या गठबंधन के प्रत्याशियों को हराने के लिए कार्य किया।

समिति के सर्वेक्षण रिपोर्ट पर कार्ययोजना बनाकर लागू करे सरकार

विशेष समिति का गठन करे राज्य सरकार : बाबूलाल

विभा संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य के माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सलाह देते हुए राज्य के आदिम जनजातियों विशेषकर संथाल परगना क्षेत्र में निवास करने वाली पहाड़िया समाज की सामाजिक आर्थिक स्थिति पर चिंता भी व्यक्त की है।
श्री मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि झारखंड की आदिम जनजातियों, विशेष रूप से पहाड़िया समाज की आर्थिक और सामाजिक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। आज भी यह समुदाय विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर है और बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। इनके गांवों तक आवागमन के लिए न तो सड़कों की उचित पहुंच है और न ही इन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल पाता है।
उन्होने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पीने का पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी घोर अभाव है। कुपोषण, एनीमिया, मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियां इनके जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं।
श्री मरांडी ने कहा कि पहाड़िया समाज के उत्थान के लिए बनाई गई योजनाओं का लाभ भी अधिकतर बिचौलिए हड़प लेते हैं।
उन्होने कहा कि इन पहाड़ी क्षेत्रों में उनके लगातार दौरे में पहाड़िया समाज कि दयनीय स्थिति को देखकर यह साफ जाहिर होता है कि उनकी हालत बेहद चिंताजनक है।
कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी आदिम जनजाति समाज कि ऐसी स्थिति राज्य केलिए चिंताजनक है।
श्री मरांडी ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया कि झारखंड की आदिम जनजातियों, विशेषकर पहाड़िया समाज के समग्र उत्थान के लिए एक विशेष समिति का गठन किया जाए। समिति द्वारा किए गए सर्वेक्षण और सिफारिशों के आधार पर एक वर्ष की ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके।
कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि इस महत्वपूर्ण विषय पर अगले कैबिनेट में मुख्यमंत्री निर्णय लेकर विशेष समिति बनाकर पहाड़िया जनजाति के गाँवों में ज़मीनी सच्चाई देखने भेजेंगे और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर पुण्य के भागी बनेंगे।

मुख्यमंत्री से मुलाकात का दौर

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में विधायक डॉ रामेश्वर उरांव ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

रांची। उपायुक्त धनबाद माधवी मिश्रा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की।

रांची : झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सचिव अबू बकर सिद्दीक और पुलिस महानिरीक्षक श्री सुदर्शन प्रसाद मंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की।

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग जेपीएससी के माननीय सदस्य डॉ जमाल अहमद ने सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को भारतीय मुसलमानों में जात पात और आरक्षण नामक पुस्तक भेंट कर सरकार गठन पर बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में प्रधान सचिव डॉ नितिन मदन कुलकर्णी एवं एडीजी सुमन गुप्ता ने शिष्टाचार मुलाकात की।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में केंद्रीय सरना समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। मौके पर केंद्रीय सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने खुशी के इजहार करते हुए झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

रांची : झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आईपीएस विजय आशीष कुजूर के नेतृत्व में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ, झारखंड के प्रतिनिधि मंडल ने औपचारिक मुलाकात की ।

रांची। झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को बधाई देते हुए विधायक इरफान अंसारी और संजीव सरदार।

ट्रांसपोर्ट नगर के लिए 20 एकड़ भूमि उपलब्ध कराएं बीएसएल: उपायुक्त

संक्षिप्त खबरें

समाजसेवी गोपाल सिंह के निधन पर समाज ने जताया शोक

बोकारो(बिभा): बोकारो क्षेत्रीय राजपुत समाज जोन पांच निवासी चिरुडीह समाजसेवी गोपाल सिंह 55 बर्ष का इलाज के दौरान रविवार रात धनबाद में असमियक निधन पर समाज मर्माहत है। ये दो पुत्र एक पुत्री भरा पुरा परिवार छोड़ कर गये हैं। ये समाजिक कार्य पर बढ़ चढ़ भागीदारी निभाते थे। सरल स्वभाव व व्यक्तित्व के धनी थे। इनके निधन पर समाज केन्द्रीय कमिटी, जोनल व ग्रामीण कमिटी के पदाधिकारी तथा सदस्यों ने शौक जताया है।

ट्रेन से गिरा व्यक्ति का सकुशल बैग ऑपरेशन अमानत के तहत बोकारो आरपीएफ ने लौटाया

बोकारो(बिभा) : सुरक्षा नियंत्रण कक्ष आद्रा से बोकारो रेलवे स्टेशन के आरपीएफ पोस्ट पर सूचना मिली कि एक यात्री जो ट्रेन संख्या 17006 रक्सौल हैदराबाद एक्सप्रेस से सफर कर रहा है जिसका नाम सिकंदर पासवान जो बिहार के सुपौल जिला के बनैली पट्टी का निवासी है जो दरभंगा से सिकंदराबाद के लिए ट्रेन संख्या 17006 से यात्रा कर रहा था। इसी दरमियान यात्रा के दौरान जमुनियाटांड़ स्टेशन से ठीक पहले वह जनरल कोच के डब्बे से गिर गया जिसके कारण पिट्ठु बैग उसका ट्रेन में ही छूट गया । सुरक्षा नियंत्रण कक्ष से जब इसकी सूचना बोकारो आरपीएफ पोस्ट को दी गई तत्पश्चात आरपीएफ द्वारा ट्रेन से गिरे हुए यात्री सिकंदर पासवान के मोबाइल पर संपर्क कर छुटे हुए सामान के बारे में पूछताछ कि । बोकारो आरपीएफ ने छुटे हुए सामान का बरामदी कर लिया गया तत्पश्चात इसके बाद ट्रेन जैसे ही बोकारो स्टेशन पहुंची ड्यूटी पर तैनात एएसआई पवन कुमार झा एलसी खुशबू कुमारी ने उसे छुटे हुए बाग की पहचान कर बैग को सुरक्षित रख लिया गया में ले लियाजिसकी कीमत लगभग 2500 रुपए बताया गया है इसकी सूचना शिकायतकर्ता सिकंदर पासवान को दे दी गई। यात्री सिकंदर पासवान बोकारो स्टेशन पहुंच आरपीएफ पोस्ट में अपना समान एवं उक्त घटना के बारे में सूचना दी महा मौके पर मौजूद आरपीएफ ने उक्त की पहचान एवं सत्यापन कर यात्री को सकुशल उसका बिट्ठु बाग शॉप दिया गया इसकी आवाज में यात्री ने आरपीएफ को धन्यवाद दिया।

सीआईएसएफ को हरा सिक्योरिटी विभाग बना चैंपियन

बोकारो(बिभा) : बीएसएल स्टील चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ जिसमें पहला मैच सिक्योरिटी विभाग तथा सीआईएसएफ के बीच खेला गया जिसमें सिक्योरिटी विभाग में कार्यरत होमगार्ड जवानों की टीम ने सीआईएसएफ को हराकर जीत हासिल की इसको लेकर सिक्योरिटी विभाग के महाप्रबंधक श्री आलोक चावला तथा लेफ्टिनेंट कर्नल राजेंद्र सिंह शेखावत ने टीम के सभी प्लेयर को बुलाकर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस मौके पर मौजूद थे ध्रुव कुमार, अमरेंद्र कुमार द्विवेदी, रामानंद प्रसाद सिंह, मुन्ना कुमार सिंह एवं संतोष गुप्ता इत्यादि मौजूद थे।

खनन विभाग ने चलाया सघन जांच अभियान, 3 ट्रैक्टर जब्त

बोकारो(बिभा) : उपायुक्त विजया जाधव के निदेर्शानुसार सोमवार सुबह बोकारो जिला के विभिन्न स्थानों पर सघन जांच अभियान चलाया गया। जिसमें पेटरवार तेनु चौक पर अवैध रूप से बालू खनिज का उत्खनन कर प्रेषण करते हुए 01 ट्रैक्टर को पकड़ा गया, जिसे पेटरवार थाना को सुपुर्द करते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, पेटरवार के समीप अवैध रूप से स्टोन चिप्स का उत्खनन कर प्रेषण करते हुए 1 ट्रैक्टर एवं पेटरवार थाना मोड़, बांधडीह के समीप 1 ट्रैक्टर को अवैध रूप से स्टोन चिप्स का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। जिसे जप्त कर संबंधित थाना पेटरवार एवं जरीडीह थाना को सुरक्षार्थ सुपुर्द किया गया। उक्त अभियान में खान निरीक्षक, सीताराम टुडू एवं पुलिस बल मौजूद थे।

जैनामोड़ में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेले का आयोजन 04 को, मेले में 12 निजी कंपनियां लेगी हिस्सा

बोकारो(बिभा) : श्रम नियोजन प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग एवं अवर प्रादेशिक नियोजनालय बोकारो द्वारा राजकीयकृत उच्च विद्यालय मैदान, बांधडीह जैनामोड़ में आगामी 4 दिसंबर 2024 को दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारी विभाग ने शुरू कर दी है। मेले में स्थानीय, अन्य जिलों व राज्यों से 12 कंपनियां शामिल होंगी। सभी कंपनियां अलग - अलग क्षेत्र से संबंधित है। मेले में जिले से संबंधित बेरोजगार युवक झ युवतियां शामिल हो सकते है। मेले में विभाग द्वारा झारखंड राज्य निजी क्षेत्र स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम 2021 और नियमावली 2022 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

योग्यता के अनुसार मिलेगा रोजगार : विभिन्न कंपनियों के रिक्त पड़े पदों पर अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता व कौशल के अनुरूप बहाल किया जाएगा। इन कंपनियों में मैट्रिक, इंटर, आइटीआइ, स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए रोजगार उपलब्ध होगा। मेले में ग्राइंडरमैन, इलेक्ट्रीशियन, रिसेप्शनिस्ट, नर्सिंग, वार्ड बॉय, ड्राइवर, स्वीपर, टेक्नीशियन, इलेक्ट्रीशियन, पेंटर, वॉशरमैन, सर्विस एडवाइजर, फ्लोर एडवाइजर, टेली कॉलर, स्पेयर्स एग्जीक्यूटिव, डायग्नोस्टिक एक्सपर्ट, वारंटी सुपरवाइजर, जूनियर इंजीनियर, टेक्नीशियन वेल्डर, सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर, मैकेनिक फीटर, एजेंट डेवलपमेंट मैनेजर, फाइनेंशियल एडवाइजर यूनिट मैनेजर, इंश्योरेंस एडवाइजर आदि का पद रिक्त है।

नियोजन कार्ड के साथ मेले में है पहुंचना : रोजगार मेले में अभ्यर्थियों को अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के अलावा कौशल विकास से संबंधित प्रमाण पत्र लेकर पहुंचना है। साथ ही, छात्रों को जिला नियोजनालय का कार्ड भी लाना है। राज्य के किसी भी नियोजनालय में निबंधित अभ्यर्थी ही मेले में हिस्सा ले सकते हैं। इसलिए वैसे अभ्यर्थी जिनके पास निबंधन कार्ड नहीं है वे जिला नियोजनालय से कार्ड बनवा लें।

इस संबंध में जिला नियोजन पदाधिकारी श्री बम बैजु सिन्हा ने बताया कि, रोजगार मेले का आयोजन आगामी 4 दिसंबर 2024 को राजकीयकृत उच्च विद्यालय मैदान, बांधडीह जैनामोड़ में किया जाएगा। मेले में राज्य के विभिन्न जिलों के अलावा स्थानीय कंपनियां भी शामिल होंगी। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है।

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (एसडब्ल्यूएम) इकाई अधिष्ठापन को लेकर कार्रवाई में तेजी लाएं

कोलकाता-अमृतसर इंड्रस्ट्रीयल कोरिडोर के कार्य में प्रगति लाने, शहर को सुंदर बनाने - यातायात व्यवस्था को बेहतर करने समेत कई अन्य मुद्दों पर किया चर्चा

बिभा संवाददाता

बोकारो : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव ने बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल) प्रबंधन के साथ विभिन्न विषयों पर समीक्षा बैठक की। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा, पुलिस उपाधीक्षक बी.एस.सिटी श्री आलोक रंजन, अंचलाधिकारी चास श्री दीवाकर दूबे, उप प्रबंधक (पी) बीएसएल श्री अमिताभ दास, वरीय प्रबंधक (टीए-एलआरए) श्री एन सिद्दकी, महाप्रबंधक (टीए - एलआरए) श्री ए के सिंह, कार्यकारी निदेशक श्री अनीश सेन गुप्ता, महाप्रबंधक (परियोजना) श्री एस आनंद, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

इस क्रम में उपायुक्त ने जिला मुख्यालय को भाड़ी वाहनों की पार्किंग से उत्पन्न जाम की समस्या को समाप्त करने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर के लिए 20 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने बीएसएल प्रबंधन को अंचलाधिकारी चास से समन्वय करते हुए भूमि चिन्हित करने को कहा। वहीं, बीएस सिटी के कचड़ें का निस्तारण सही से करने को लेकर सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (एसडब्ल्यूएम) इकाई अधिष्ठापन को लेकर की जा रहें कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। जिस पर बीएसएल प्रबंधन ने बोर्ड में संबंधित मामला लंबित होने की बात कहीं। इस पर उपायुक्त ने इसका फालोअप करने और कार्य में गति लाने का निर्देश दिया। वहीं, कोलकाता अमृतसर इंड्रस्ट्रीयल कोरिडोर के लिए चिन्हित भूमि का मूल्य गणना/आंकलन को लेकर कार्य की जानकारी ली। उन्होंने भूमि का मूल्य गणना/आंकलन को गंभीरता से पुनः कर जिला को प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। इसके अलावा उपायुक्त ने शहर को सुंदर बनाने, ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर करने के लिए बैरिकेटिंग लगाने, समाहरणालय भवन निर्माण को लेकर एनओसी उपलब्ध कराने, सड़कों को अतिक्रमणमुक्त कराने, बीएसएल प्लांट एवं टाउनशीप के लिए वैक्लपिक जलापूर्ति योजना आदि मुद्दों पर चर्चा कर जरूरी दिशा निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया।

वर्षो पुरानी ट्रांसपोर्ट नगर की मांग को लेकर विधायक ने की पहल, 20 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

बोकारो : विधायक श्वेता सिंह के पहल पर वर्षो पुरानी ट्रांसपोर्ट नगर की मांग को व्यक्तिगत रूप से पूरे तन्मयता से लेते बोकारो जिला उपायुक्त ने भारी वाहनों की पार्किंग से उत्पन्न जाम की समस्या को समाप्त करने के लिए बि.एस.एल प्रबंधन को 20 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि यह समस्या लंबे समय से आम जनता की गले की फांस बनी हुई थी, बोकारो एक औद्योगिक नगरी है और यहां भारी वाहनों का आवागमन होना आम बात है। भरी वाहनों के रोड किनारे ठहराव के कारण उनका पार्किंग फाइन कटना एक समस्या तो थी ही जिससे कि गाड़ी मालिकों को आर्थिक नुकसान का सामना करना ही पड़ता था और कभी कभी खड़ी वाहनों के कारण छोटे वाहनों की दुर्घटनाओं में प्रचंड रूप से वृद्धि भी होती रही है इन सभी समस्याओं को केंद्र बिंदु में रखते हुए इस समस्या का निराकरण करना बहुत ही आवश्यक था इस विधानसभा चुनाव में हमने क्षेत्र की जनता से वादा किया था कि अगर मैं जीतूंगी तो सर्वप्रथम इस मामले का निष्पादन कराने का पहल करूंगी ।आप सभी निजी मुझे अपनी सेवा करने के लिए स्नेह दिया है उसका पूरा सम्मान करती हूं और भविष्य में भी जन सेवा के लिए तत्परता से अग्रसर रहूंगी ।बोकारो विधानसभा पूरे भारत वर्ष के विकसित मान चित्र पर लाना हमारी पहली प्राथमिकता होगी।

त्रिपक्षीय समझौता प्रबंधन को मानना होगा : बीके चौधरी

बिभा संवाददाता।

बोकारो : ठेकाकमीर्यों को 7 दिन के बाद 8 वां दिन री-मेडिकल के साथ साथ सेफ्टी खत्म होने के दुसरे दिन मेडिकल करबाने ,इस्पातकमीर्यों का बकाया 39 महिने का एरियर के साथ साथ रात्री पाली भत्ता का भी एरियर, ठेकेदार इन्जीनियर इन्चार्य गठजोड को बेतन मे से पैसा नही लोटाने पर काम से निकाले जाने की परम्परा को समाप्त करने के लिए प्लांट मे जय झारखंड मजदूर समाज की ओर से जनजागरण कार्यक्रम के तहत आज मील जोन की बैठक हॉट स्ट्रीप मील केन्टीन रेस्ट रूम मे हुआ जिसमे हॉट स्ट्रीप मिल, एच आर सी एफ और सी आर एम मे कार्यरत इस्पातकर्मी और ठेकाकमीर्यों ने भारी संख्या मे भाग लिया ।कार्यक्रम का अध्यक्षता मजदूर नेता भी के साह ने किया ।मोके पर उपस्थित झारखण्ड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बी के चौधरी ने अपने संबोधन मे कहा कि ढ़ोल पीट-पीटकर कर कहने बाले एन जे सी एस के नेताओं ने कहा था कि 39 महिने का एरियर देने पर भी समझोता हुआ है जिसे तीन किस्त मे भुगतान किया जायगा लेकिन तीन बर्ष गुजर गया लेकिन आज तक एक किस्त भी नही मिला है ।रात्री पाली भत्ता का चर्चा भी दूर दूर तक नही कर रहा है ।सेल के सभी प्लांट मे युनियन का गुप्त मतदान के द्वारा चूनाव होता रहा है लेकिन बोकारो स्टील प्लांट के मजदूरों का दुर्भाग्य है कि प्लांट बनने के उपरांत आज तक मजदूरो को अपना प्रतिनिधि चूनने का अबसर नही मिला है जिसके कारण बोकारो स्टील के मजदूर बंधुवा मजदूर बनके रह गया । बोकारो स्टील के तुगलकी फरमान के द्वारा ब्लडप्रेशर और सुगर के नाम पर 28 दिन काम से बैठाने के निर्णय के खिलाफ जय झारखंड मजदूर समाज ने 11 जूलाई 2024 को एक दिवसीय हड़ताल का नोटिस दिया था ।प्रबंधन और एन जे सी एस गठजोड से त्रस्त मजदूरों के द्वारा हड़ताल की तैयारी को देखते हुए 9 जूलाई को सहायक श्रमायुक्त केन्द्रीय धनबाद मे प्रबंधन के साथ त्रिपक्षीय बार्ता मे समझोता हुआ था कि 7 दिन के बाद 8 वां दिन री-मेडिकल होगा ,बिना नोटिस दिये और उसका बिना छानबीन किये मजदूरों को काम से नही निकाला जायगा लेकिन प्रबंधन द्वारा सभी समझोता का उल्लंघन किया जा रहा है ।मजदूरों का मेडिकल या री-मेडिकल मे दो दो महिना बिलम्ब के कारण मजदूरों को आर्थिक तंगी से परेशानी से गुजरना पर रहा है ।इसलिए पुनः सभी मांगो के लिए आर पार की लड़ाई के लिए तैयार रहें ।इस तरह का जनजागरण सभी बिभागों मे होने के पश्चात 14 दिसंबर को अधिशासी निदेशक संकार्य कार्यालय पर होने बाले बिराट प्रदर्शन मे निर्णायक आंदोलन का घोषणा किया जायगा।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बोकारो का दबदबा कायम कर सकते हैं बोकारो के पहलवान: धर्मवीर

बिभा संवाददाता

बोकारो : 25वीं झारखंड राज्य कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आयोजन पलामू जिला के पिपरा प्रखंड में किया था जिसका समापन हुआ। झारखंड राज्य कुश्ती प्रतियोगिता के इस भव्य आयोजन में पुनः इस वर्ष भी बोकारो जिला के पहलवानों का जबरदस्त प्रदर्शन रहा और अपना दबदबा कायम रखा। बोकारो के पहलवान खिलाड़ियों ने विभिन्न वेट कैटगरी में फ्री स्टाइल एवं ग्रीकों रोमन कुश्ती प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल,रजत मेडल, कांस्य पदक जीतकर पुरे झारखंड में ओवर आल तिसरा स्थान प्राप्त कर बोकारो का नाम रौशन किया। बोकारो जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में उत्तरोत्तर खेल का विकास हो रहा है। अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने कहा कि अगर बोकारो जिला प्रशासन एवं सेल बोकारो इस्पात प्रबंधन बोकारो के पहलवान खिलाड़ियों एवं कुश्ती को बढ़ावा दे और सभी संसाधन एवं उच्च कोटि के प्रशिक्षक प्रदान करें तो बोकारो के पहलवान बोकारो का नाम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रौशन कर देंगे। झारखंड राज्य कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने बोकारो के 21 सदस्यीय टीम पलामू गई थी।

25 वीं झारखंड राज्य कुश्ती प्रतियोगिता में बोकारो के विजेता पहलवान खिलाड़ी हैं

फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता में 1.चंदन कुमार (स्वर्ण पदक),नीतीश कुमार (रजत पदक),मुन्ना कुमार (कांस्य पदक),ग्रीको रोमन कुश्ती प्रतियोगिता में शिवम कुमार (स्वर्ण पदक), अभिषेक कुमार (रजत पदक),वंदन कुमार (रजत पदक),महिला कुश्ती में पदक विजेता महिला पहलवान तनु कुमारी (स्वर्ण पदक)।

वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अलकुशा और बोकारो के सेक्टर 6 में मेगा हेल्थ कैंप का किया आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने सामाजिक और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए हाल ही में अपने प्रोजेक्ट टअउए हेल्थकेयर इंटरवेंशनिस्ट कार्यक्रम के तहत बोकारो जिले में दो बेहद सफल मेगा हेल्थ कैंप आयोजित किए। बोकारो और अलकुशा के वरिष्ठ नागरिकों की चिकित्सा आवश्यकताओं पर केंद्रित इन मेगा हेल्थ कैंप में सैकड़ों लोग उमड़े।

वेदांता केयर्स फील्ड अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर

बोकारो के सेक्टर 6 में मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन मेडिकेंट अस्पताल, बोकारो के साथ साझेदारी में किया गया, जिसके डॉक्टरों ने बुजुर्ग नागरिकों की विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के लिए स्क्रीनिंग की। बोकारो के सेक्टर 6 में वेदांता केयर्स फील्ड अस्पताल में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रोजेक्ट टअउए के तत्वावधान में किया गया और इसका संचालन इसकी कार्यान्वयन एजेंसी - समर्थ कम्युनिटी फोरम द्वारा किया गया।

मेडिकेंट अस्पताल के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर आयोजित

स्वास्थ्य शिविर के दौरान वेदांता केयर्स फील्ड अस्पताल में मुख्य अतिथि, सीआईएसएफ के आईजी श्री दिग्विजय कुमार सिंह सहित उपस्थित लोगों ने कोविड-19 महामारी के दौरान वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड द्वारा की गई शानदार सेवा को याद किया। मेडिकेंट अस्पताल के विभिन्न विभागों जैसे ऑर्थोपेडिक्स, जनरल प्रैक्टिशनर्स, नेत्र रोग, एंडोक्राइनोलॉजी (मधुमेह नियंत्रण) के उच्च योग्यता प्राप्त डॉक्टरों ने बुजुर्गों की रक्तचाप, थायरॉयड, रक्त शर्करा आदि की जांच के अलावा उनकी चिकित्सा और सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों में मदद की।

अलकुशा में स्वास्थ्य शिविर

बोकारो जिले के चास अनुमंडल के ग्रामीण क्षेत्र के बुजुर्गों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलकुशा गांव में भी इसी तरह का चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। यहां भी डॉक्टरों ने बुजुर्गों की विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए जांच की और वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड और प्रोजेक्ट एमएसीई की कार्यान्वयन एजेंसी समर्थ फाउंडेशन ने मिलकर इस पहल की दिशा में काम किया।

आकाश अस्पताल, संजीव नेत्रालय और डॉ. पूजा के डेंटल क्लिनिक की साझेदारी में अलकुशा में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया

अलकुशा मेडिकल कैंप के लिए वेदांता ईएसएल स्टील ने विभिन्न प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों के डॉक्टरों के साथ भागीदारी की, जैसे आकाश अस्पताल के जनरल प्रैक्टिशनर, डॉ. पूजा के डेंटल क्लिनिक के दंत चिकित्सक, संजीव नेत्रालय के नेत्र रोग विशेषज्ञ आदि। बुजुर्ग नागरिक अपने चिकित्सा परामर्श और सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों जैसे कि उनके रक्त शर्करा, रक्तचाप, थायरॉयड आदि की जांच के लिए इस शिविर को अत्यधिक सफल बनाने के लिए बड़ी संख्या में आए।

वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड द्वारा स्वास्थ्य सेवा पहल

वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड के प्रबंधन के लिए, जिसे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सरकारी निकायों और गैर सरकारी संगठनों से कई पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया गया है, हमारे आसपास के समुदायों की भलाई से अधिक महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। हमारी विभिन्न हस्तक्षेपकारी नीतिगत पहलों में से, जो सबसे अधिक प्रभावित करती है, वह है हमारी स्वास्थ्य सेवा पहल - प्रोजेक्ट आरोग्य और प्रोजेक्ट टअउए - जिसके क्रियान्वयन के लगभग साढ़े तीन वर्षों में लगभग 5 लाख बोकारो नागरिक लाभान्वित हुए हैं।

वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड द्वारा प्रोजेक्ट MACE

प्रोजेक्ट MACE को बोकारो के बुजुर्ग लोगों की स्वस्थ उम्र बढ़ने और सेहत में योगदान देने के लिए डिजाइन किया गया था, ताकि उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रखा जा सके, उन्हें शारीरिक और ऑनलाइन प्रशिक्षण और सीखने, आयोजनों, सूचना सत्रों आदि जैसी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में शामिल किया जा सके। समर्थ कम्युनिटी फोरम द्वारा कार्यान्वित प्रोजेक्ट टअउए के तहत, हम बुजुर्ग नागरिकों को पोषण संबंधी सहायता भी प्रदान करते हैं और स्वास्थ्य सेवा शिविरों, विशेष शिविरों और नियमित डॉक्टर के दौरे के माध्यम से उनका समर्थन करते हैं।

सामुदायिक कल्याण और मेगा स्वास्थ्य शिविरों के प्रति प्रबंधन का दृष्टिकोण

ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर प्रमुख श्री कुणाल दरिपा ने इस अवसर पर कहा, ₹शिविर का प्राथमिक उद्देश्य सामान्य जांच और तत्काल स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं की महत्वपूर्ण आवश्यकता को संबोधित कर-के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में योगदान देना था। हमारे कई बुजुर्ग अपनी सामान्य चिकित्सा जांच के लिए समय पर आना भूल जाते हैं, चूक जाते हैं या नहीं कर पाते हैं और शुरूआती चेतावनियों से चूक जाते हैं। हम पुरानी कहावत पर विश्वास करते हैं - 'रोकथाम इलाज से बेहतर है'। अगर रोकथाम की जाए और समय रहते पता चल जाए तो कई बड़ी चिकित्सा आवश्यकताओं को आसानी से और बहुत ही किफायती तरीके से पूरा किया जा सकता है। हम इन मेगा कैंपों में अपने सभी भागीदारों और विशेष रूप से सीआईएसएफ के आईजी श्री दिग्विजय कुमार सिंह को धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने हमारे उत्साह को बढ़ाने के लिए अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकाला। वेदांता ईएसएल में हम सब मिलकर अपने समुदाय पर सार्थक प्रभाव डाल रहे हैं।₹

वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड के बारे में

झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोरी गांव में स्थित, वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड स्टील उत्पादों का एक प्रमुख निमार्ता है। कंपनी 2.5 मिलियन टन प्रति वर्ष (टळढअ) की क्षमता वाला एक ग्रीनफील्ड एकीकृत स्टील प्लांट संचालित करती है, जिसमें पिग आयरन, बिलेट्स, टीएमटी बार, वायर रॉड और डक्टाइल आयरन पाइप सहित कई तरह के उत्पाद बनाए जाते हैं। यह प्लांट कड़े पर्यावरण मानकों का पालन करता है और विश्व स्तरीय उत्पाद और सेवाएँ देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता और समाधानों का लाभ उठाता है।

संक्षिप्त खबरें

जिले के जनप्रतिनिधि द्वय सुदीप व रामसूर्या ने उपविकास आयुक्त से की भेंट

खूँटी(बिभा) । जिले के तोरपा (59) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि झामुमो नेता सुदीप गुड़िया और खूँटी (60) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि झामुमो नेता रामसूर्या मुण्डा ने झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद की अगुवाई में सोमवार को उपविकास आयुक्त श्याम नारायण राम से समाहरणालय स्थित उनके कार्यालय जाकर मुलाकात किये। इस दौरान उन्होंने उपविकास आयुक्त महोदय को पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं उपविकास आयुक्त ने उन्हें अपने कार्यालय में स्वागत किये। मौके पर, औपचारिक मुलाकात में क्षेत्र की वस्तुस्थिति व व्यवस्था पर चर्चा किये। वहीं उपविकास आयुक्त ने दोनों नव-निर्वाचित जनप्रतिनिधि को जीत पर बधाई दिये।

अपराधियों के धरपकड़ को ले पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

लोहरदगा(बिभा)। दो वर्ष पूर्व भंडरा थाना क्षेत्र के पोढहा गांव में 2022 में हुए फायरिंग केस को लेकर फरार चल रहे सिसई थाना क्षेत्र के छारदा गांव के वारंटी के घर पर भंडरा पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया।मौके पर एस आई पप्पू गुप्ता ने बताया कि छारदा गांव निवासी विनय कुमार साव उर्फ बंटी साव और लाल नंदकिशोर नाथ शाहदेव घटना के बाद फरार चल रहा था।जो की न्यायालय के आदेशानुसार उसके खिलाफ इश्तेहार निर्गत किया गया हैं। पप्पू गुप्ता ने मौके पर कहा कि इश्तेहार के बाद भी अगर वह आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो उसके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने ग्रामीणों से भी कहा कि अगर उन लोगों से मुलाकात होती है या जानकारी मिलती है तो उसे जल्द न्यायालय में आत्मसमर्पण करने को कहा।

झूलते विधुत प्रवाहित तार की चपेट में आकर ट्रैक्टर चालक गंभीर

लोहरदगा(बिभा)। सेन्हा के हेसवे नवाटोली में एक ट्रैक्टर चालक विधुत तार की चपेट में आकर गंभीर हो गया है। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी अनुसार हेसवे नवाटोली निवासी बिरिया उरांव का 35 वर्षीय पुत्र बासुदेव उरांव ट्रैक्टर पर धान लाद कर जा रहा था, इसी क्रम में हाई टेंशन विधुत तार की चपेट में आने से वह बुरी तरह झुलस गया। घटना रविवार दोपहर की बताई जा रही है, ट्रैक्टर चालक धान लेकर जा रहा था तभी ट्रैक्ट का डाला झूलते विधुत तार की चपेट में आ गया जिससे ट्रैक्टर में करंट दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने परिजनों की मदद से घायल ट्रैक्टर चालक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल की स्तिथि फिलहाल स्थिर बनी हुई है।

पेशरार थाना क्षेत्र से युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

लोहरदगा(बिभा)। पेशरार थाना क्षेत्र के चैनपुर मुख्य सड़क से रविवार सुबह एक युवक का शव बरामद किया गया है। युवक की पहचान कौआडांड़ निवासी 35 विकेश नगेशिया के रूप में हुई है। पेशरार थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराते हुए उसे युवक के परिजनों को सौंप दिया है साथ ही युवक के मौत में कारणों की पड़ताल में जुट गई है। जानकारी अनुसार रविवार सुबह स्थानीय ग्रामीणों ने अज्ञात युवक का शव पेशरार के चैनपुर मुख्य सड़क पर पड़ा हुआ देखकर इसकी सूचना पेशरार थाना पुलिस को दी थी, पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले के दो आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

लोहरदगा(बिभा)। भंडरा थाना क्षेत्र के पझरी पहाड़ मे हुए दुष्कर्म मामले के दोनों आरोपियों को भंडरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी अनुसार सेन्हा थाना क्षेत्र के दो नाबालिग गत 20 सितंबर को भंडरा के पझरी पहाड़ घूमने गए हुये थे जहां दो मनचले युवकों ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था,घटना के बाद दोनों नाबालिग पीड़िता के बयान पर मामला दर्ज कर भंडरा थाना पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी मे जुटी थी, सोमवार को पुलिस ने दोनो को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा और जुर्माना

रांची(बिभा)। पॉक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने सोमवार को नाबालिग से दुष्कर्म करने के दोषी करार हिन्दपीढ़ी के मो. अली उर्फ नूर अली को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने नूर अली पर 15 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। नूर पर पड़ोसी की बेटी के साथ जबरदस्ती करने का आरोप सिद्ध हुआ है। इस घटना को लेकर पीड़िता के परिजन ने हिन्दपीढ़ी थाना में 8 जून, 2022 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। नूर को 11 जून, 2022 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

लातेहार में नाबालिग का शव मिला, नाराज लोगों ने सड़क पर लगाया जाम

बिभा संवाददाता

लातेहार। जिले के चंदवा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक नाबालिग का शव कुएं से मिला। वह पिछले चार दिनों से लापता थी। लड़की के परिजनों ने हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए चंदवा प्रखंड मुख्यालय में सड़क जाम कर दिया। डीएसपी अरविंद कुमार के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम हटाया। जानकारी के अनुसार, सोमवार को कुछ ग्रामीणों ने कुएं में एक शव को देखकर हल्ला मचाया। बाद में शव को कुएं से निकाला गया तो उसकी पहचान हुई। लड़की के परिजनों का कहना था कि लड़की गत 29 नवंबर से ही घर से लापता हो गई थी। इस मामले को लेकर चंदवा थाना में आवेदन भी दिया गया था और कुछ लोगों पर आशंका भी जताया गया था लेकिन पुलिस के जरिये इस मामले में कोई उचित कार्रवाई नहीं की गई। इस कारण उनकी लड़की की हत्या हो गई।

घटना के विरोध में परिजनों ने चंदवा प्रखंड मुख्यालय के इंदिरा चौक पर रांची-डालटेनगंज-चतरा रोड को जाम कर दिया। जाम कर रहे लोग मांग कर रहे थे कि मामले में दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। लगभग डेढ़ घंटे तक जाम रहने के बाद अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी जामस्थल पर पहुंचकर लोगों से बातचीत की। डीएसपी अरविंद कुमार ने आश्वासन दिया कि पुलिस मामले में पूरी तरह निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए जांच के बाद दोषी पाए जाने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई करेगी। इसके बाद लोगों ने सड़क जाम हटाया।

लातेहार में बदमाशों ने दो वाहनों में लगाई आग

लातेहार। जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत कुसमाही रेलवे साइडिंग के पास रविवार की देर रात लगभग 2:00 बजे अज्ञात अपराधियों ने कोयला लदे दो हाइवा में आग लगा दी। इस दौरान अपराधियों ने चालकों के साथ मारपीट भी की। जानकारी के अनुसार, लातेहार के तुबेद कोलियरी से कोयला लोड कर हाइवा बालूमाथ के कुसमाही रेलवे साइडिंग की ओर जा रही थी। इसी दौरान चार की संख्या में अपराधी कुसमाही साइडिंग के पास पहुंचे और वहां कोयला लदे दो गाड़ियों में आग लगा दी। अपराधियों ने इस दौरान चालकों के साथ मारपीट भी की। बताया जाता है कि अपराधियों ने मौके पर फायरिंग भी की। अपराधियों ने चालकों को मारपीट कर घटनास्थल से भगा दिया। घटना के बाद चालक ने पूरे मामले की जानकारी हाइवा के मालिक को दी। इसके बाद हाइवा के मालिक ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार के निर्देश पर पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची लेकिन तब तक हाइवा जल गया था। पुलिस की टीम घटना को लेकर छानबीन कर रही है। वाहन चालकों ने कहा कि वे लोग कोयला लेकर साइडिंग की ओर जा रहे थे। साइडिंग से थोड़ी देर पहले ही चार की संख्या में अपराधियों ने उन्हें रोक लिया और मारपीट करते हुए मोबाइल छीन लिया। अपराधियों ने इस दौरान अपने साथ लेकर आये पेट्रोल से वाहन में आग लगा दी।

खूंटी शहर को सड़क जाम की समस्या से नहीं मिल रही निजात

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगर पंचायत क्षेत्र के मुख्य सड़क खूँटी बाजार आदि जगह में सड़क जाम की समस्या कम नहीं हो पा रही है। नगर पंचायत प्रशासक की अगुवाई में कुछ माह पहले भले ही बाजार टाँड़ में कुछ दुकानों को सड़क जाम का हवाला देते हुए अतिक्रमण मुक्त करने के लिए जेसीबी लगाकर हटाया गया था। लेकिन सड़क जाम की समस्या से शहर मुक्त नहीं हो पाया। वहीं तात्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान द्वारा कहा गया था कि पूरा शहर को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। लेकिन कुछ दिनों के बाद स्थानांतरण हो गया जिसके पश्चात वस्तुस्थिति यथावत रहा गयी। वहीं बाजार टाँड़ में भले दुकान हटा दिया गया। लेकिन सड़क के किनारे दो पहिया वाहन पड़ाव बनाए जाने से जैसा स्थिति पहले था वहीं रह गया है। वहीं सड़क के किनारे यात्री वाहनों व कार आदि को खड़ा करने से भी वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो जाती है। इसके अलावा कई बड़े दुकानदार तो दुकानों को अपने दुकान के बाहर सड़क से सटाकर सामान लगा देते हैं। वहीं वाहन खड़ा करने के लिए भी जगह नहीं रह पाता है । जिसके कारण खरीदारी करने के लिए भी लोग अपने वाहन सड़क पर ही खड़ा कर देते हैं। जो कि ये भी सुलभ पथ बाधित हो जाता है। वहीं मुख्य पथ, बाजार, डाक-बंगला रोड गुदड़ी, कर्रा रोड आदि जगहों में वाहनों के खड़ा किये जाने से सड़क जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। लेकिन प्रशासन द्वारा एक दो दिन अभियान चलाने के बाद फिर यथास्थिति बन जाती है। जिससे लोगों को इस समस्या को झेलना पड़ता है।

मंइयां सम्मान योजना का किस्त नही आने पर महिलाएं ने अधिकारिओं को कराया अवगत

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना की किस्त नही आने पर महिलाएं गोलबंद हो प्रखंड विकास पदाधिकारी को कराया अवगत निदान करने का लगया गुहार उक्त मामला लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के अरु पंचायत ग्राम में देखने को मिला। विदित हो कि सोमवार को दर्जनों महिलाएं गोलबंद हो सोमवार को प्रखंड मुख्यालय पहुंच आवेदन के माध्यम से अवगत कराते हुए बताया गया कि पूर्व में किसी को दो किस्त किसी को तीन किस्त कुछ लोगो को चौथा किस्त भी डाला गया है। लेकिन बहुत ऐसे महिलाएं है जिनको एक भी किस्त नही डाला गया है। और जिनको दो किस्त डाला गया है उसके खाते में पैसा नही आ रहा है। बताते हुए कहा कि चार दिन पूर्व से बैंक एवं ब्लॉक का चक्कर हम सभी महिलाएं घरेलू कार्य छोड़ कर दौड़ रहें है। परंतु संतोषजनक बात नही बताया जा रहा है। बैंक में जाने पर खाता को आधार से जोड़ने की बात कहा जाता है। और प्रखंड जाने पर लिस्ट में नाम जिस महिला का होगा उसी को लाभ दिया जाएगा। जिससे आक्रोशित महिलाओं ने सोमवार को प्रखंड मुख्यालय पहुंच माइयां सम्मान योजना का लाभ से वंचित क्यों किया जा रहा है। इसकी जबाब मांगा गया। इस संदर्भ में प्रखंड कर्मी आवेदन प्राप्त करते हुए उन सभी महिलाओं को बताया कि आपकी समस्या को प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू तक पहुंचा दिया जाएगा और जांचोपरांत सभी महिलाओं को मुख्यमंत्री माइयां सम्मान योजना का लाभ दिया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार बता दें कि माइयां सम्मान योजना का लाभ उठाने के लिए सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करना सभी लाभुकों को अनिवार्य है। और उसी के तहत योजना का लाभ सभी आवेदिका को दिया जाएगा। अगर गाइडलाइन में त्रुटि पाए जाने पर माइयां सम्मान योजना के लाभ से वंचित रखा जाएगा।

विश्व एड्स दिवस पर महिला कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी लोहरदगा के तत्वावधान में स्थानीय मधुसूदन लाल अग्रवाल महिला इंटर कॉलेज के प्रांगण में विश्व एड्स दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉ गणेश प्रसाद, उसुर्ला हॉस्पिटल के चिकित्सक एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की पूर्व सचिव डॉक्टर सिस्टर आईलिन, सचिव अरुण राम, मधुसूदन लाल महिला कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर स्नेह कुमार के द्वारा किया गया। सोसाइटी के चेयरमैन डॉ गणेश प्रसाद ने कहा कि एक्वायर्ड इम्यूनोडेफि शिएंसी सिंड्रोम. यह एक गंभीर बीमारी है। जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचाती है। एड्स, एचआईवी (ह्यूमन इम्यूनोडेफि शिएंसी वायरस) संक्रमण का आखिरी चरण होता है। एचआईवी से संक्रमित हर व्यक्ति को एड्स नहीं होता एड्स होने में संक्रमित व्यक्ति को 5 से 10 वर्ष भी लग सकता है।एचआईवी, रेट्रोवायरस परिवार का एक उपसमूह है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली की सीडी4 कोशिकाओं पर हमला करता है, और उन्हें नष्ट कर देता है।एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों से फैलता है, जैसे कि रक्त, वीर्य, और योनि द्रव। एचआईवी को एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) से रोका और इलाज किया जा सकता है। एचआईवी संक्रमण के बाद, ज्यादातर मामलों में 2-6 हफ़्तों में फ़्लू जैसे लक्षण दिखते हैं। एचआईवी संक्रमित व्यक्ति को अन्य संक्रामक रोगों और बीमारियों का खतरा रहता है. डॉक्टर सिस्टर आईलिन ने कहा कि वर्ल्ड एड्स डे की साल 2024 का थीम है टेक द राइट पथ-माई हेल्थ, माई राइट। ये थीम बताती है कि हर एचआईवी से पीड़ित इंसान का अधिकार है कि उसे सही ट्रीटमेंट, केयर, सर्विस और बचाव का तरीका मिले। आज एड्स का कोई मेडिसिन नहीं है लेकिन बचाव ही इसका एकमात्र रास्ता है। आप अपने जीवन में संयम रखें अपने संस्कारों का पालन करें। जागरूक रहे तो इस बीमारी से बचा जा सकता है। सचिव अरुण राम ने बताया कि वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन और वठअक्ज्र की मदद से पहली बार 1988 में इस दिन विश्व एड्स दिवस मनाया गया था। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के दो पब्लिक इनफॉर्मेशन ऑफिसर जेम्स डब्ल्यू बन और थॉमस नेटर ने इस दिन को मनाने कॉन्सेप्ट दिया था। जिससे बीमारी से मर रहे लोगों के सम्मान में और लोगों के बीच ज्यादा जागरुकता फैलाने के लिए वर्ल्ड एड्स डे की शुरूआत हुई। आज के इस कार्यक्रम में एक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया जिसमें सफल प्रतिभागी नेहा यादव, रितिका कुमारी, जिया कुमारी ठाकुर, प्रीति कुमारी, अमीषा कच्छप को पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉक्टर गणेश प्रसाद, डॉक्टर सिस्टर आईलिन ,अरुण राम ,प्रोफेसर स्नेह कुमार, राहुल कुमार, ब्रजकिशोर बड़ाईक, अवध किशोर मिश्रा ,शशि कुमारी ,नीति भारती, लाल सतीश कुमार नाथ शाहदेव ,आलोक कुमार, मनीष कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुरहू का बुनियादी विद्यालय एक समय था शिक्षादीप का रीढ़

ब्रजेश कुमार/खूंटी ब्यूरो

खूँटी । देशभर में शिक्षा का अलग दिखाने के लिए मोहनदास करमचंद गांधी ने आजाद भारत के साथ ही स्वदेशी शिक्षा की शुरूआत की इस दौरान उन्होंने बुनियादी स्कूल खोलकर लोगों को शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया था। इसी क्रम में सन 1950 ईस्वी में खूँटी जिले के मुरहू प्रखंड में बुनियादी स्कूल की शुरूआत की गई जहाँ न केवल किताबी शिक्षा दी जाती थी। बल्कि साथ-साथ हस्तकरघा बुनकर खेती बाड़ी आदि की शिक्षा दी जाती थी। खूँटी जिले में बुनियादी स्कूल एकमात्र मुरहू में ही रहा है।

खूँटी जिले में एकमात्र बुनियादी विद्यालय संचालित है जो सन 1950 ई में मुरहू प्रखण्ड के चर्च रोड पर स्थापित है। जिस विद्यालय से एक से एक लोग पढ़ाई करके आगे बढ़े। देश स्वतंत्र होने के बाद लोगों को शिक्षित करने व स्वदेशी का भाव जगाते हुए किताबी ज्ञान के साथ हुनर का ज्ञानार्जन के उद्देश्य से बुनियादी विद्यालय की शुरूआत की गयी थी। मुरहू के इस विद्यालय में किताबी ज्ञान के अलावे खेती बाड़ी करना सिखलाया जाता था। जहाँ बच्चे चरखा से सूत कातना सीखते थे। मुरहू प्रखण्ड में सबसे पुराना विद्यालय था जिस समय पढ़ाई के लिए इतना विद्यालय भी नहीं खुला था। जिससे कारण बुनियादी विद्यालय शिक्षा का दीप जलाने के लिए सार्थक सिद्ध हुआ। इस विद्यालय से पढ़कर खूँटी का पहला एमबीबीएस चिकित्सक निकले। वहीं अभियंता व कई लोग पदाधिकारी भी बने।

मुरहू के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ सकलदीप नारायण चौधरी ने बताया कि हमलोग मैं अधिवक्ता मेघनाथ महतो और तारा दत्ता साथ में बुनियादी विद्यालय में पढ़ाई किये और मैं सातवीं तक बुनियादी विद्यालय में पढ़ाई किया फिर आगे की पढ़ाई के लिए बिहार चला गया। उस समय मुरहू का बुनियादी विद्यालय ही पढ़ाई के लिए विद्यालय हुआ करता था। उस समय मुरहू काफी देहात था। ग्रामीणों में गरीबी थी जो कि बुनियादी विद्यालय में ही लोग पढ़ाई करते थे। वहाँ पढ़ाई के साथ साथ खेती बाड़ी भी करते थे। जिससे विद्यालय के लिए आमदनी का स्रोत भी हो जाता था।

व्यवसायी महेश चौधरी ने बताया कि बुनियादी विद्यालय में विनोबा भावे जी का भी आगमन हुआ है। इस विद्यालय में हमने पढ़ाई किया और उस समय चरखा से सूत कातने के काम भी करते थे। इसका उद्देश्य था कि गांधीजी का स्वदेशी भाव लोगों में रहे और उस समय कपड़ा भी नहीं मिल पाता था। वहीं सूत कातकर कपड़ा निर्माण करने के लिए भेज दिया जाता था। जिससे कपड़ा बनता था और लोग पहनते थे। उस समय खादी का पैंट शर्ट ड्रेस हुआ करता था। आज भी बुनियादी विद्यालय संचालित है। पर, अनेक विद्यालय खुल गये और बुनियादी विद्यालय का व्यवस्था चौपट हो गया। यहाँ शिक्षकों की कमी है । उस समय काफी विद्यार्थी थे अब सरकार भी ऐसे विद्यालयों में ध्यान नहीं दे रही है।

मुरहू प्रखण्ड के उपप्रमुख अरुण साबू ने बताया कि गांधी जी का सपना था स्वदेशी भाव के साथ गरीब ग्रामीणों को शिक्षित करना। और खूँटी जिले में एकमात्र बुनियादी विद्यालय मुरहू में है। लेकिन वर्तमान समय में बुनियादी विद्यालय में एकमात्र शिक्षिका हैं और एक को रखा गया है। विद्यालय पहले से आठवीं कक्षा तक चलती है। गांधी जी के सपना को पदाधिकारी ध्यान नहीं देते हैं। जिसके कारण स्वस्थ और सुचारु रुप से शिक्षा में कमी हो रही है।

गांधीजी का स्वदेशी भाव के साथ शिक्षित करने के उद्देश्य से शुरूआत किये थे बुनियादी विद्यालय

महात्मा गांधी ने साल 1917 में पूर्वी चंपारण ज़िले के ढाका प्रखंड के बड़हरवा लखनसेन में देश का पहला बुनियादी विद्यालय खोला था. बुनियादी शिक्षा को लेकर गांधी जी के विचार और उनके प्रयास इस प्रकार रहे:

गांधी जी ने साल 1937 में 'नई तालीम' की योजना बनाई थी?। इसे वर्धा योजना, 'बुनियादी शिक्षा', और 'बेसिक शिक्षा' के नाम से भी जाना जाता है।

गांधी जी का मानना था कि भारत जैसे गरीब देश में शिक्षा के साथ-साथ धनोपार्जन भी करना चाहिए।

गांधी जी के मुताबिक, बुनियादी शिक्षा का आधार भारतीय संस्कृति है। यह शिक्षा हर बच्चे को बिना जाति-धर्म के मिलनी चाहिए।

गांधी जी ने शिक्षा को लाभदायक और कम खचीर्ला बनाने के लिए साल 1936 में 'भारतीय तालीम संघ' की स्थापना की थी।

बुनियादी शिक्षा का मकसद था कि बच्चे को बिना दबाव के प्रायोगिक शिक्षा दी जाए।

बुनियादी शिक्षा का मकसद था कि बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ उसमें नैतिकता का ज्ञान भी दिया जाए।

श्यामसुंदर माहेश्वरी ने बताया कि बुनियादी विद्यालय में पढ़ते थे उस समय मुरहू काफी देहात था। लेकिन विद्यालय में पढ़ने के लिए दूर दूर से लोग आते थे। कपड़े के मकान में विद्यालय चलता था। ड्रेस पुस्तक कुछ नहीं मिलता था। बैठने के लिए बोरा लेकर जाते थे। लेकिन पढ़ाई बहुत अच्छा होता था। इस विद्यालय से पढ़कर बहुत लोग आगे बढ़े।

विद्यालय की प्रभारी शिक्षिका उर्मिला कुमारी बतलायी कि विद्यालय 1950 ईस्वी में बना है। इस विद्यालय में विभिन्न प्रखंडों और दूसरे जिले से भी लोग पढ़ने आते थे। लेकिन अब विद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी हो गयी है। मैं एक दो माह का ही मेहमान हूँ। फिर मैं भी सेवानिवृत्त हो जाऊंगी। विद्यालय के लिए कई बार शिक्षकों की मांग की गयी लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

संपादकीय

दमनात्मक रवैया लोकतंत्र के लिए खतरा

सत्तारुढ़ राजनीतिक दलों के नेताओं को आलोचना जरा भी बर्दाश्त नहीं है। मीडिया और सोशल मीडिया पर यदि सत्तारुढ़ दलों के नेताओं के खिलाफ कुछ लिखा या बोला जाता है तो उन पर सरकारें दमनात्मक कार्रवाई करने पर उतारू हो जाती हैं।
राजनीतिक दल चाहे राष्ट्रीय हो या क्षेत्रीय, किसी को आलोचना बर्दाश्त नहीं है। उनका निशाना विपक्ष और मीडिया रहता है।
सत्तारुढ़ दलों को आलोचना तभी तक सुहाती है जब वह विपक्षी दलों की हो। ऐसे में सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए राजनीतिक दलों के नेता सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखते। एक फिल्म साबरमती रिपोर्ट को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार के मंत्री गदगद नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बीबीसी ने जब गोधराकांड के बाद गुजरात में हुए दंगों को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री बनाई तो न सिर्फ उस प्रतिबंध कर दिया गया, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी पर छापे की कार्रवाई की। विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट को हरियाणा, छत्तीसगढ़ के साथ ही अब मध्य प्रदेश में भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तारीफ के बाद राजनीतिक महकमों में भी इसकी चर्चा बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फिल्म को देखने के बाद इसकी सराहना की गई। विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की केंद्रीय भूमिका वाली यह फिल्म 27 फरवरी, 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर आधारित है। गोधरा स्टेशन के पास खड़ी साबरमती एक्सप्रेस की बोगी नंबर एस6 में आग लगा दी गई थी। अयोध्या से लौट रहे 59 हिंदू कारसेवक जिंदा जल गए थे। मरने वालों में 27 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल थे। उसके बाद पूरे गुजरात में जो दंगा भड़का, वह आजाद भारत के सबसे भयावह दंगों में से एक था। मोदी उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अब द साबरमती रिपोर्ट के जरिए बड़े पर्दे पर गोधरा कांड का खौफनाक मंजर दिखा है। पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम मंत्रियों और बीजेपी नेताओं ने द साबरमती रिपोर्ट की प्रशंसा की है। गोधरा में ट्रेन जलाए जाने की भयानक घटना का परिणाम पूरे राज्य में हिंसक दंगों की शक्ल में सामने आया। पूरा गुजरात जल उठा था। केंद्र सरकार ने 2005 में राज्यसभा को बताया था कि दंगों में 254 हिंदुओं और 790 मुसलमानों की जान गई थी।

दिव्यांग जनों को मिले बराबरी का अधिकार

लेखक

रमेश सर्राफ धमोरा

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1992 में हर वर्ष 3 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के रूप में मनाने घोषणा की गयी। इसका उद्देश्य समाज के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को बढ़ावा देना और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में दिव्यांग लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। मगर आज भी लोगों को तो इस बात का भी पता ही नहीं होता है कि हमारे आस-पास कितने दिव्यांग रहते हैं। उन्हे समाज में बराबरी का अधिकार मिल रहा है कि नहीं। किसी को इस बात की कोई फिक्र नहीं है।
समाज में दिव्यांगता को एक सामाजिक कलंक के रूप में देखा जाता है। जिसे सुधारने की आवश्यकता है। इस वर्ष का विषय ₹समावेशी और टिकाऊ भविष्य के लिए विकलांग व्यक्तियों के नेतृत्व को बढ़ावा देना₹ विकलांग व्यक्तियों को अपने भाग्य को आकार देने और समाज में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करता है।
सरकार द्वारा देश में दिव्यांगों के लिए कई नीतियां बनायी गयी हैं। उन्हें सरकारी नौकरियों, अस्पताल, रेल, बस सभी जगह आरक्षण प्राप्त है। दिव्यांगों के लिए सरकार ने पेशन की योजना भी चला रखी है। लेकिन ये सभी सरकारी योजनाएं उन दिव्यांगों के लिए महज एक मजाक बनकर रह गयी हैं। जब इनके पास इन सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिव्यांगता का प्रमाणपत्र ही नहीं है।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक

'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हे हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। आज भी समाज के लोगों द्धारा दिव्यांगों को दयनीय दृष्टि से ही देखा जाता है। भले ही देश में अनेको दिव्यांगों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया हो मगर लोगों का उनके प्रति वहीं पुराना नजरिया बरकरार है।
दुनिया में अनेकों ऐसे उदाहरण मिलेंगे जो बताते हैं कि सही राह मिल जाये तो अभाव एक विशेषता बनकर सबको चमत्कृत कर देती है। भारत में दिव्यांगों की मदद के लिए बहुत सी सरकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। लेकिन इतने वर्षो बाद भी देश में आज तक आधे दिव्यांगों को ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र मुहैया कराया जा सका है। ऐसे में दिव्यांगों के लिए सरकारी सुविधाएं हासिल करना महज मजाक बनकर रह गया है।
दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं जिन्होंने अपने साहस संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। तैमूरलंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गंवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। सिख राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधाचंद्रन का दायां पैर नहीं है। फिल्मी गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूक-बधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार व जयपुर के सुन्दर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है।
विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार विश्व स्तर पर 15 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ रहती है। जबकि उसमें से 80 प्रतिशत से अधिक लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। जबकि भारत में 140 करोड़ से अधिक लोग है। इस आबादी का 2.2 प्रतिशत से अधिक लोग किसी न किसी रूप में गंभीर मानसिक या शारीरिक विकलांगता से पीड़ित हैं। आज के प्रगतिशील युग में जहाँ सभी लोगों के एकीकरण और समावेशन पर सतत विकास के प्रवेश द्वार के रूप में जोर दिया जाता है। भारत में विकलांग लोगों को वर्गीकृत करने वाले मानदंडों की सूची को 2016 में नया रूप दिया गया था। 2016 के आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम पर आधारित संशोधित परिभाषा में एसिड हमलों से संबंधित शारीरिक विकृति और चोटों को विकलांगता के रूप में मान्यता देना भी शामिल है। जो इन पीड़ितों को विभिन्न प्रकार की सरकारी सहायता और समर्थन का हकदार बनाता है ।
दिव्यांगों के अधिकारों के लिए काम कर रहे संगठन नेशनल प्लेटफॉर्म फॉर द राइटस ऑफ डिसएबल्ड ने प्रधानमंत्री मोदी के दिव्यांग शब्द पर उनको पत्र लिखकर कहा कि था कि केवल शब्द बदलने मात्र से ही विकलांगों के साथ होने वाले व्यवहार के तौर-तरीके में कोई बदलाव नहीं आएगा।

लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र विस चुनाव के बीच क्या बदला

लेखक

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

2024 का आम चुनाव ऐसी सरकार के लिए चेतावनी है जिसने शानदार प्रदर्शन किया और लंबे समय से चली आ रही जटिल चुनौतियों का समाधान भी किया। इस चुनाव से पहले दो महत्वपूर्ण घटनाएं घटीः पहली मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में भारी जीत और दूसरी 500 वर्षों में सबसे बड़ी घटना, 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राममंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा। ऐसा लग रहा था कि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए पूरे देश में गति पकड़ रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कद तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए, अब की बार चार सौ पार का नारा चुनाव की मुख्य दिशा बन गया। हालांकि, ऐसा लग रहा था कि एनडीए के नेता और उनकी जमीनी टीम और समर्थक यह मानकर निश्चिंत थे कि मोदी है तो मुमकिन है।
400 या उससे अधिक सीटों के साथ एक सुनिश्चित जीत के बारे में इस आत्मसंतुष्टि ने उन्हें वैश्विक डीप स्टेट ताकतों से बेखबर कर दिया, जो इंडी गठबंधन, शहरी नक्सलियों, कम्युनिस्टों और मार्क्सवादियों के समर्थन से एक टीम बना रहे थे ताकि देशभर में लोगों का ब्रेनवॉश करने के लिए फर्जी कहानियां गढ़ी जा सकें। इस तरह की सावधानीपूर्वक योजना, साथ ही झूठी कहानियां गढ़ने और उन्हें प्रत्येक घर में वितरित करने के लिए बड़ी मात्रा में धन के उपयोग ने मोदी सरकार में लोगों के विश्वास को हिला दिया। 400 सीटें मिलने पर संविधान को खत्म करना, आरक्षण को हटाना, बेरोजगारी बढ़ना, मोदी सरकार द्वारा भारी कर्ज के कारण देश को बेचना और इस तरह की कई अन्य फर्जी कहानियां लोगों का ब्रेनवॉश करने में काफी प्रभावी रहीं। इसका काफी असर हुआ है, जिसमें भाजपा को सिर्फ 240 सीटें मिलीं।
नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने गए लेकिन उन्होंने पार्टियों के समर्थन और शुरुआत में कम आत्मविश्वास के साथ ऐसा किया। हालाँकि, गांधी परिवार, इंडी गठबंधन, धार्मिक चरमपंथियों, धर्मांतरण माफियाओं, शहरी नक्सलियों, वोक और वैश्विक बाजार की ताकतों की ढहती मानसिकता ने अचानक उनके आत्मविश्वास के स्तर को बढ़ा दिया। उन्होंने मोदी के लिए कम सीटों की व्याख्या इस संकेत के रूप में की कि हिंदुओं ने खुद को पीएम मोदी से दूर कर लिया है और हिंदुत्व की हार हुई है। उनका मानना था कि जाति के आधार पर हिंदुओं को अलग करना और झूठी कहानियों का इस्तेमाल करकर भ्रमित करना आसान था। हिंदुत्व अब हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। आत्मविश्वास में वृद्धि इतनी अधिक थी कि कई मुस्लिम प्रचारकों और चरमपंथियों ने हिंदुओं, हिंदू देवताओं और संस्कृति पर हमला करना शुरू कर दिया, अपनी ताकत का प्रदर्शन करने और पाकिस्तान और फिलिस्तीन के झंडे फहराने के लिए विभिन्न स्थानों और समय पर बड़ी सभाएँ आयोजित कीं। राहुल गांधी और कुछ अन्य इंडी गठबंधन के नेताओं ने हिंदुत्व पर प्रहार करना शुरू कर दिया, इस्लामी और ईसाई अनुष्ठानों और देवताओं की प्रशंसा करते हुए हिंदू संस्कृति और देवताओं

को गाली दी। राहुल गांधी ने हिंदू एकता को कमजोर करने के लिए संविधान और आरक्षण के बारे में गलत जानकारी फैलाना शुरू कर दिया। वक्फ बोर्ड की मांगें प्रमुखता से उभरने लगी और जवाहरलाल नेहरू के वक्फ अधिनियम के तहत हिंदुओं की भूमि और संपत्ति की मांग करने लगे, जिसे बाद में सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकारों ने मजबूत किया था। राहुल गांधी और उनके इंडी गठबंधन के सहयोगियों ने मोदी सरकार के वक्फ सुधार विधेयक का आक्रामक रूप से विरोध किया, जिसे हिंदुओं की रक्षा के लिए पेश किया गया था।
जिस तरह आम चुनाव के दौरान और उसके बाद हिंदुओं और हिंदुत्व को निशाना बनाया गया, उससे हिंदुओं को साफ पता चल गया कि यह देश भविष्य में शरिया कानून और गहरी वैश्विक शक्तियों की इच्छाओं के अनुसार आगे बढ़ेगा। हिंदू (बौद्ध, जैन, सिख) आध्यात्मिक और धार्मिक गुरु, आरएसएस, वीएचपी और अन्य संगठनों ने हिंदू समुदाय के विभाजन के खतरों और राजनीतिक हिंदुत्व पर इसके प्रभाव को पहचान लिया। इसलिए वे सभी एक साथ आ गए।
आरएसएस, वीएचपी और अन्य हिंदुत्व संगठनों की मदद से एकजुट धार्मिक और आध्यात्मिक गुरुओं ने वक्फ बोर्ड अधिनियम, लव जिहाद, शरिया कानून, वोट जिहाद के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हिंदुओं की बड़ी सभाओं को संबोधित करके फर्जी आख्यानों पर काम करना शुरू कर दिया। कैसे इस्लामी शासन बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को नष्ट कर रहा है, मदरसा घृणित शिक्षा और इसके वित्तपोषण, हिंदुओं का धार्मिक रूपांतरण और इसके घातक प्रभाव और कैसे एकजुट हिंदू संविधान को विनाशकारी ताकतों से बचा सकते हैं। इस ज्ञान ने हिंदू समुदाय में एक बड़ी सकारात्मक लहर पैदा की, और उन्होंने पहचाना कि एकता कितनी महत्वपूर्ण है, यही वजह है कि 2019 और मौजूदा लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार विधानसभा चुनावों में वोट प्रतिशत में वृद्धि हुई है।
यहां तक कि भाजपा ने हिंदुओं या हिंदुत्व के लिए झूठे सेक्युलरीजम के किडे को दरकिनार कर दिया जिसके कारण विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण लाभ कमाया। कोई भी मीडिया आलोचना उन्हें हिंदुत्व के कारण का खुलकर समर्थन करने से नहीं रोक सकी। हिंदू और हिंदुत्व भाजप के केंद्र में रहे। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नारे एक है तो सुरक्षित है और बटेंगे तो कटेंगे ने हिंदुओं में जबरदस्त जागृति पैदा की। श्रेष्ठता और हीनता का सीमित जातीय दृष्टिकोण टूट गया है और हिंदू हरियाणा और महाराष्ट्र में इकठ्ठा मतदान करते दिखे। मुस्लिम नेता सज्जाद नोमानी और अन्य मौलवी और मुस्लिम संगठनों द्वारा इंडी गठबंधन को वोट देने के लिए फतवा जारी करने से हिंदू एकता बढ़ी है। धुले, महाराष्ट्र लोकसभा सीट वोट जिहाद को हिंदुओं को समझाया गया कि अगर वोट जिहाद के परिणामस्वरूप ऐसी सरकार बनती है जो मुसलमानों की महाराष्ट्र धर्म और सनातन धर्म विरोधी 17 मांगों को पूरा करती है तो यह पूरे हिंदू समुदाय के लिए कितना खतरनाक होगा। हिंदुत्ववादी ताकतों के संयुक्त प्रयासों ने हिंदू एकता को मजबूत किया और साथ ही सभी राजनीतिक दलों, खासकर हिंदुत्व का विरोध करने वाले और शरिया का समर्थन करने वालों को एक मजबूत संकेत दिया कि हिंदुओं को हल्के में नहीं लिया जा सकता है और उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक नहीं माना जाना चाहिए।
सभी क्षेत्रों के बुद्धिजीवियों की टीम बनाकर और हर व्यक्ति तक सटीक जानकारी या आख्यान पहुंचाकर झूठे आख्यानों का भंडाफोड़ करना बहुत ही कारगर साबित हुआ है। राहुल गांधी और इंडी गठबंधन द्वारा प्रचारित हर झूठे आख्यान को तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर पूरी तरह से ध्वस्त किया गया है। इससे लोगों में यह जागरूकता भी बढ़ी है कि संविधान, आरक्षण, व्यापार, उद्योग, उद्योगपति, अर्थव्यवस्था, महाराष्ट्र के गुजरात से संबंध, जाट और अन्य स्थानीय मुद्दे और किसानों की समस्याओं के बारे में राहुल गांधी और विपक्ष द्वारा प्रचारित आख्यान सभी फर्जी हैं और सही आख्यानों को हिंदुत्ववादी ताकतों द्वारा व्यवस्थित तरीके से संबोधित किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव में जाट और मराठा आरक्षण कारक ने भाजपा को बहुत नुकसान पहुंचाया।

राशिफल

मेष व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी।

वृष यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

मिथुन कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

कर्क राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

सिंह व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।

कन्या मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी।

तुला यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार हैं। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा।

वृश्चिक मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं।

धनु आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मकर अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा।

कुंभ जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा।

मीन लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

हमें भारत में सहकारिता आंदोलन को सफल होना ही होगा

लेखक

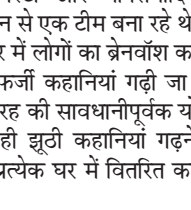

प्रहलाद सबनानी

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब "सहकार से समृद्धि" की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।
भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं।
उक्तवर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत

सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के कई नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी बैंकों की कार्य प्रणाली को दिशा देने एवं इनके कार्यों को प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करने के लिए अपेक्स स्तर पर कोई संस्थान नहीं है। जिस प्रकार अन्य बैंकों पर भारतीय रिजर्व बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों का नियंत्रण रहता है ऐसा सहकारी क्षेत्र के बैकों पर नहीं है। इसीलिए सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। इसके विपरीत सरकारी क्षेत्र के बैंकों का प्रबंधन बहुत पेशेवर, अनुभवी एवं सक्रिय रहा है। ये बैंक जोखिम प्रबंधन की पेशेवर नीतियों पर चलते आए हैं जिसके कारण इन बैंकों की विकास यात्रा अनुकरणीय रही है। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था केंद्र सरकार द्वारा किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा।
सहकारी क्षेत्र पर आधरित आर्थिक मोडेल के कई लाभ हैं तो कई प्रकार की चुनौतियां भी हैं। मुख्य चुनौतियां ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रही जिला केंद्रीय सहकारी बैकों की शाखाओं के सामने हैं। इन बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने की स्कीम बहुत पुरानी हैं एवं समय के साथ इनमें परिवर्तन नहीं किया जा सका है। जबकि अब तो ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्वरूप ही बदल गया है। ग्रामीण इलाकों में अब केवल 35 प्रतिशत आय कृषि आधारित कार्य से होती है शेष 65 प्रतिशत आय गैर कृषि आधारित कार्यों से होती है। अतः ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रहे इन बैकों को अब नए व्यवसाय माडल खड़े करने होंगे। अब केवल कृषि व्यवसाय आधारित ऋण प्रदान करने वाली योजनाओं से काम चलने वाला नहीं है। भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बर्बादी को भी बचाया जा सकेगा।

फैशन में नए एक्सपेरिमेंट करते रहें

टीनेज की उम्र में हर कोई फैशन की तरफ अट्रैक्ट होता है। इस उम्र में आमतौर पर युवा कुछ न कुछ नए एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं। इस उम्र में आप अपनी पर्सनैलिटी और एटिट्यूट अपनी ड्रेसेज और एसेसरीज से एक्सप्रेस कर सकते हैं।

टी-शर्ट विद स्लोगन : युवावस्था में अपना एटीट्यूट खुलकर समाने ला सकते हैं। इसका सबसे अच्छा तरीका है, 80 के स्टाइल की ब्राइट कलर की स्लोगन लिखी टी-शर्ट पहनें। टी-शर्ट पर किसी भी तरह की आर्ट दर्शाई जा सकती है। चाहे वह आपका फेवरिट सुपर हीरो हो या वह लाइन जो आपके दिमाग में है।

बेसबॉल कैप्स : कॉलेज में ज्यादातर सब ही लड़के कैप पहने हुए देखे जा सकते हैं। बेसबॉल कैप्स 90 के दशक में चर्चित हुई थी और अभी भी ट्रेंड में है। वह परफेक्ट एसेसरीज है और जींस और टी-शर्ट के साथ पहनी जा सकती है।

स्कार्फ्स : मोटे निटेड वालों से लेकर ब्राइट रंग और पैटर्न वाले स्कार्फ हर वॉर्डरोब में जरूर होने चाहिए। यह वेस्ट पर या ब्रेसलेट की तरह हाथ पर बंधे हुए बहुत अच्छे लगते हैं।

जंक ज्वैलरी: सड़क के किनारे लगी दुकानों पर आप थोड़ी बारगेनिंग में आपकी पसंदीदा ज्वैलरी मिल जाएगी। आजकल वैसे ब्राइट रंग के स्टोंस और नकली डायमंड रिंग भी पॉपुलर होती जा रही है। बीड्स भी टोन फैशन से कभी बाहर नहीं होते। आजकल ज्वैलरी पहनने में लड़के भी पीछे नहीं हैं। उन्हें एक बड़ा सिल्वर पेंडेट या एक कान में इयरिंग पहनना अच्छा लगता है।

पोलका डॉट्स : पोलका डॉट्स कभी भी आउट ऑफ स्टाइल नहीं जाते। लड़कियां एक वेल फिटेड पोलका डॉट ड्रेस हील्स के साथ पहन सकती हैं। यह यलो और ग्रीन कलर में बहुत ही फंकी लुक देते हैं। आप कॉलेज के लिए एक लॉन्ग पोलका प्रिंट टॉप लेनिग्स और फ्लैट्स के साथ पहन सकती हैं।

बेल्ट्स : लंबी, छोटी, पतली, मोटी और सॉलिड रंगों में एम्बेलिशमेंट वाली बेल्ट हर टीन के बॉर्डरोब का एक अहम् हिस्सा होती है। बेल्ट अब बस पैंट या जींस के ऊपर रखने के लिए नहीं होती, बल्कि अब यह ड्रेसेज, लॉन्ग टी-शर्ट और ट्यूनिक्स के ऊपर भी पहनी जा सकती है।

मोबाइल फोन : लेटेस्ट मॉडल होने के साथ-साथ उसके साथ सही एसेसरीज होना भी जरूरी है। मोबाइल केस, स्टिकर्स, मोबाइल हैगिंग्स सब फोन की पर्सनैलिटी बढ़ाते हैं।

लौट रहे हैं वाइब्रेंट कलर्स

फैशन वर्ल्ड में कलर्स का आना-जाना सामान्य बात है। लेकिन कुछ समय बाद पुराने वाइब्रेंट कलर्स लौटे हैं, जो बहुत ही सूदिंग लुक में हैं।

अपने डिफरेंट शेड्स के साथ यह कलर टीनेजर्स से लेकर सेलीब्रिटीज की पहली पसंद बना हुआ है। यहां तक कि फैशन डिजाइनर्स ने भी अपने कलेक्शन में इस बार जमकर इस रंग का प्रयोग किया है।

ताजगी भरा अहसास

बीच में कुछ समय गायब रहने के बाद लौटे इस कलर ने फैशन जगत में एक नई ताजगी भर दी है। इसलिए आप भी अपने वॉर्डरोब में छिपे इस वाइब्रेंट कलर को दोबारा बेखौफ होकर बाहर निकाल सकती हैं।

खुद करें चयन

यदि आपको ब्राइट यलो पसंद नहीं है, तो आप लाइट और सॉफ्ट यलो कलर्स को चुन सकती हैं। लेमन यलो और लाइट यलो कलर्स सभी पर फबेंगे। मिक्स-मैच कई लोगों के लिए सॉलिड यलो पहनना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसे में आप दूसरे रंगों के कॉम्बीनेशन के साथ इस रंग को पहन सकती हैं। यलो को लाइट ब्लू, बोल्ड ग्रीन, बेबी पिंक और व्हाइट के साथ आराम से मैच किया जा सकता है।

बच्चों में भी फैशन का क्रेज

फैशन की दौड़ में जब सारी दुनिया दीवानी हो रही है, तो भला बच्चे कैसे पीछे रह सकते हैं। बच्चों में भी अब फैशन का क्रेज आजकल हर जगह देखने को मिलता है, बच्चे जो स्वयं को कैसे फैशन के अनुसार ढालना चाहते हैं, इसे देखकर कभी-कभी फैशनेबल माता-पिता भी हैरत में पड़ जाते हैं। घर, स्कूल या पार्टी हो, सजी जगह बच्चे जमाने की चाल में चलना पसंद करते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं। मां-बाप भी फैशन के प्रति जागरुक होते जा रहे हैं, जो बच्चों को मेचिंग में रखना ही पसंद करते हैं, जैसे ड्रेस वैसे मौजे, जूते, रूमाल वगैरह-वगैरह।

खिलौने और गेम्स

नए खिलौने, गेम्स जो भी प्रचलन में होते हैं, बच्चों की फरमाइश पर हाजिर हो जाते हैं। जब बच्चे स्कूल जाना शुरू करते हैं, तब भी फैशन के बैग, कम्पास, पेंसिल, रबर लाकर ही दिए जाते हैं। उनके पास नहीं भी होते हैं, तो वे अपने दोस्तों के पास देखकर आकर्षित होते हैं और नई-नई चीजें लाने की मांग करते हैं। समय के साथ चलती यह जागरूकता ही कहिए जिससे वे स्वयं को अलग सा दिखाना चाहते हैं और अपने को नए रूप में स्थापित करना चाहते हैं। सबके आकर्षण का केंद्र बन सकें, दोस्तों के दिल में समा सकें, शिक्षकों व रिश्तेदारों की प्रशंसा पा सकें, इसलिए वे जमाने के नित नए फैशन को अपनाना चाहते हैं।

नए फैशन के मुरीद

वे सोचते हैं कि वर्तमान में जो फैशन चल रहा है, अगर उसे नहीं अपनाएंगे तो हम 'ओल्ड फैशन' की उपाधि से अलंकृत हो जाएंगे। लेकिन कई बार वे यह नहीं सोच पाते हैं कि जो भी फैशन चल रहा, उससे मां-बाप और निकटवर्ती लोगों में हमारी छवि कैसी बनेगी। यह भी है कि फैशन के इस दौर में फैशन के साथ चलने के लिए बच्चे ब्रांडेड कंपनी की वस्तुओं को ही ज्यादा पसंद कर रहे हैं। जैसे-जूते यदि ब्रांडेड कंपनी के हों चाहे वह कम पसंद आ रहे हैं और वहीं दूसरे (लोकल ब्रांड) जूते उससे कहीं अच्छे भी हों तो भी जागरुक बच्चे ब्रांडेड कंपनी के जूते ही पहनना पसंद करेंगे। इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता है।

जायका

पालक पनीर

सामग्री

पालक- 500 ग्राम, चीनी आधा छोटी चम्मच, पनीर- 200 ग्राम पनीर को चौकोर टुकड़ों में काट लें, रिफाइंड तेल- 2 टेबिल स्पून, हींग- 1-2 पिंच, जीरा-आधा छोटी चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, कसूरी मैथी- 2 छोटी चम्मच (डंडियां हटाकर प्रयोग करें), टमाटर- 2-3, हरी मिर्च-3-4, अदरक-1 इंच लम्बा टुकड़ा, बेसन- 2 छोटे चम्मच, क्रीम या मलाई- 2 टेबिल स्पून, लाल मिर्च- 1/4 छोटी चम्मच से कम (यदि चाहें), नमक- स्वादानुसार, गरम मसाला- एक चौथाई छोटी चम्मच, नींबू का रस- 2 छोटी चम्मच

बनाने की विधि

पालक की डंडियां तोड़कर हटा दीजिये, पत्तों को अच्छी तरह धोकर एक बर्तन में डालें, चौथाई कप पानी और चीनी डाल दीजिए, ढंककर उबालने रख दीजिए, 5-6 मिनट में पालक उबल जाता है। गैस बन्द कर दीजिये। पनीर के चौकोर टुकड़े काट लीजिए। आप पनीर को तलकर या बिना तले दोनों तरीके से तरी में डाल सकती हैं (पनीर को तलने के लिये नान स्टिक तवा गरम कीजिये, थोड़ा सा तेल डालिये और पनीर के टुकड़े तवे पर डाल कर दोनों ओर हल्का ब्राउन होने तक तल लीजिये) टमाटर को धोइए, टुकड़ों में काटिये। हरी मिर्च के डंठल तोड़िये, धोइये। अदरक को छीलिए, धोइए और 3-4 टुकड़े कर लीजिए। इन सबको मिक्सी से बारीक पीस लीजिये। कढ़ाही में तेल डाल कर गरम कीजिये। गरम तेल में हींग और जीरा डाल दीजिए।

जीरा भूनने के बाद, हल्दी पाउडर और कसूरी मैथी डालिए, अब बेसन डालकर थोड़ा सा भूनिए, अब इस मसाले में टमाटर, अदरक, हरी मिर्च का पेस्ट डाल दीजिए और मसाले को 2 मिनट भूनिए, अब क्रीम या मलाई डालिए और मसाले तब तक भूनिए, जब तक मसाले के ऊपर तेल न तैरने लगे। उबले पालक को ठंडा होने के बाद मिक्सी से बारीक पीसिए, पालक के पेस्ट को भूने हुए मसाले में मिलाएं। तरी में जितना चाहें गाढ़ी या पतली रखना है, पानी और नमक डाल दीजिए, उबाल के बाद पनीर के टुकड़े डालें, 2-3 मिनट पकाइये।

पालक पनीर की सब्जी तैयार है। पालक पनीर की सब्जी में गरम मसाला और नींबू का रस मिला दीजिये।

वेडिंग सीजन में फैशन ट्रेंड

ब्राइडल एशिया एग्जीबिशन लगे और शादियों का फैशन फोरकास्ट न किया जाए, ऐसा कैसे हो सकता है? इस एग्जीबिशन से निकले कौन से ट्रेंड इस बार शादियों में आपको दिखाई देने वाले हैं। जिससे चार चांद लग जाएं।

ढोल और नगाड़ों का मौसम शुरू हो गया है। शामियाने सजने लगे हैं। शादियाने बजने लगे हैं। यानी वेडिंग सीजन की शुरुआत हो गई है। आइए एक नजर डालें इस बार के वेडिंग ड्रेसेज के आने वाले नए ट्रेंड पर:

मेरा वाला पिंक चाहिए!: पिंक को कलर ऑफ द सीजन कहना गलत न होगा। अगर आपने ब्राइडल एशिया एग्जीबिशन देखी होगी तो गौर किया होगा कि हर कोने, हर जर्रे में यही रंग बिखरा हुआ था। कहीं बेबी पिंक के रूप में सादगी सी खूबसूरती का बायस बना था तो कहीं मजेंटा पिंक के रूप में तड़कता-भड़कता ग्लैमर नजरों को लुभा रहा था। न सिर्फ परिधान बल्कि ज्वैलरी, एसेसरी और फुटवियर तक में पिंक रंग चमकेगा। फैशन डिजाइनर जया राठौड़ की मानें तो शादी के परिधानों के लिए पिंक लहंगे या साड़ी को सुनहरे तारों से बुना जाएगा, जिससे पिंक में गोल्ड इफेक्ट आए या फिर इसके साथ मोव रंग की जुगलबंदी की जाएगी, ताकि रॉयल अहसास महसूस हो। ज्वैलरी को भी पिंक स्टोन से हाइलाइट किया जाएगा।

घेर वाले परिधान: ब्राइडल एशिया में डिजाइनरों ने जिस चीज पर सबसे ज्यादा फोकस किया, वह थी वेस्टलाइन। यानी कमर पर से फिट ड्रेस। ब्राइडल गाउन हों या अनारकली कुर्तियां या फिर लहंगे। हर परिधान की खासियत है कि उसे कमर से फिट रखा जाता है। उसके बाद ढेर सारा घेर देते हुए खुला छोड़ दिया गया था। ये सारे परिधान फेमिनिटी को उभारने की पूरी कोशिश कर रहे थे। फैशन डिजाइनरों के मुताबिक, इस बार शादियों में इंडोवेस्टर्न का जलवा दिखेगा। डिजाइनर भारतीय फैब्रिक से भारतीय परिधान बनाएंगे। उन पर कढ़ाई भी भारतीय रहेगी, मगर उसे शेप और कट से वेस्टर्न लुक दिया जाएगा। वेस्टलाइन को हाइलाइट करने के लिए जहां लेस, जरी और स्टोन का इस्तेमाल किया जाएगा, वहीं घेरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए फ्रिल, नेट और जरी का इस्तेमाल किया जाएगा।

चोली कट और जैकेट : इस वेडिंग सीजन में अपर वियर यानी लहंगे के ऊपर पहनने वाले परिधानों में खूब वैरायटी दिखाई देगी। अगर आप ग्लैमरस लुक चाहती हैं तो आपके लिये बैकलेस शॉर्ट चोली बेहतर रहेगी। अगर आप एलिगेंस लुक चाहती हैं तो नेहरू कॉलर कमर तक की या घुटने वाली लेंथ वाली जैकेट ट्राई कर सकती हैं। इस बाबद जया बताती हैं चोली तो पहले से चलन में है, मगर जैकेट ने इस बार वापसी की है।

घर की खिड़कियों को खूबसूरत बनाएं

घर की खिड़कियों की आपके कमरे के लुक और फील को बढ़ाने में अहम भूमिका होती है। जाहिर-सी बात है कि दीवारों को उचित रंग देने के बाद खिड़कियों को सजाने के बारे में आप सोचेंगी। अपने कमरे की खिड़कियों को खूबसूरत और कूल बनाना चाहती हैं, तो परदों के रंग, रॉड और फैब्रिक की खूबसूरती पर जरूर गौर फरमाएं।

रंग-बिरंगे रेशमी परदे

परदे का रंग आपके कमरे के डेकोर से मेल खाता होना चाहिए। अत: कमरे के लिए परदे का चयन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें। साधारण से कमरे में हल्के रंगों के परदे और बड़े कमरे के लिए हैवी लुक वाले स्टाइलिश परदे परफेक्ट हैं। कमरे में खिड़की की सजावट का एक बहुत आसान तरीका परदे में रिबन या गांठ बांधना भी है। आप इसे घर में भी बना सकती हैं।

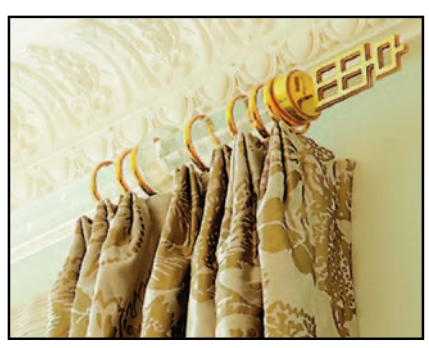

प्रिंटेड और प्लेन परदे

प्रिंटेड और प्लेन परदे को मिलाकर खिड़कियों पर लगाएं। इससे अच्छा लुक आएगा। सार्टन की कोई पुरानी साड़ी हो, तो आप लैस लगाकर परदा तैयार कर सकती हैं या फिर कुशन कवर भी बना सकती हैं। सोफा व कुशन कवर का चयन भी परदे के रंग से मैच करता हुआ ही खरीदें। इन दिनों हरे रंग का कॉम्बीनेशन ज्यादा डिमांड में हैं।

लाइट व डार्क परदे

ऑफिस हो या घर आप अपने मनपसंद के अनुसार पर्दे खरीद सकते हैं। ऑफिस में लाइट कलर के व घरों में डार्क कलर के पर्दे सुंदर व आकर्षक लगते हैं। दोनों में ही कलर व डिजाइन एक से बढ़कर एक आ रहे हैं। इसमें 50 रुपये से 300 रुपये प्रतिमीटर की रेंज उपलब्ध है।

परदे को रॉयल लुक दे कर्टन रॉड

कर्टन रॉड का इस्तेमाल परदों को हैंग करने के लिए किया जाता है। घर में यदि डिजाइनर कर्टन रॉड लगे हों, तो कमरों की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। आजकल कर्टन रॉड की कई रेंज मार्केट में उपलब्ध हैं। इनमें रंगों की वैरायटी में देखने को मिल जाएगी, फिर भी सफेद, डार्क ब्राउन और ब्लैक रंग की ज्यादा डिमांड है। ये लकड़ी, एल्युमिनियम, आयरन, फाइबर के अलावा प्लास्टिक में भी उपलब्ध हैं। इन दिनों स्टील और मेटेलिक सर्फेस के लिए मैग्नेटिक कर्टन रॉड में मिल रहे हैं। ऐसे रॉड को दीवारों से लगाने के लिए ड्रिलिंग की जरूरत नहीं पड़ती। परदे के हिसाब से रॉड का चुनाव करें, ताकि परदे का वजन रॉड आसानी से उठा सके। यदि हैवी परदे लगाने हों, तो रॉड का मैटेरियल भी उसी के हिसाब से खरीदें।

फेंगल तूफान से हुई बारिश से हुआ भूस्खलन, 40 टन वजनी चट्टान घरों पर गिरी,

-सात लोग मलबे में फंसे होने की आशंका, एनडीआरएफ टीम रेस्क्यू में जुटी

तिरुवन्नामलाई। फेंगल तूफान के चलते सोमवार को केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र में भारी बारिश हो रही है। फेंगल तूफान 30 नवंबर को पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के महाबलीपुरम के बीच समुद्र तट से टकराया था। तूफान अब केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पहुंच गया है। तमिलनाडु में तिरुवन्नामलाई में पहाड़ी पर भूस्खलन हुआ। एनडीआरएफ के मुताबिक करीब 40 टन वजनी चट्टान पहाड़ से लुढ़ककर वीयूसी नगर की सड़क पर बने घरों पर गिरी जिससे 2 घर जमींदोज हो गए। सात लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। कई लोग लापता हैं। टीम हाईड्रोलिक लिफ्ट से चट्टान हटाने की कोशिश कर रही है। तूफान फेंगल रविवार को कमजोर पड़ गया था। इसके असर से हुई मूसलाधार बारिश से 3 लोगों की मौत हो गई थी। पुड?ुचेरी जिले में 24 घंटे में 49 सेमी बारिश हुई। यह 20 साल की सबसे ज्यादा बारिश है। शहरी इलाकों में पानी भरने से सेना को बुलाया गया। सेना ने 200 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। एक हजार लोगों को राहत शिविरों में भी पहुंचाया गया है। प्रशासन इस स्थिति पर नजर रखे हुए है।

ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग देख पुलिस को हुआ शक, चेक किया तो रह गई हैरान

-बैग में चांदी की सिल्लियां और दूसरे बैग में 375000 रुपए कैश मिला

चंदौली। दिल्ली-हावड़ा रेल रूट के पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (चंदौली) की जीआरपी ने कार्रवाई करते हुए चांदी तस्करों के गिरोह को दबोचा है। ये गिरोह अवैध रुप से चांदी की खेप लेकर वाराणसी से पश्चिम बंगाल जा रहा था। पुलिस ने पकड़े गए युवकों के पास से एक क्विंटल से ज्यादा चांदी की सिल्लियां बरामद की हैं। साथ ही साथ तीन लाख 75 हजार की नगदी भी बरामद की है। जीआरपी के मुताबिक बरामद की गई चांदी की कीमत एक करोड़ रुपए से ज्यादा है। पुलिस ने इस मामले में इनकम टैक्स और जीएसटी की टीम को भी सूचित किया है और मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। जानकारी के मुताबिक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन की जीआरपी और आरपीएफ की टीम स्टेशन पर रूटीन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान इन तीन युवक जिनके पास ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग मौजूद थे। शक के आधार पर जब उनके सामानों की तलाशी ली गई तो जीआरपी और आरपीएफ के जवान हैरान रह गए। सभी बैग में चांदी की सिल्लियां भरी थीं। साथ ही साथ एक बैग में 375000 रुपए कैश भी था। पुलिस ने जब उनसे चांदी और कैश के बारे में पूछताछ की तो वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उनके पास किसी भी तरह के कोई कागजात नहीं मिले हैं। पुलिस ने तीनों युवको को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि चांदी की इस खेप को वह बनारस से पश्चिम बंगाल ले जा रहे थे। जीआरपी का कहना है कि इन युवकों ने इससे पहले भी चांदी की तस्करी की थी। अब जीआरपी और आरपीएफ के साथ-साथ जीएसटी और इनकम टैक्स की टीम इनसे पूछताछ कर रही है।

यूपी के जालौन में भारी मात्रा में नकली डीएपी खाद बरामद, पांच आरोपी गिरफ्तार

जालौन। यूपी के जालौन जिले में पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारियों ने एक अभियान चलाकर नकली डीएपी खाद बेचने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है और बड़ी मात्रा में नकली डीएपी बरामद की है। यह कार्रवाई जिले के नदी गांव स्थित निखिल खाद भंडार में चल रहे नकली डीएपी निर्माण मामले में की। जालौन एसपी के मुताबिक यह अभियान जिला कृषि अधिकारी के नेतृत्व में कृषि विभाग और स्थानीय पुलिस ने चलाया। अधिकारियों को नदी गांव स्थित एक गोदाम में नकली डीएपी के उत्पादन की सूचना मिली थी, जिसके बाद वहां छापा मारा गया। छापेमारी में अधिकारियों ने गोदाम से 224 बैग नकली डीएपी, एक ट्रक में 616 बैग और एक पिकअप से 57 बैग नकली डीएपी बरामद किया है। इसके अतिरिक्त, खाली डीएपी बैग, सिलाई मशीन और अन्य संबंधित उपकरण भी जब्त किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 14 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान आदित्य राठौर, गोविंद तिवारी, धर्मेंद्र गुप्ता, अनुराग याग्निक और विकास चतुर्वेदी के रूप में की है। ये आरोपी इफको डीएपी के नाम से नकली खाद पैकिंग कर रहे थे और इसे जालौन के अलावा पड़ोसी जिलों और मध्यप्रदेश में भी बेच रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले में जांच जारी है।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर मुठभेड़, सात नक्सली ढेर, एके-47 सहित कई हथियार बरामद

हैदराबाद । नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पुलिस ने तेलंगाना के मुलुगु जिले में सात खूंखार नक्सलियों को मार गिराया। एसपी मुलुगु डॉ. शबरीश ने जानकारी देते हुए बताया कि एतुरुनगरम वन क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस ने कहा कि तेलंगाना पुलिस के विशिष्ट नक्सल विरोधी बल और उग्रवादियों द्वारा ग्रेहाउंड्स के बीच इटुरनगरम के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ शुरू हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि मुठभेड़ में सात माओवादी मारे गए। घटनास्थल से जब्त किए गए हथियारों में दो एके 47 राइफलें भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए लोगों में से एक की पहचान प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) की तेलंगाना राज्य समिति (येल्लंदु नरसंपेट) के सचिव कुरसम मंगू उर्फ ??भद्रू के रूप में हुई है। पुलिस की ओर से किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। मारे गए चरमपंथियों में शीर्ष माओवादी नेता बदरू के भी शामिल होने का संदेह है। बदरू सीपीआई (माओवादी) की येलंडु-नरसंपेटा एरिया कमेटी का सचिव और प्रतिबंधित संगठन की तेलंगाना राज्य कमेटी का सदस्य था।

कम से कम भागवत की ही सलाह का कर लें सम्मान

-आखिर क्यों दिया खडगे ने आरएसएस प्रमुख का हवाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा की टॉप लीडरशिप को विभाजनकारी रणनीति अपनाने वाली बता देशभर में मस्जिदों और दरगाहों के सर्वेक्षण कराने के प्रयासों का कड़ा विरोध किया है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने इस बीच कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 का विरोध कर रहे हैं और इसका विरोध करना जारी रखा जाएगा। उन्होंने भाजपा से संघ प्रमुख के 2022 के बयान का जिक्र करते हुए भाजपा के टॉप लीडर्स से उसे मानने की बात कही।

दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा के टॉप लीडर्स से मोहन भागवत के 2022 के उस बयान पर ध्यान देने को कहा, जिसमें आरएसएस प्रमुख ने कहा था कि हमारा उद्देश्य राम मंदिर का निर्माण करना था और हमें हर मस्जिद के नीचे शिवालय नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने पूजा स्थल अधिनियम 1991 का भी हवाला दिया, जिसे धार्मिक स्थलों की 1947 जैसी स्थिति बनाए रखने के लिए खासतौर पर बनाया गया था। खड़गे की यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के मद्देनजर आई है। संभल की जामा मस्जिद में सर्वे

को लेकर हुई हिंसा के बाद पूरे देश में तनाव की स्थिति बनने लगी थी, जिसे लेकर विपक्ष एक बार फिर भाजपा लीडरशिप के खिलाफ लामबंद होती दिखी है।

यहां दिल्ली में आयोजित एक रैली के दौरान खड़गे ने कहा, कि पीएम नरेंद्र मोदी कहते हैं एक हैं तो सेफ हैं, लेकिन वे किसी को भी सेफ नहीं रहने दे रहे हैं। आप एकता की बात जरुर करते हैं, लेकिन आपके कार्य इसे धोखा देने जैसे हैं। खड़गे ने कहा कि आपके नेता मोहन भागवत ने तो कहा है कि अब जबकि राम मंदिर बन गया है, तो और अधिक पूजा स्थलों का सर्वे करने की आवश्यकता नहीं है। यदि आप उनके शब्दों का सम्मान करते हैं, तो और कलह क्यों पैदा कर रहे हैं? खड़गे ने बीजेपी से पूछा कि क्या वह लाल किला, ताजमहल, कुतुब मीनार और चार मीनार जैसी संरचनाओं को भी ध्वस्त कर देंगे, जो मुसलमानों ने बनवाई थीं।

गौरतलब है कि नागपुर में संघ शिक्षा वर्ग, तृतीय वर्ष 2022 के समापन समारोह के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने ज्ञानवापी विवाद को लेकर अपनी एक प्रतिक्रिया में कहा था कि इतिहास वो है जिसे हम बदल नहीं सकते। इस इतिहास को न आज के हिंदुओं ने बनाया और न ही आज के मुसलमानों ने ही इसे बनाया है, यह उस समय घटा.... अब हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों देखना? इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि अब हमको कोई आंदोलन नहीं करना है। हर दिन एक नया मुद्दा नहीं उठाना चाहिए। अब झगड़े क्यों बढ़ाएं? इसे याद करते हुए खड़गे भाजपा नेताओं को सीख दे रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंसा : भारत के पर्यटक पर भीड़ ने किया हमला

- अंतरराष्ट्रीय समुदाय सकारात्मक कदम उठाने की कर रहे मांग

कोलकाता । पड़ोसी देश बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के अपदस्थ होने के बाद शुरू हुई हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। खासतौर पर अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रही हमलों की एक और घटना सामने आई है, जिसमें एक भारतीय पर्यटक भी शिकार हो गए। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के बेलघोरिया के निवासी एक पर्यटक ने बताया कि बांग्लादेश में घूमने के दौरान उन पर एक ?हिंसक भीड़ ने हमला किया। उन्हें पहचान के आधार पर हमला किया गया, जब पता चला कि वे भारत से हैं और हिंदू हैं। गहरी चोटें खाकर भारत लौटने की कोशिश करते हुए भारतीय पर्यटक की हालत बहुत खराब हो गई। उन्होंने एंबुलेंस को बुलाया, लेकिन पुलिस ने पहचान पूछी, जिससे मेडिकल सहायता में देरी हुई। बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय सकारात्मक कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने हिंसा को रोकने का आश्वासन दिया है, लेकिन वास्तविकता में कार्रवाई की ज़रूरत है। भारत सरकार से भी बड़े स्तर पर इस मामले में कदम उठाने की मांग है, ताकि इस त्रासदी को रोका जा सके और बांग्लादेश के लोगों को सुरक्षित रहने में मदद मिले।

सुखबीर बादल को अकाल तख्त ने दी सजा, स्वर्ण मंदिर में सेवा का आदेश

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल को अकाल तख्त ने धार्मिक दुराचार का दोषी मानते हुए सजा सुनाई है। सजा के तहत उन्हें स्वर्ण मंदिर और अन्य पवित्र स्थलों में शौचालयों की सफाई, लंगर हॉल में बर्तन धोने और शबद कीर्तन में सेवा करनी होगी। यह निर्णय 2015 में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को माफी दिलाने के मामले में सुखबीर बादल और उनकी सरकार के अन्य कैबिनेट सदस्यों की भूमिका को लेकर लिया गया है।

जानकारी अनुसार 2015 में अकाली सरकार के दौरान गुरमीत राम रहीम को धार्मिक मामले में दी गई माफी को लेकर सिख पंथ में गहरी नाराजगी पैदा हो गई थी। यह विवाद तब और बढ़ गया था जबकि डेरा प्रमुख ने गुरु गोबिंद सिंह जी की वेशभूषा का अनुकरण करते हुए अमृत छकाने का स्वांग रचा था। इसके खिलाफ सिख समुदाय ने विरोध जताया था और राम रहीम को अकाल तख्त ने सिख पंथ से निष्कासित कर दिया गया था। हालांकि, बाद में अकाली सरकार ने राम रहीम को माफी दिलाई, जिससे पंथ के प्रति गुस्सा और बढ़ गया।

बादल ने गलतियों को स्वीकारा

अकाल तख्त में पेशी के दौरान सुखबीर बादल ने अपनी गलतियों को स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, कि हमसे कई भूलें हुईं। हमारी सरकार के दौरान बेअदबी की घटनाएं हुईं और दोषियों को सजा दिलाने में हम नाकाम रहे।

सजा का आदेश

अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह ने निर्णय सुनाते हुए कहा, सुखबीर बादल 3 दिसंबर से स्वर्ण मंदिर में दोपहर 12 से 1 बजे तक शौचालय साफ करेंगे। 1 घंटे तक लंगर हॉल में बर्तन धोएंगे। इसके बाद 1 घंटे तक शबद कीर्तन करेंगे। अगले चरण में वह केसगढ़ साहिब, दमदमा साहिब, मुक्तसर साहिब और फतेहगढ़ साहिब में भी सेवा करेंगे।

इसके साथ ही अकाल तख्त ने अकाली दल को 6 महीने में नया अध्यक्ष चुनने का निर्देश दिया है। सुखबीर बादल की यह सजा सिख समुदाय में धार्मिक अनुशासन को मजबूत करने के कदम के रूप में देखी जा रही है, लेकिन इसका राजनीतिक असर भी व्यापक हो सकता है।

किसानों की खुशहाली के बिना भारत विश्व गुरु नहीं बन सकता : कुलतार सिंह संधवां

चंड़ीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय किसान परिषद, संयुक्त किसान मोर्चा समेत कई अन्य संगठन एक बार फिर से अपनी पांच मांगों को लेकर 'दिल्ली कूच' पर अड़े हुए हैं। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इतंजाम किए हैं। इसी बीच किसानों के प्रदर्शन को लेकर पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां का बयान सामने आया है।

कुलतार सिंह संधवां ने कहा, 'किसान हमारे देश को संकट से बाहर निकालने का काम करते हैं। किसानों के बच्चों ने ही देश को आजादी दिलाई। देश के अन्ने भंडारों को किसानों के बच्चोंने भरा। देश की रक्षा भी किसान के बच्चे करते हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि जो लोग देश को विश्व गुरु बनाना चाहते हैं, वह किसानों की खुशहाली के बिना अपना यह सपना पूरा नहीं कर सकते। अगर देश को विश्व गुरु बनाना है तो किसानों की मांगों को पूरा करना होगा। अगर किसान खुशहाल होगा, तभी देश खुशहाल होगा। किसान की खुशहाली से ही देश की खुशहाली का रास्ताख निकलेगा।'

उन्होंखने कहा कि मैं केंद्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं कि वह किसानो की मांगों पर विचार करें और उसे जल्दम से जल्दर हल करने की दिशा में काम करें। भाजपा की तरफ से शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के उद्घाटन पर संधवा ने कहा कि अगर भाजपा के लोग इतना सम्मान करते हैं तो क्यों नहीं वो शहीद भगत सिंह को रिकॉर्ड पर शहीद लिखवाते हैं? उसकी नोटिफिकेशन जारी करें। बातों में नहीं एक्शन में भगत सिंह के प्रति सम्मान दिखाई देना चाहिए। किसान को इग्नोर कर रहे हैं और भगत सिंह के सम्मान की बात कर रहे हैं।

वहीं, विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि संविधान के निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर ने हमें इतना अच्छो संविधान दिया है, जो हमें अपने अधिकार वोट के माध्यम से हमें अपनी पसंद का प्रतिनिधि चुनने का मौका देता है। उपचुनाव के बाद आज हमारे 3 विधायकों को कानूनी तौर पर काम करने का अधिकार मिल चुका है। हम सभी को बधाई देते हैं। मैं उम्मी3द करता हूं कि हमारे सभी विधायक लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

हम जमानत देते हैं, अगले दिन आप मंत्री बन जाते हैं, सेंथिल बालाजी केस में सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) नेता सेंथिल बालाजी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने के तुरंत बाद तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में बहाल किए जाने पर चिंता व्यक्त की। न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ इस बात की जांच करने पर सहमत हुई कि क्या एक मंत्री के रूप में उनकी भूमिका गवाहों पर दबाव डालेगी जब उनके खिलाफ गवाही देने की बात आएगी। अदालत एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें बालाजी को इस आधार पर जमानत देने के 26 सितंबर, 2024 के आदेश को वापस लेने की मांग की गई थी कि उनकी बहाली से गवाह दबाव में आ जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इस आधार पर जमानत दे दी थी कि मुकदमा जल्द शुरू होने की कोई संभावना नहीं है। तीन दिन बाद 29 सितंबर को

बालाजी को एक बार फिर राज्य सरकार में मंत्री बनाया गया।

न्यायमूर्ति ओका ने पूछा कि हम जमानत दे देते हैं और अगले दिन आप जाकर मंत्री बन जाते हैं? कोई भी यह मानने को बाध्य होगा कि वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री के रूप में आपकी स्थिति के कारण अब गवाह दबाव में होंगे। यह क्या हो रहा है? अदालत ने कहा कि वह जमानत देने वाले पूरे फैसले को वापस नहीं लेगी लेकिन गवाहों के दबाव में आने की आशंका की जांच करेगी। आशंका यह है कि विधेय अपराधों में दूसरे प्रतिवादी के खिलाफ आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, गवाह कैबिनेट मंत्री का पद संभाल रहे दूसरे प्रतिवादी के खिलाफ गवाही देने की मानसिक स्थिति में नहीं हो सकते हैं।

अदालत ने कहा कि यह एकमात्र पहलू है प्रथम दृष्टया हम आवेदन पर विचार करने के इच्छुक हैं। बालाजी के वकील ने निर्देश लेने के लिए समय मांगा जिसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 13 दिसंबर, 2024 तय की। द्रमुक नेता सेंथिल बालाजी को नौकरी के बदले नकदी घोटाले के सिलसिले में पिछले साल जून में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। वह तब तमिलनाडु में बिजली, निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री के रूप में कार्यरत थे।

ईवीएम हैक मामले में चुनाव आयोग ने दर्ज करवाया एफआईआर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम का मुद्दा गर्माया हुआ है। सैयद शुजा नाम के शख्स ने दावा किया कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है। इसके बाद चुनाव आयोग ने सैयद शुजा के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत पर मुंबई साइबर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। बताया गया है कि मुंबई पुलिस ने 30 नवंबर को सैयद शुजा के खिलाफ भारतीय न्याय और आईटी संहिता के तहत एफआईआर दर्ज की है। दरअसल शुजा ने दावा किया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को लंदन से हैक किया जा सकता है। हालांकि इसके बाद महाराष्ट्र चुनाव आयोग के अधिकारियों ने इस दावे को खारिज कर दिया है। इसके बाद उनकी शिकायत के आधार पर दक्षिण मुंबई साइबर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

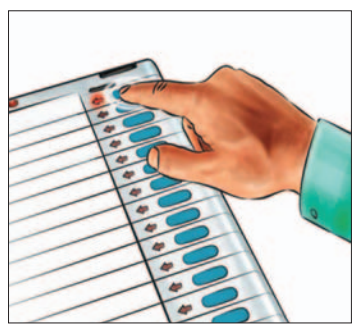

कौन हैं सैयद शुजा ?

2019 में सैयद शुजा का एक वीडियो सामने आया था। इस वीडियो में उन्होंने दावा किया था कि 2014 में लोकसभा चुनाव में ईवीएम हैक कर ली गई थी। शुजा ने कहा कि बीजेपी नेता गोपीनाथ मुंडे का कोई एक्सीडेंट नहीं हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी हत्या की गई है। शुजा ने दावा किया था कि गौरी लंकेश और गोपीनाथ मुंडे की मौत का कारण भी ईवीएम से जुड़ा है। हालाँकि, शुजा ने कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया था। शुजा एक साइबर सुरक्षा शोधकर्ता हैं। वह मूल रूप से हैदराबाद के रहने वाले हैं। फिलहाल वह एक अमेरिकी कंपनी में काम करते हैं। शुजा का दावा है कि ईवीएम भारत में बनी है। उनका दावा है कि उन्होंने मशीन बनाने वाली टीम में हिस्सा लिया था। साथ ही उनके दावे के मुताबिक, उन्होंने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स निगम लिमिटेड में भी काम किया है। शुजा का दावा है कि 2014 में उनकी टीम पर ईवीएम हैक करने का दबाव था। हैदराबाद में उनकी टीम पर जानलेवा हमला हुआ। इस हमले में कई साथियों की मौत हो गई। इस घटना के बाद दावा किया गया कि उनकी मौत दंगे में हुई।

महबूबा मुफ्ती देशद्रोह की बातें करती हैं : विश्वास सारंग

भोपाल(एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जिस तरह से अपने देश में अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं, उससे यह साफ जाहिर होता है कि मौजूदा समय में भारत और बांग्लादेश के बीच अब कोई अंतर नहीं रह गया है। महबूबा के इसी बयान पर अब विश्वास सारंग ने पलटवार करते हुए कहा, ' महबूबा मुफ्ती हर समय देशद्रोह की बातें ही करती हैं। इस देश में मुस्लिम समाज पूरी तरह से अपने अधिकार के साथ रहता है। हिंदुस्तान में इतने मुस्लिम रहते हैं, जितना की इंडोनेशिया को छोड़कर दुनिया के किसी भी मुस्लिम देश में नहीं रहते होंगे।' उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश में जो हो रहा है, वो शर्मनाक है।

इस तरह की स्थिति को कहीं पर भी सहन नहीं किया जाएगा। आश्चर्य होता है कि ये लोग खाते हिंदुस्तान का, लेकिन, बातें दूसरे देश की करते हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि देशद्रोह की बातें करना महबूबा मुफ्ती को महंगा पड़ेगा।' सारंग ने धर्मांतरण को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'धर्मांतरण के मामलों को लेकर हमारी सरकार पूरी तरह से सख्त है। हम ऐसे मामलों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। धर्मांतरण के मामलों में पुलिस कानून के तहत कार्रवाई करेगी। स्पष्ट निर्देश है कि मध्य प्रदेश में लालच, दबाव या किसी भी तरह से कराए गए धर्मांतरण को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति न हो। यह सुनिश्चित करना हमारा काम है।'

भारत की ब्रह्मोस की दुनिया हुई दीवानी, फिलीपींस के बाद अब 3 और देश इस खरीदने को तैयार

ब्रह्मोस मिसाइल को भारत और रुस ने मिलकर बनाया

नई दिल्ली/मास्को (एजेंसी)। भारत और रूस की मिलकर बनाई गई दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के प्रति दुनिया की दीवानगी बढ़ती जा रही है। चीन की आक्रामकता से परेशान फिलीपींस के बाद अब 3 और देश ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीद सकते हैं। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के संयुक्त प्रबंध निदेशक रूस के अलेक्जेंडर बी माकसेचिक ने बताया कि चीन का पड़ोसी देश वियतनाम, दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम मुल्क इंडोनेशिया और संयुक्त अरब अमीरात मिसाइल के बारे में बातचीत कर रहे हैं। ब्रह्मोस मिसाइल अपनी स्पीड और सटीक हमले के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है।

ब्रह्मोस मिसाइल को भारत के डीआरडीओ और रूस के एनपीओ मशिनोस्टरॉयएनिया ने मिलकर तैयार किया है। एलेक्जेंडर ने कहा, यूएई, इंडोनेशिया और वियतनाम पहली नजर में मिसाइल में अपनी रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन तीन देशों के साथ ब्रह्मोस मिसाइल की सप्लाई के लिए समझौता हो सकता है। हालांकि उन्होंने नहीं बताया कि मिसाइल डील के लिए यह बातचीत अभी कहां तक पहुंची है। फिलीपीन दुनिया का पहला देश था जो कि ब्रह्मोस मिसाइल खरीद चुका है।

ब्रह्मोस मिसाइल का नाम भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदी के नाम पर रखा गया है। यह मिसाइल भारत की तीनों ही सेनाओं में शामिल है। इस मिसाइल की मारक क्षमता 300 से लेकर 500 किमी तक है। यह मिसाइल स्टील्थ तकनीक से लैस है, इसकारण मार गिराना दुश्मन के लिए आसान नहीं होता है। अब दोनों ही ब्रह्मोस मिसाइल के हाइपरसोनिक संस्करण पर मिलकर काम कर रहे हैं। इस ब्रह्मोस 2 नाम दिया गया है। यह नई मिसाइल मैक 6 की हाइपरसोनिक स्पीड से दुश्मन पर हमला करने में सक्षम होगी।

नई ब्रह्मोस मिसाइल के अंदर हाइपरसोनिक स्क्रैमजेट तकनीक लगेगी। इसके पहले फिलीपीन ने भारत के साथ साल 2022 में 37 करोड़ 50 लाख डॉलर का समझौता किया था। भारत ने फिलीपीन को एंटी शिप ब्रह्मोस मिसाइल की सप्लाई भी कर दी है। दुनिया में बढ़ रहे तनाव के बीच अब यूएई, इंडोनेशिया और वियतनाम भी भारत-रूस की इस मिसाइल की ओर देख रहे हैं। भारत के इन तीनों ही देशों के साथ करीबी संबंध हैं। वियतनाम और इंडोनेशिया जहां चीन की दादागिरी से पेरशान हैं, वहीं यूएई को ईरान और उसके प्राक्सी संगठनों के मिसाइलों से डर सताता रहता है। इसकारण वहां भी भारत के ब्रह्मोस की तरफ देख रहे हैं।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि दर नवंबर में 11 महीने के निचले स्तर पर

- प्रतियोगी स्थितियों और मुद्रास्फीति के दबावों के कारण विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सीमित रही

नई दिल्ली ।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि दर नवंबर महीने में 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक अनुसार इस दौरान ऑर्डरों में धीमी वृद्धि देखने को मिली है। प्रतियोगी स्थितियों और मुद्रास्फीति के दबावों के कारण विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सीमित रही है। एक मासिक सर्वेक्षण में यह खबर सामने आई कि नवंबर में वृद्धि दर 56.5 थी, जो पिछले महीने की तुलना में कुछ कम लग रही थी। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने बताया कि इस संक्षेपण के बावजूद भारतीय विनिर्माण क्षेत्र अभी भी विस्तार की दिशा में है। उन्होने कहा कि मांग की मजबूती और उत्पादन में विस्तार की दर, भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने में मदद कर रही है। हालांकि, मूल्य दबाव बढ़ने के कारण उत्पादन वृद्धि में धीमी गति आ रही है। इसके अतिरिक्त, नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण और खनन क्षेत्रों की खराब प्रदर्शन के कारण, भारत की आर्थिक वृद्धि दर एक निम्न स्तर पर पहुंच गई है। वस्तु उत्पादकों के मोर्चे पर अच्छी खबर है, क्योंकि अक्टूबर से उनके विक्रय मूल्यों में अधिक वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे व्यापक अंतरराष्ट्रीय मांग की दर चार महीनों में सबसे अच्छी रही है। जबकि इस दौरान संकुचन

का मामला रहा है, परंतु भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वृद्धि की दिशा में तेजी जारी है।

केंद्र सरकार का डिजिटल कृषि मिशनः एक कार्ड से होंगे पूरे सारे काम

किसानों को सम्मान निधि, क्रेडिट कार्ड, और फसल बिक्री जैसी योजनाओं का मिलेगा लाभ

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्रियों को निर्देश दिए कि देश के हर किसान को एक डिजिटल पहचान बनाने के लिए किसान आईडी कार्ड बनाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य है कि डिजिटल तरीके से किसानों को सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, और फसल बिक्री जैसी योजनाओं तक पहुंच सके। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने राज्यों को किसान पहचान-पत्र बनाने के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया है।

इसके तहत 28 नवंबर को राज्यों को पत्र भेजकर किसान पहचान-पत्र बनाने के लिए शिविर आयोजित करने के आदेश दिए गए हैं। इस मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6 करोड़, 2025-26 में 3 करोड़ और 2026-27 में 2 करोड़ किसानों को कवर किया जाएगा। किसान पहचान पत्र एक आधार-लिंक्ड डिजिटल पहचान है, जिसे भूमि रिकॉर्ड से भी जोड़ा जाएगा। इसमें किसानों के व्यक्तिगत विवरण, बोई गई फसलों और भूमि स्वामित्व की जानकारी शामिल होगी। कृषि मंत्रालय के प्रयासों से किसानों को उनकी डिजिटल पहचान मिलने में तेजी आएगी और कृषि क्षेत्र में डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा सकेगा। इसके साथ ही केंद्र ने राज्यों को लोन के लिए विशेष शिविर आयोजित करने के लिए भी निर्देश दिए हैं, जिससे किसानों को लोन स्वीकृति में सहायता मिले। क्रियान्वयन में गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में किसान आईडी के निर्माण में तेजी देखने को मिल रही है, जबकि असम, छत्तीसगढ़, और उड़ीसा में यह फील्ड परीक्षण के चरण में है। इस पहल के माध्यम से किसानों को सरकारी योजनाओं तक पहुंच में मदद मिलेगी और कृषि क्षेत्र में सुधार होगा।

नवंबर में जीएसटी संग्रह में 8.5 फीसदी की वृद्धि, अर्थव्यवस्था को मिली राहत

- नवंबर महीने में जीएसटी संग्रह 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ

नई दिल्ली।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी खबर है कि नवंबर महीने में जीएसटी (गुड्स एंड सर्विस टैक्स) संग्रह में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे एक अच्छी तरह से चल रही अर्थव्यवस्था को राहत मिली है। सरकार के जानकारों के अनुसार नवंबर महीने में जीएसटी संग्रह 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो समानकालीन वर्ष में इसी महीने में 1.68 लाख करोड़ रुपये था। केंद्रीय जीएसटी संग्रह 34,141 करोड़ रुपये रहा, जबकि राज्य जीएसटी संग्रह 43,047 करोड़ रुपये और एकीकृत आईजीएसटी 91,828 करोड़ रुपये का रहा। बताया जा रहा है कि यह नवंबर में तीसरा सबसे अच्छा जीएसटी संग्रह है। पिछले महीने अच्छी संख्या आई थी, जिसमें अक्टूबर महीने में 1.87 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह किया गया था। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार इस महीने के दौरान घरेलू लेन-देन से जीएसटी राजस्व 9.4 प्रतिशत बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं आयात पर कर से राजस्व लगभग छह प्रतिशत बढ़कर 42,591 करोड़ रुपये हो गया। कुल मिलाकर यह संख्याएं आर्थिक स्थिति में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण हैं और आर्थिक विश्लेषकों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में सकल जीएसटी संग्रह 1.63 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जिसमें एक साल पूरे होने से पहले एक अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है। फिर भी संकेत जरूरी है क्योंकि यह नवंबर महीने में रिफंड समायोजित करने के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपये हो गया है। अब तक सबसे अधिक जेबीडीपी की वृद्धि अप्रैल, 2024 में हुई थी। वित्त वर्ष में सकल जीएसटी संग्रह की वृद्धि के साथ चालू वित्त वर्ष के शेष चार महीनों में जेबीडीपी वृद्धि के लिए अच्छी भविष्यवाणी की गई है कि इस साल वित्त वर्ष 2024-25 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का संग्रह हो सकता है, जो बाजट की अनुमानित संख्याओं से आगे होगा। यह संकेत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार की दिशा में तेजी से बढ़ाने का भारी प्रयास किया जा रहा है और जीएसटी संग्रह में इस तरह की वृद्धि इसका सबूत है।

नवंबर में पेट्रोल-डीजल की खपत में बढ़ोतरी, त्योहारी सीजन ने बढ़ाई मांग

- नवंबर में सरकारी कंपनियों ने पेट्रोल की बिक्री में 8.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की

मुंबई ।

भारत में पेट्रोल और डीजल की मांग नवंबर में बढ़ी, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के आंकड़ों से पता चला।

अक्टूबर में खपत में गिरावट देखी गई थी, लेकिन नवंबर में त्योहारी सीजन के कारण खपत में सुधार हुआ। पेट्रोल और डीजल की खपत में वृद्धि ने उद्योगों को आशाओं की राह दिखाई। नवंबर में सरकारी कंपनियों ने पेट्रोल की बिक्री में 8.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले साल के अंतिम सप्ताह से भी अधिक थी। डीजल की बिक्री भी 5.9 फीसदी बढ़कर 72 लाख टन हुई। पेट्रोल और डीजल महंगा होने के बावजूद, लोगों की मांग में वृद्धि देश की अर्थव्यवस्था के सुधार का संकेत दे सकती है।

डीजल भारत में सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला ईंधन है, जिसका परिवहन और कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। पेट्रोल और

डीजल की मांग में इस दिशा में हुई वृद्धि देश की आर्थिक सुधार की दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकती है।

ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति और भारत की आर्थिक परिस्थितियों पर प्रभाव

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली ।

अमेरिका के नए राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति के प्रभाव की दृष्टि से भारत सक्रिय है। वित्त मंत्रालय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शुरू की गई मंथन के बाद यह स्पष्ट हो रहा है कि भारत कैसे इस नई यातायात के साथ सामना करने की योजना बना रहा है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि सरकार ट्रंप की पिछले कार्यकाल की कार्रवाइयों का जायजा लेने के लिए काम कर रही है। उनका कहना है कि ट्रंप के नक्शे के अनुसार भारत कैसे उसके नीतियों का प्रभाव महसूस करेगा इस पर व्यवस्था कर रहे हैं।

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार का मुद्दा उठाया है। उनके इस प्रस्ताव ने भारत को जरा सोचने पर मजबूर किया है। सरकारी अधिकारियों का मानना है कि यह आर्थिक नीति को जटिल बना सकता है। ट्रंप ने भारत की ओर से उच्च शुल्क के मुद्दे पर आलोचना की थी। भारत को टैरिफ किंग कह दिया गया था। भारत उसके मुद्दों का सामना कैसे करेगा, यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। सरकारी अधिकारियों का मानना है कि अगर चीन से डंपिंग होता है तो उन्हें शुल्क बढ़ाना पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने कहा है कि नुकसान को बढ़ाने से बचने के लिए समझौता भी किया जा सकता है। भारत अमेरिका के नए नीतियों का समर्थन या विरोध करने के लिए तैयार है। ट्रंप के नीतियों के प्रभाव के संबंध में भारतीय सरकार की दृष्टि कैसे होगी, यह देखने के लिए हम सबको इंतेजार रहना होगा।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को घरेलू शेयर बाजार दो पैसे की बढ़त पर बंद हुआ। आज सुबह नकारात्मक रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में स्थिर खुला और अपने सर्वकालिक निम्न स्तर से केवल दो पैसे चढ़कर 84.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने निवेशकों की भावनाओं को और प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.59 प्रति डॉलर पर खुला और सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ 84.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले केवल दो पैसे की बढ़त दिखाता है। शुरुआती कारोबार में यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निम्न स्तर 84.60 पर भी पहुंच गया। रुपया शुक्रवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.60 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

देश के आठ शहरों में जुलाई-सितंबर में आवासीय कीमतें 11 प्रतिशत बढ़ीः रिपोर्ट

- एनसीआर में दरें सबसे अधिक बढ़ीं

नई दिल्ली । भारत के आठ प्रमुख शहरों में आवासीय कीमतों में तेजी देखने को मिली, इसकी जानकारी एक नई रिपोर्ट से मिली। रिपोर्ट में जुलाई-सितंबर तिमाही में 11 प्रतिशत की औसत वृद्धि की गई। एनसीआर में दरें सबसे अधिक बढ़ीं, साथ ही बेंगलुरू में भी तेजी देखी गई। इस रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आवासीय कीमतें 32 प्रतिशत बढ़कर 11,438 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं। इसके बाद बेंगलुरू में 24 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह वृद्धि मांग और सकारात्मक बाजार धारणा की वजह से हुई। सलाहकारों का कहना है कि सभी आठ शहरों में आवास की कीमतों में वृद्धि देखी गई। जुलाई-सितंबर में बेंगलुरू में आवास की औसत कीमतें 11,743 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 9,471 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं। यह रिपोर्ट उम्मीद जताती है कि भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश के लिए एक बेहतर माहौल है, जिसे लोग एक अच्छा निवेश अवसर मान सकते हैं। अगर इस तेजी के प्रकरण का एक सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो इससे अच्छे रिटर्न मिल सकते हैं।

क्यूआर कोड से रेहड़ी-पटरी वालों को मिलने लगे ऋण

- छोटे व्यवसायी अब पांच लाख रुपये तक का ऋण प्राप्त कर सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय वित्तीय सेवा कंपनी एनबीएफसी ने अब छोटे कारोबारियों के लिए एक नया ऋण कार्यक्रम शुरू किया है, जो मुथूट फिनकॉर्प वन के माध्यम से केवल क्यूआर कोड का इस्तेमाल करके उनके दैनिक लेनदेन के आधार पर मिलेगा। इस कार्यक्रम के जरिए रेहड़ी-पटरी वालों जैसे छोटे व्यवसायी अब पांच लाख रुपये तक का ऋण प्राप्त कर सकते हैं। एक बयान के अनुसार यह डिजिटल मंच मुथूट फिनकॉर्प वन के साथ काम करके एमएफएल के ठीक से तैयार किए गए उद्यमों को ऋण प्रदान करेगा। इस प्रक्रिया में क्यूआर-कोड आधारित ऐप का इस्तेमाल किया जाएगा। मुथूट फिनकॉर्प वन के सीईओ ने बताया कि भारत में करीब छह करोड़ अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यम हैं, जो देश के रोजगार सृजनकर्ताओं में से एक हैं। यह नया ऋण कार्यक्रम उन्हें वित्तीय मजबूती और स्थायी वृद्धि के लिए एक नया रास्ता प्रदान करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस नए क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल की घोषणा की थी, जिसका मकसद छोटे व्यवसायों के डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर मूल्यांकन करना है। यह उनकी आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किया गया उत्पाद है, जो उन्हें दैनिक व्यावसायिक विकास के लिए मदद पहुंचाएगा। इस नए ऋण कार्यक्रम के माध्यम से आईएमई को वित्तीय माध्यमों तक पहुंचने में मदद मिलेगी और देश के अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यमों को विकास का मार्ग दिखाएगा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल मिलेजुले संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आरआईएल और इंफोसिस के शेयरों में तेजी से भी बाजार ऊपर आया। इसके अलावा अमेरिकी बाजारों में मजबूती से भी देसी शेयर बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 445.29 अंक करीब 0.56 फीसदी बढ़कर 80,248.08 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 144.95 अंक तकरीबन 0.6 फीसदी बढ़कर 24,276.05 पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 24,008.65 और 24,301.70 के रेंज में कारोबार हुआ।

सेंसेक्स के 21 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा और टाइटन सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, मारुति, एमएंडएम, सन फार्मा, टाटा स्टील, रिलायंस, एचसीएल टेक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, नेस्ले इंडिया, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और आईटीसीस के शेयर भी उछले।

दूसरी तरफ, सेंसेक्स के 9 शेयर गिरावट पर बंद हुए। एनटीपीसी, कोटक बैंक, एचयूएल, इंडसइंड बैंक और पावर ग्रिड के पांच शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। इसके अलावा, एलएंडटी, एसबीआई, एशियन पेंट्स और टीसीएस के शेयर भी गिरे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की धीमी शुरुआत हुई। यह गिरावट सितंबर तिमाही के उम्मीद से कम जीडीपी आंकड़ों के कारण हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 306 अंक की गिरावट के साथ 79,496.63 पर खुला। वहीं

निफ्टी 24,140.85 पर कारोबार करता दिखा। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.19 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई, जबकि बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.06 फीसदी नीचे रहा। कारोबार में निफ्टी बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज और एफएमसीजी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशिया-प्रशांत बाजारों ने नए हफ्ते की शुरुआत सकारात्मक संकेतों के साथ की। निवेशक जापान, कोरिया और चीन सहित प्रमुख देशों से आने वाले आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। चीन ने सप्ताहांत में नवंबर का आधिकारिक पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) डेटा जारी किया। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 50.3 पर पहुंचा, जो अप्रैल के बाद का उच्चतम स्तर है। वहीं एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है। निक्केई 0.33 फीसदी चढ़ा, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.77 फीसदी बढ़ा। कोस्पी 0.85 फीसदी और एएसएक्स 200 में 0.35 फीसदी की बढ़त रही। अमेरिकी शेयर बाजार भी पिछले हफ्ते मजबूती के साथ बंद हुए।

अशोक लेलैंड की नवंबर में कुल थोक बिक्री बढ़कर 14,137 इकाई हुई

पिछले महीने 12,773 इकाई बिक्री हुई थी

मुंबई । अशोक लेलैंड भारत के प्रमुख वाणिज्यिक वाहन निर्माता ने नवंबर माह में अच्छे बिक्री के बारे में रिपोर्ट जारी की है। कंपनी ने बताया कि कुल थोक बिक्री में एक प्रतिशत की वृद्धि हुई और उसने इस माह में 14,137 इकाई वाहन बेचे। कंपनी के बयान के मुताबिक घरेलू बिक्री में एक असंतुष्ट कारक था और इसमें चार प्रतिशत की कमी देखने को मिली। पिछले महीने 12,773 इकाई बिकी थी, जबकि अब यह संख्या 13,031 है। मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में आठ प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली, जिससे कंपनी ने 9,176 इकाई वाहन बेचे। एक साल पहले इस समय यह संख्या 8,500 थी। हालांकि, हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 11 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। कंपनी ने इस माह में 4,961 इकाई हल्के वाहन बेचे, जबकि पिछले साल यह कम 5,553 इकाई थी।

ट्रेडमार्क मामला- अदालत ने पुणे के रेस्तरां पर बर्गर किंग नाम इस्तेमाल करने से रोका

- आदेश तब तक जारी रहेगा जब तक मामले के निपटारे की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती

मुंबई । बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को पुणे स्थित एक रेस्तरां के बर्गर किंग नाम का इस्तेमाल करने पर स्थगित आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश उस दिन तक लागू रहेगा जब तक अमेरिकी लोकप्रिय बर्गर चेन कंपनी बर्गर किंग कॉरपोरेशन द्वारा दायर इस मामले में निर्धारित निपटारे की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। यह निर्धारित रोक इस आदान-प्रदान को संकट में डाल देगा, क्योंकि रेस्तरां मालिकों ने इस इस्तेमाल के लिए आमने-सामने ट्रेडमार्क उल्लंघन का आरोप लगाया था। बर्गर किंग कॉरपोरेशन ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी, जिसके मुताबिक बर्गर किंग नाम का इस्तेमाल करने पर रोक लगने का निष्पादन किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति ए. एस. चंदुरकर और न्यायमूर्ति राजेश पाटिल ने इस मामले में अंतरिम आदेश जारी करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर सुनवाई की जानी चाहिए और समस्त साक्ष्यों का गौर किया जाना चाहिए। तब तक बर्गर किंग नाम का इस्तेमाल बंद रखने के लिए यह अंतरिम आदेश जारी रखा जा रहा है। यह मामला आम लोगों के ध्यान में है, क्योंकि यह एक व्यापक ट्रेडमार्क उल्लंघन का मामला है और इसका निपटारा न्यायिक मार्गदर्शन के अनुसार किया जाना चाहिए। आम नागरिकों को इस मुद्दे पर नजर रखने के लिए सतर्क रहना चाहिए।

अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर शुरुआती कारोबार में नौ प्रतिशत चढ़ा

- बीएसई पर सूचीबद्ध अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का शेयर 1,445 रुपये पर पहुंच गया

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयर सोमवार को दिखाई गई बढ़त के साथ कारोबार में करीब नौ प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई। इसके परिणामस्वरूप बीएसई पर सूचीबद्ध अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का शेयर 1,445 रुपये पर पहुंच गया।

अदाणी समूह के अन्य कंपनियों के शेयरों में भी वृद्धि दर्ज की गई। अदाणी पोर्ट्स का शेयर दो प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स का 1.33 प्रतिशत और एसीसी का एक प्रतिशत बढ़ा।

वहीं अदाणी टोटल गैस का शेयर 4.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 774.45 रुपये पर, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 4.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 805.60 रुपये पर, अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 1.38 प्रतिशत बढ़कर 2,428.20 रुपये और अदाणी पावर का शेयर 1.45 प्रतिशत कम होकर 546.50 रुपये पर पहुंचा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अमेरिका में लगे आरोपों का जवाब देते हुए यह स्पष्ट किया कि समूह सभी नियमों का पालन कर रहा है और हर हमला समूह को मजबूत बनाता है। अमेरिका के न्याय मंत्रालय और एसईसी ने न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले की अमेरिकी जिला अदालत में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के प्रमुख पदाधिकारियों गौतम अदाणी, सागर अदाणी तथा विनीत जैन के खिलाफ 20 नवंबर 2024 को अभियोग जारी किया था। एजीईएल पर लगाए गए आरोप में है कि सौर ऊर्जा बिक्री ठेका हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत दी गई थी।

कंपनी ने इसके खिलाफ जवाब देते हुए कहा कि यह आरोप सिर्फ प्रतिभूति धोखाधड़ी की साजिश, वायर धोखाधड़ी की साजिश और प्रतिभूति धोखाधड़ी से संबंधित हैं, जिनके लिए दंड कम गंभीर होते हैं।

समूह का कहना था कि वे हर संभव कदम उठाएंगे ताकि उनकी स्थिति का स्पष्टीकरण हो सके।

नायका पर शुरू हुई एक और धमाकेदार सेल

कई ब्रांड्स पर मिल रही 50 फीसदी तक की छूट

मुंबई ।

नायका की पिंक फाइडे सेल ने दिखाया अपना जादू और अब एक और धमाकेदार सेल के रूप में वापस आ रहा है। यह सेल 2 दिसंबर से शुरू हो गई है जो 4 दिसंबर तक चलेगी और उसमें 50 फीसदी तक की छूट के साथ बहुत सारे ऑफर्स भी हैं। नायका की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर, नायका के मोबाइल ऐप पर या फिर नायके के स्टोर पर जाकर आप इस सेल का लाभ उठा सकते हैं। पिंक फाइडे सेल में चार्लोट टिलबरी, मैक, मेबेललाइन जैसे ब्रांड्स के उत्पादों पर 60 फीसदी तक की छूट दी जा रही है। इस सेल में ब्यूटी और पर्सनल केयर उत्पाद, फैशन और एक्सेसरीज, होम और किचन उत्पाद और हेल्थ और वेलनेस प्रोडक्ट्स पर भी 50 फीसदी तक की छूट दी जा रही है। इसमें बाय वन गेट वन फ्री ऑफर, फ्री शिपिंग और कैशबैक ऑफर भी उपलब्ध है। पिंक फाइडे सेल में आपको अनुभव करने के लिए बहुत कुछ है, इसलिए अगर आपने पिछली सेल में शॉपिंग नहीं की है, तो इस बार का सेल आपके लिए उत्तम अवसर है।

संक्षिप्त खबरें

स्केटिंग विश्व कप : स्टोल्ज़ ने जीता चार स्वर्ण पदक

बीजिंग। अमेरिकी प्रतिभाशाली जॉर्डन स्टोल्ज़ ने यहां नेशनल स्पीड स्केटिंग ओवल में संपन्न आईएसयू स्पीड स्केटिंग विश्व कप में चार व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। पहले दो प्रतियोगिता दिनों में पुरुषों की 500 मीटर, 1,000 मीटर और 1,500 मीटर प्रतियोगिताओं के बाद तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले स्टोल्ज़ ने दूसरी 500 मीटर दौड़ में 34.39 सेकंड का समय लेकर आइस रिबन में अपना चौथा स्वर्ण जीता। शुक्रवार को पहली दौड़ में दूसरे स्थान पर रहे नीदरलैंड के जेनिंग डी बू ने 0.08 सेकंड पीछे रहकर एक और रजत पदक अपने नाम किया, जबकि दक्षिण कोरिया के किम जुन-हो 34.67 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। 20 वर्षीय स्टोल्ज़ ने सिन्हुआ से कहा, मैं यह जीत हासिल करके और पहले दो विश्व कप में जीत का सिलसिला जारी रखकर बहुत खुश हूँ।

डॉन ब्रैडमैन की कैप की होगी नीलामी, कीमत 2 करोड़

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के महानतम बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन द्वारा पहनी गई टोपी मंगलवार को सिडनी में नीलाम की जाएगी, और इस फटी हुई "बैगी ग्रीन" टोपी के 260,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 2.2 करोड़ रुपये) तक में बिकने की उम्मीद है। ब्रैडमैन ने 1947-48 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान ऊनी टोपी पहनी थी, जो स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद विदेशी धरती पर दौरे करने वाली टीम का पहला टेस्ट मैच था। नीलामी घर बोनहम्स के अनुसार, यह कैप ब्रैडमैन द्वारा अपनी सबसे शानदार श्रृंखला के दौरान पहनी गई एकमात्र ज्ञात बैगी ग्रीन थी। ब्रैडमैन ने भारत के खिलाफ छह पारियों में 178.75 की औसत से 715 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और एक दोहरा शतक शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट क्रिकेटरों को गहरे हरे रंग की टोपी दी जाती है, जिसका खिलाड़ियों और प्रशंसकों द्वारा सम्मान किया जाता है। काफी हद तक फीका पड़ने, कीटों से नुकसान के निशान और फटी हुई चोटी के बावजूद, बोनहम्स को उम्मीद है कि यह टोपी 195,000 से 260,000 अमेरिकी डॉलर के बीच में बिकेगी।

ओगिवारा, ब्रूक्स ने स्नोबोर्ड बिग एयर विश्व कप खिताब जीता

बीजिंग। जापान के किशोर स्कीयर हिरोतो ओगिवारा और ब्रिटेन की मिया ब्रूक्स ने रविवार को बीजिंग में एफआईएस विश्व कप में क्रमशः पुरुष और महिला स्नोबोर्ड बिग एयर खिताब जीते। 19 वर्षीय ओगिवारा ने 169.50 अंकों के साथ जीत हासिल की, जो इटली के उपविजेता इयान मैटेओली से चार अंक आगे थे, जबकि चीन के यांग वेनलोंग तीसरे स्थान पर रहे और विश्व कप में पहली बार पोडियम पर पहुंचे। मैटेओली ने पहली दौड़ में पूरे 2160 चक्कर पूरे करके दर्शकों को चकित कर दिया और प्रभावशाली 97.75 अंक हासिल किए। हालांकि, इतालवी खिलाड़ी अंतिम दो रनों में गति बनाए रखने में विफल रहे और अंत में दूसरे स्थान पर रहे। 25 वर्षीय यांग, जिन्होंने शनिवार को पुरुषों की क्वालीफिकेशन हीट 1 में पहला स्थान हासिल किया, घर पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके प्रसन्न थे। उन्होंने सिन्हुआ से कहा, मैंने हर रन में स्थिर रहने की कोशिश की और प्रत्येक चाल पर ध्यान केंद्रित किया।

न्यूयॉर्क काउबॉयज ने जीता यूएसपीएल सीजन 3 का खिताब

एजेंसी। फ्लोरिडा

न्यूयॉर्क काउबॉयज ने मैरीलैंड मेवरिक्स को सात विकेट से हराकर यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीजन 3 का खिताब जीत लिया है।

फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) खेले गए खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मैरीलैंड मेवरिक्स की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और उन्होंने दूसरे ओवर में ही ताबड़तोड़ बल्लेबाज ड्वेन स्मिथ का विकेट गंवा दिया। हालांकि रयान स्कॉट (25 गेंदों पर 39 रन) और कप्तान शुभम रंजने (36 गेंदों पर 52 रन) ने पारी को संभालने की पूरी कोशिश की, लेकिन उनके प्रयासों के बावजूद, मेवरिक्स की टीम कोई बड़ी साझेदारी नहीं बना सकी और टीम 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 144 रन ही बना सकी। इस लक्ष्य को न्यूयॉर्क काउबॉयज ने मात्र 3 विकेट खोकर 14 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया। काउबॉयज के लिए सलामी बल्लेबाज दिलप्रीत बाजवा ने 45 गेंदों में 66 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली।

हालांकि काउबॉयज ने भी मुख्तार अहमद के रूप में अपना पहला विकेट तीसरे ओवर में ही खो दिया, लेकिन उसके बाद दिलप्रीत बाजवा और जोशुआ ट्रॉम्प ने दूसरे विकेट के लिए महत्वपूर्ण 76 रन जोड़े। मेवरिक्स ने जवाबी हमला करते हुए बाजवा (66) और ट्रॉम्प (27) को एक के बाद एक करके पवेलियन तो भेज दिया, लेकिन तजिंदर सिंह (17 गेंदों में 33) और नौशाद शेख (10 गेंदों में 14) ने काउबॉयज की जीत पर मोहर लगा दी। यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) का तीसरा सीजन जिस तरह का गुजरा वह प्रशंसकों के दिलों में एक अलग ही पहचान बना गया। लगातार 10 दिनों तक 6 धुरंधर टीमों के बीच चले इस घमासान में कोई ट्रॉफी जीता तो किसी का प्रदर्शन लोगों का मन मोह ले गया।

गिनी में फुटबॉल मैच में हिंसा के कारण करीब 100 लोगों की मौत

एजेंसी। जेरेकोर

अफ्रीकी देश गिनी में फुटबॉल मैच में हुई हिंसा के कारण करीब 100 लोगों की मौत हो गयी है। प्राप्त जनकारी के अनुसार रैफरी के एक फैसले पर विवाद के बाद दोनो ही टीमों के प्रशंसक आपस में भिड़ गये जिससे ये मौतें हुई हैं। । एक डॉक्टर के अनुसार अस्पताल में हर और शव पड़े हुए हैं। यहां तक कि मुर्दाघर भी भरा हुआ है और तकरीबन 11 लोग हिंसा का शिकार हुए हैं पर स्थानीय लोगों का कहना है कि मरने वालों का आंकड़ा कहीं अधिक है। वहीं सोशल मीडिया में भी इस हिंसा की तस्वीरें आई हैं। उसमें मैच स्थल के बाहर हिंसा होती दिख रही है। वहीं कई लोग धायल होकर मैदान पर पड़े दिखाय दिये हैं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस स्टेशन पर भी हमला बोलकर उसे आग के हवाले कर दिया।

यह मैच कथित तौर पर गिनी के जुंटा नेता मामादी डौम्बौया के सम्मान में आयोजित एक टूर्नामेंट के दौरान हुआ था, डौम्बौया ने साल 2021 में विद्रोह कर सत्ता संभाली थी। डौम्बौया ने सितंबर 2021 में राष्ट्रपति अल्फा कोंडे को हटकार सत्ता पर अपना नियंत्रण कर दिया था जिन्होंने पहले इस तरह के अधिग्रहण से बचाने के लिए तत्कालीन कर्नल को नियुक्त किया था। अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद डौम्बौया ने साल 2024 के अंत तक नागरिक सत्ता हस्तांतरण के लिए प्रतिबद्धता जताई, हालांकि उन्होंने तब से इस रुख को बदल दिया है। जनवरी में डौम्बौया ने अपने को लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नत किया, उसके बाद अगले महीने सेना के जनरल के पद पर खुद को पदोन्नत किया।

वाशिंगटन सुंदर को तैयार कर रहा टीम प्रबंधन : हरभजन

एजेंसी। मुंबई

दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टीम प्रबंधन अब भविष्य को देखते हुए स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को तैयार करे। युवा वाशिंगटन सुंदर कोच को गौतम गंभीर भी पसंद करते हैं। हरभजन के अनुसार अभी तक आर अश्विन ने भारतीय टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है पर अब आने वाले समय को देखते हुए उनका विकल्प तैयार रखना होगा। अश्विन ने अपने करियर में भारत के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया है प अब उनकी उम्र बढ़ती जा रही है। हरभजन ने कहा कि अब अश्विन 38 साल है इसलिए टीम प्रबंधन वाशिंगटन सुंदर को को अवसर दे रहा है क्योंकि जब भी अश्विन संन्यास लेंगे तो वह उनके साथ होगा। टीम को लगता है कि उन्हें वाशिंगटन को तैयार करना है इसलिए मुझे लगता है कि वे उसी राह पर काम कर रहे हैं। भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 दिसंबर से शुरु होने वाले दिन-रात के दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है। भारतीय टीम अपनी इसमें अपनी अंतिम 11 को लेकर संशय में है।

1500 रेड पॉइंट तक पहुंचने वाले दूसरे खिलाड़ी बने मनिंदर

नई दिल्ली। बंगाल वॉरियर्स के मनिंदर सिंह रविवार को प्रो कबड्डी लीग के इतिहास में 1500 रेड पॉइंट का आंकड़ा पार करने वाले परदीप नरवाल के बाद दूसरे खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि पटना पाइरेट्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान हासिल की। हालांकि उनकी टीम को इस मुकाबले में 35-38 से हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने यह मील का पत्थर तब पार किया जब उन्होंने पाइरेट्स के पक्ष में 31-37 के स्कोर के साथ बोनस हासिल किया।

संतोष ट्रॉफी : 78वें सीनियर एनएफसी के अंतिम दौर के मुकाबले 14 से

31 दिसंबर को फाइनल मैच

- फाइनल : 31 दिसंबर, 19 :30
- सेमी-फाइनल 1 विजेता बनाम सेमीफाइनल 2 विजेता

एजेंसी। नई दिल्ली

संतोष ट्रॉफी के लिए खेली जाने वाली 78वीं सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के अंतिम दौर के मुकाबले 14 दिसंबर से तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में शुरू होंगे। 29 दिसंबर को सेमीफाइनल और 31 दिसंबर को फाइनल मैच खेला जाएगा।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने सोमवार को बताया कि फाइनल दौर के लिए बारह टीमों ग्रुप चरण की नौ विजेता, पिछले सीजन की दो फाइनलिस्ट (सर्विसेज और गोवा) और मेजबान तेलंगाना को छह-छह के दो समूहों में बांटा गया है। प्रत्येक समूह से शीर्ष चार टीमें 26 और 27 दिसंबर को खेले जाने वाले क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। क्वार्टर फाइनल तक सभी मैच डेक्कन एरिना में होंगे।

पश्चिम बंगाल रिकॉर्ड 32 बार चैंपियन रह चुका है। गत चैंपियन सर्विसेज के नाम सात खिताब हैं, जिनमें से छह पिछले 11 सत्रों में आए हैं। आठ बार की चैंपियन पंजाब लगातार दूसरे सीजन में फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई करने से चूक गई। उन्हें ग्रुप स्टेज में जम्मू और कश्मीर ने हराया, जिन्होंने 2015-16 के बाद पहली बार फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई किया।

फाइनल राउंड के लिए समूह

ग्रुप ए

सर्विसेज (2023-24 चैंपियन)पश्चिम बंगाल (ग्रुप सी विजेता)मणिपुर (ग्रुप डी विजेता)तेलंगाना (मेजबान)जम्मू और कश्मीर (ग्रुप ए विजेता)राजस्थान (ग्रुप I विजेता)

ग्रुप बी

गोवा (2023-24 उपविजेता)दिल्ली (ग्रुप बी विजेत)केरल (ग्रुप एच विजेता)तमिलनाडु (ग्रुप जी विजेता)ओडिशा (ग्रुप एफ विजेता)मेघालय (ग्रुप ई विजेता)

ग्रुप ए (सभी मैच डेक्कन एरिना में)

- 14 दिसंबर09 :00 मणिपुर बनाम सर्विसेज14 :30 तेलंगाना बनाम राजस्थान19 :30 पश्चिम बंगाल बनाम जम्मू और कश्मीर
- 16 दिसंबर09 :00 सर्विसेज बनाम जम्मू और कश्मीर14 :30 पश्चिम बंगाल बनाम तेलंगाना19 :30 मणिपुर बनाम राजस्थान
- 18 दिसंबर09 :00 जम्मू और कश्मीर बनाम मणिपुर14 :30 राजस्थान बनाम पश्चिम बंगाल19 :30 सर्विसेज बनाम तेलंगाना
- 21 दिसंबर09 :00 तेलंगाना बनाम जम्मू और कश्मीर14 :30 राजस्थान बनाम सर्विसेज19 :30 पश्चिम बंगाल बनाम मणिपुर
- 23 दिसंबर09 :00 जम्मू और कश्मीर बनाम राजस्थान14 :30 मणिपुर बनाम तेलंगाना19 :30 सर्विसेज बनाम पश्चिम बंगाल

ग्रुप बी (डेक्कन एरेना में सभी मैच)

- 15 दिसंबर 09 :00 केरल बनाम गोवा14 :30 तमिलनाडु बनाम मेघालय19 :30 दिल्ली बनाम ओडिशा
- 17 दिसंबर 09 :00 गोवा बनाम ओडिशा14 :30 दिल्ली बनाम तमिलनाडु19 :30 केरल बनाम मेघालय
- 19 दिसंबर 09 :00 ओडिशा बनाम केरल14 :30 मेघालय बनाम दिल्ली19 :30 गोवा बनाम तमिलनाडु
- 22 दिसंबर 09 :00 तमिलनाडु बनाम ओडिशा14 :30 मेघालय बनाम गोवा19 :30 दिल्ली बनाम केरल
- 24 दिसंबर 09 :00 ओडिशा बनाम मेघालय14 :30 केरल बनाम तमिलनाडु19 :30 गोवा बनाम दिल्ली

क्वार्टर फाइनल

- 26 दिसंबर14 :30 ग्रुप ए1 बनाम ग्रुप बी4 (क्यूएफ1) 19 :30 ग्रुप ए2 बनाम

ग्रुप बी3 (क्यूएफ2)

- 27 दिसंबर14 :30 ग्रुप बी1 बनाम ग्रुप ए4 (क्यूएफ3) 19 :30 ग्रुप बी2 बनाम

सेमीफाइनल 29 दिसंबर

- 14 :30 क्यूएफ1 विजेता बनाम क्यूएफ4 विजेता (एसएफ1)
- 19 :30 क्यूएफ3 विजेता बनाम क्यूएफ2 विजेता (एसएफ2)

दूसरे टेस्ट में भी यशस्वी और राहुल के ही पारी शुरु करने की संभावना

एजेंसी। एडीलेड

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा टेस्ट अब छह दिसंबर से यहां शुरु होने वाले बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट से टीम की कमान संभालेंगे। यहा टेस्ट मैच दिन-रात का होने के कारण गुलाबी गेंद से खेला जाएगा।

रोहित दूसरी बार पिता बनने के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर थे। रोहित के नहीं होने पर पहले टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में माना जा रहा है कि गुलाबी गेंद से होने वाले दूसरे टेस्ट में भी यही जोड़ी पारी की शुरुआत करेगी और रोहित मध्यक्रम में उतरेंगे। पहले मैच में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए। दूसरी पारी में 200 रन से ऊपर की साझेदारी कर नया रिकार्ड बनाया था। इसके अलावा प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भी इसी जोड़ी ने पारी की शुरुआत की थी। उससे ये संकेत मिलते हैं कि अब दूसरे टेस्ट में भी यही जोड़ी उतरेगी और रोहित मध्यक्रम में खेलेंगे। रोहित का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में वह भी नहीं चाहेंगे कि टीम की शुरुआत खराब हो। इसी कारण वह रोहित ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ मुकाबले में राहुल को ही शुरुआत के लिए भेजा था। इससे प्रशंसकों ने अंदाज लगाना शुरू कर दिया कि टीम दूसरे टेस्ट में भी इसी बल्लेबाजी क्रम के साथ खेलने उतरेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला में मेहदी संभालेंगे बांग्लादेश की कमान

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सोमवार को 8 दिसंबर से सेंट किट्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर दी है। ऑलराउंडर मेहदी हसन नियमित कप्तान नजमुल हुसैन की अनुपस्थिति में टीम का नेतृत्व करेंगे। बीसीबी ने एक बयान में कहा, ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज अब नजमुल हुसैन शांतो की अनुपस्थिति में पहली बार वनडे में बांग्लादेश की टीम की अगुआई करेंगे, जो अभी भी कमर की चोट से उबर रहे हैं। बीसीबी स्पोर्ट्स फिजिशियन मोनज़ूर हुसैन चौधरी ने कहा, शांतो ने अपने दाहिने कमर में दर्द की शिकायत की थी और बाद की जांच से एक चिकित्सा स्थिति की पुष्टि हुई है।

जुआन मार्टिन पोत्रो ने विदाई मैच में नोवाक जोकोविच को हराने के बाद लिया संन्यास

एजेंसी। नई दिल्ली

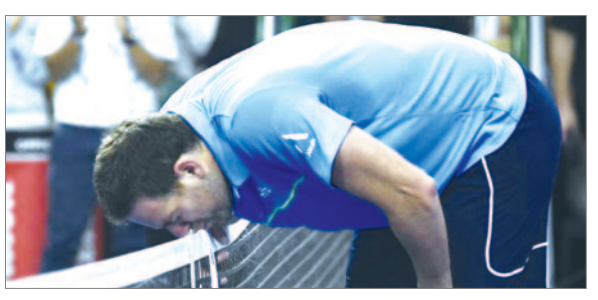

जुआन मार्टिन डेल पोत्रो ने रविवार को अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में अपने घरेलू दर्शकों के सामने एक भावनात्मक प्रदर्शन मैच में नोवाक जोकोविच को 6-4, 7-5 से हराकर पेशेवर टेनिस से विदाई ली। 'द लास्ट चैलेंज' शीर्षक से यह प्रदर्शनी खचाखच भरे पार्क रोका स्टेडियम में आयोजित की गई। मैच के बाद 24 बार के मेजर चैंपियन जोकोविच ने कहा, मैं किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानता जो जुआन मार्टिन से प्यार न करता हो... जीवन में उनकी सबसे बड़ी जीत यह है कि वह एक बेहतरीन इंसान हैं। पूर्व विश्व नंबर 3 डेल पोत्रो मैच के दौरान कई बार रो पड़े, जिसमें उनकी दोस्त और पूर्व टेनिस खिलाड़ी गैब्रिएला सबातिनी सहित कई हस्तियाँ मौजूद थीं। डेल पोत्रो 2009 में तब चर्चा में आए जब उस समय के इस किशोर ने सेमीफाइनल और फाइनल में क्रमशः राफेल नडाल और रोजर फेडरर को हराकर यूएस ओपन में अपना पहला मेजर खिताब जीता था। उन्होंने कुल 22 खिताब जीते, लेकिन कई चोटों के कारण अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने अपने नाम पर और ग्रैंड स्लैम नहीं जोड़े। उन्होंने आखिरी बार दो साल पहले टूर-स्तरीय मैच खेला था। रविवार को 36 वर्षीय डेल पोत्रो ने अपने करियर के कुछ बेहतरीन पलों की समीक्षा एक विशाल स्क्रीन पर की, जिसमें 2012 में लंदन और 2016 में रियो डी जेनेरियो में जीते गए ओलंपिक पदक शामिल हैं। उन्होंने 2016 में अर्जेंटीना के साथ डेविस कप का खिताब भी जीता।

इंडिया अल्टीमेट मिक्स्ड नेशनल्स अल्टीमेट फ्रिसबी टूर्नामेंट का हुआ समापन

एयरबेंडर्स को हरा चेन्नई के एयरबोर्न ने जीता खिताब

एजेंसी। सूरत

मिक्स्ड नेशनल्स अल्टीमेट फ्रिसबी टूर्नामेंट का समापन यहां रांदेर इस्लाम जिमखाना और फाउंटेनहेड स्कूल में हुआ। यह टूर्नामेंट राष्ट्रीय चैम्पियनशिप सीरीज़ का हिस्सा था। इस टूर्नामेंट में भारत भर के सात राज्यों की 19 टीमों ने हिस्सा लिया। तीन दिनों तक चले रोमांचक मुकाबलों के बाद, चेन्नई के एयरबोर्न ने बैंगलोर के एयरबेंडर्स को रोमांचक फाइनल में 15-14 से हराकर खिताब जीता।

सूरत के जुंबिश ने तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में लर्निंग टू फ्लाई को 15-10 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। ऑफ-सीजन अल्टीमेट (ओएसयू) ने इस आयोजन को अपने विशेष प्रसारण के माध्यम से सभी गतिविधियों को सफलतापूर्वक लाइव प्रसारित किया।

ऑफ-सीजन अल्टीमेट के सह-संस्थापक ताहिर सिद्दीकी ने कहा, सूरत में मिक्स्ड नेशनल्स ने अल्टीमेट फ्रिसबी के कौशल, समर्पण और एकजुट भावना का एक अविश्वसनीय प्रदर्शन किया है।

इस टूर्नामेंट ने न केवल हमारे समुदाय के भीतर अपार प्रतिभा को उजागर किया, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों और पृष्ठभूमि के लोगों को एक साथ लाने के लिए खेल की शक्ति को भी प्रदर्शित किया। इन मैचों का सीधा प्रसारण करके, हमारा लक्ष्य सूरत जैसे और शहरों को अल्टीमेट फ्रिसबी को अपनाने के लिए प्रेरित करना और खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को तैयार करना है जो टीमवर्क, समावेशिता और निष्पक्ष खेल को महत्व देते हैं। अल्टीमेट फ्रिसबी के मूल मूल्यों का प्रतिनिधित्व करने वाला स्पिरिट ऑफ द गेम अवार्ड दिल्ली के स्ट्रे डॉग्स इन स्वेटर को दिया गया। टूर्नामेंट के विजेता एयरबोर्न ने स्पिरिट रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि दिल्ली के जीके क्रेजी तीसरे स्थान पर रहे। सूरत में एयरबोर्न, एयरबेंडर्स वन, स्टॉल7 और कई अन्य शीर्ष वरीयता प्राप्त टीमों की ओर से कड़ी प्रतिस्पर्धा और एथलेटिकवाद का अनुकरणीय प्रदर्शन देखने को मिला। स्थानीय टीमों, जुम्बिश और जुम्बिश कैचर्स ने शहर की होनहार फ्रिसबी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करते हुए सूरत का गर्व से प्रतिनिधित्व किया।

इंडिया अल्टीमेट मिक्स्ड नेशनल्स को विशेष रूप से ऑफ-सीजन अल्टीमेट यूट्यूब चैनल पर लाइव-स्ट्रीम किया गया, जिसने सप्ताहांत में 20,000 से अधिक दर्शकों को आकर्षित किया, और यूट्यूब लाइव पर कुल मिलाकर 2,456 घंटे से अधिक समय तक देखा गया। प्रसारण अल्टीमेट फ्रिसबी की पहुंच का विस्तार करने और बढ़ते भारतीय समुदाय को वैश्विक दर्शकों से जोड़ने में सहायक रहे। देश भर में 15,000 से ज़्यादा सक्रिय खिलाड़ियों के साथ, अल्टीमेट फ्रिसबी फिटनेस, समावेशिता और टीमवर्क पर ज़ोर देने वाले समुदाय-संचालित खेल के रूप में लगातार आगे बढ़ रहा है। बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई, दिल्ली, लखनऊ, पुणे और मेज़बान शहर सूरत की टीमों ने भारत में इस खेल को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिभा और उत्साह की गहराई का प्रदर्शन किया।

पाक टीम भविष्य में भारतीय टीम को उसके घर में ही हराये : शोएब

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी आयोजन को लेकर हुआ विवाद थमने पर राहत जतायी है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के भारतीय टीम के मैच किसी अन्य जगह पर आयोजित करने पर सहमत होने के बाद इस टूर्नामेंट पर लेकर संशय समाप्त हो गया। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने राजस्व में अधिक हिस्सेदारी की मांग करने के पीसीबी के रुख को सही बताया है। उनका कहना है कि अब टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जा रहा है , इसलिए पीसीबी को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए अधिक राजस्व मिलना ही चाहिये। । इस पूर्व क्रिकेटर ने हालांकि पीसीबी के भविष्य में भारत का दौरा नहीं करने के बयान को गलत बताया है। उन्होंने पीसीबी को भविष्य के आईसीसी आयोजनों के लिए टीम को भारत भेजना चाहिए। लेकिन उन्हें अपनी टीम को इतना बेहतर बनाना बनाना चाहिए कि वह भारत को उसके अपने घर में हरा सके। उन्होंने कहा, भविष्य में भारत में खेलने के मामले में, हमें दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहिए और वहां जाना चाहिए। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि भारत जाओ और उन्हें वहां हराओ। चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल के कारण अब भारत के मैच दुबई में खेले जाएंगे । वहीं अगर भारतीय टीम सेमीफाइनल और फाइनल में पहुंचती है तो भी ये मैच दूबई में होंगे। अगर ऐसा नहीं होता तो ये मैच पाक में ही होंगे।

संक्षिप्त समाचार

रूस ने कोंडोर-एफकेए रडार सैटेलाइट किया लांच

व्लादिवोस्तोक, एजेंसी। रूस ने शनिवार सुबह देश के सुदूर पूर्व की वोस्टोचनी कॉस्मोड्रोम से सोयुज-2.1ए रॉकेट को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। रॉकेट ने कोंडोर-एफकेए नंबर 2 रडार सैटेलाइट को लक्षित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्नत रडार प्रौद्योगिकी से लैस, कोंडोर-एफकेए उपग्रहों ने ऑल-वेदर, राउंड-द-क्लॉक अर्थ ऑब्जर्वेशन के लिए देश को सक्षम बना दिया है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रॉस्कॉस्मॉस ने एक बयान में घोषणा की, दूसरा रडार सैटेलाइट, कोंडोर-एफकेए, ऑर्बिट तक पहुंच गया है! लॉन्च सिस्टम ने योजना के अनुसार काम किया। ऑप्टिकल उपग्रहों के विपरीत, कोंडोर-एफकेए श्रृंखला बादलों के पार से भी धरती पर नजर रख सकती है और अंधेरे में काम कर सकती है। अपनी इस खूबी की वजह से ये सेटेलाइट विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए बहुत सक्षम हैं। इन कार्यों में मैपिंग, पर्यावरण निगरानी, प्राकृतिक संसाधन अन्वेषण, और मार्गदर्शक जहाजों को बर्फ से ढंके मार्गों पर गाइड करना शामिल है, जैसे कि उत्तरी ध्रुवीय रातों के दौरान समुद्री मार्ग में। एनपीओ माशिनोस्ट्रॉयोनिया डिजाइन ब्यूरो द्वारा विकसित कोंडोर श्रृंखला के इन सेटेलाइटों ने अपनी स्थापना के बाद से लगातार प्रगति की है। पहले दो उपग्रहों को 2013 और 2014 में लॉन्च किया गया था, जबकि कोंडोर-एफकेए नंबर 1 ने 2023 में कक्षा में प्रवेश किया था। वर्तमान में दो और उपग्रह निर्माणाधीन हैं, जिसमें तीसरा कोंडोर-एफकेए 2026 में लॉन्च किया जाएगा। प्रत्येक कोंडोर-एफकेए उपग्रह का वजन लगभग 1,050 किलोग्राम होता है और इसकी लाइफ पांच साल की होती है।

सूडान के गांवों पर अर्धसैनिक बलों के हमले में 12 की मौत

खार्तूम, एजेंसी। सूडान के गेजिरा राज्य के गांवों पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमलों में कम से कम 12 लोग मारे गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, स्थानीय स्वयंसेवी समूह निदा अल-वसत प्लेटफार्म ने कहा कि आरएसएफ ने गुरुवार को पश्चिमी गेजिरा के अल-महेरिबा क्षेत्र में आठ गांवों को निशाना बनाया। इस दौरान वहां के निवासियों पर भारी गोलीबारी और हमले किए। समूह ने एक बयान में कहा, हमलों और गोलाबारी में अब तक मरने वालों की संख्या 12 हो गई है, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। वहीं, आरएसएफ ने आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले 24 नवंबर को सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) की छठी इन्फैंट्री डिवीजन ने बताया था कि पश्चिमी सूडान में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमले में कम से कम 15 नागरिक मारे गए थे। जबकि, 20 अन्य घायल हो गए थे। डिवीजन ने एक बयान में कहा था कि आरएसएफ मिलिशिया ने उत्तरी दारफुर प्रांत की राजधानी अल फशेर के नैवाशा बाजार पर 23 नवंबर की शाम को तीन होवित्जर तोपों से हमला किया गया। डिवीजन ने आरएसएफ पर बाजारों और सभा स्थलों पर गोलीबारी करके नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। समाचार एजेंसी शि?न्हुआ के अनुसार, 10 मई से अल फशेर में एसएएफ और आरएसएफ के बीच हिंसक झड़पें चल रही हैं। आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा प्रोजेक्ट के ताजा अपडेट के अनुसार, इस घातक संघर्ष में अब तक 27,120 से अधिक लोगों की मौत को चुकी है। वहीं, 14 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

पीएम जॉर्जिया मेलोनी की नीतियों के विरोध में लाखों कर्मचारियों ने की हड़ताल

रोम, एजेंसी। इटली में लाखों श्रमिकों ने प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के 2025 के बजट, महंगाई और कम मजदूरी के विरोध में आठ घंटे की हड़ताल की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इटली के दो मुख्य ट्रेड यूनियनों, इटालियन जनरल कन्फेडरेशन ऑफ लेबर (सीजीआईएल) और इटालियन लेबर यूनियन (यूआईएल) की तरफ से इस हड़ताल का आयोजन किया गया था। इस हड़ताल में कई क्षेत्रों के कर्मचारी शामिल थे। हालांकि इसमें ट्रेन कर्मचारी शामिल नहीं थे, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में एक अलग विरोध प्रदर्शन किया था। परिवहन मंत्रालय के आदेश के के चलते स्थानीय परिवहन, नौका और वायुमार्ग क्षेत्र के कर्मचारियों ने आठ घंटों के बजाय को चार घंटे तक काम रोका। इसके बावजूद, हड़ताल में महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई। आयोजकों ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों के लगभग 70 प्रतिशत कर्मचारी कार्रवाई में शामिल हुए। इटली की प्रमुख एयरलाइन, आईटीए को 18 अंतरराष्ट्रीय रूट समेत 109 उड़ानें रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सीजीआईएल के अनुसार, रोम, मिलान, ट्यूरिन, बोलोग्ना और नेपल्स सहित कम से कम 43 शहरों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और रैलियां हुई, जिनमें अनुमानित 5,00,000 लोग शामिल हुए।बजट का उद्देश्य इटली के उच्च सार्वजनिक ऋण संबंधी दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान करना है।

ट्रम्प सरकार में भारतवंशी काश पटेल होंगे एफबीआई डायरेक्टर

पिछले कार्यकाल में इंटेलिजेंस में काम कर चुके ; गुजराती परिवार से ताल्लुक रखते हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जांच एजेंसी 'फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन के अगले डायरेक्टर के लिए भारतवंशी कश्यप काश पटेल के नाम की घोषणा की है। ट्रम्प ने इसकी घोषणा शनिवार को उनके सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए की। इस पोस्ट में ट्रम्प ने काश पटेल के पिछले कामों की तारीफ भी की। इससे पहले काश पटेल ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान रक्षा मंत्रालय में चीफ ऑफ स्टाफ, नेशनल इंटेलिजेंस में डिप्टी डायरेक्टर और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में आतंकवाद विरोधी कार्यक्रमों के सीनियर डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं।

काश पटेल को बताया अमेरिका फर्स्ट फाइटर : ट्रम्प ने कहा कि मुझे गर्व है कि कश्यप काश पटेल स्वच्छ के अगले डायरेक्टर के तौर पर काम करेंगे। काश एक शानदार वकील, इन्वेस्टीगेटर हैं। काश पटेल की तारीफ करते हुए ट्रम्प ने उन्हें 'अमेरिका फर्स्ट' वाला फाइटर बताया। ट्रम्प ने कहा कि काश पटेल ने अपना करियर भष्ट्राचार को उजागर करते, न्याय

और अमेरिकी लोगों की रक्षा करते हुए बिताया है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका में बढ़ते क्राइम रेट, क्रिमिनल गैंग और बॉर्डर पर होने वाली मानव और ड्रग तस्करी जैसे अपराधों से निपटने के लिए काश पटेल को ये जिम्मेदारी दी गई है।

गुजराती परिवार में जन्मे, माता-पिता युगांडा से भागे : काश पटेल भारतीय प्रवासी के बेटे हैं। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ था। काश पटेल के माता-पिता युगांडा के शासक ईदी अमीन के देश छोड़ने के फरमान से डरकर 1970 के दशक में भागकर कनाडा के रास्ते अमेरिका पहुंचे थे। 1988 में पटेल के पिता को अमेरिका की नागरिकता मिलने के बाद एक एरोप्लेन कंपनी में नौकरी मिली। 2004 में कानून की डिग्री हासिल करने के बाद जब पटेल को किसी बड़े लॉ फर्म में नौकरी नहीं मिली तो उन्होंने एक सरकारी वकील के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। हालांकि ड्रीम जॉब के लिए उन्हें 9 साल तक इंतजार करना पड़ा। काश पटेल 2013 में वॉशिंगटन में न्याय विभाग में शामिल हुए। यहां तीन साल बाद 2016 में पटेल को खुफिया मामले से जुड़ी एक स्थायी समिति में कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया। इस विभाग के चीफ डेविड नून्स थे, जो ट्रम्प के कट्टर सहयोगी थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति रहने के दौरान ट्रम्प ने 2019 में जो बाइडेन के बेटे के बारे में जानकारी जुटाने के लिए यूक्रेन पर दबाव बनाया था। इस वजह से विपक्ष उन पर नाराज हो गया। किसी कानूनी पचड़े से बचने के लिए ट्रम्प ने इस मामले में मदद के लिए सलाहकारों की एक टीम बनाई। इसमें काश पटेल का भी नाम था। तब उनका नाम देख हर किसी को हैरानी हुई थी। काश पटेल 2019 में ट्रम्प प्रशासन से जुड़ने के बाद तरक्की की सीढ़ियां चढ़ते गए। ट्रम्प प्रशासन में वे सिर्फ 1 साल 8 महीने रहे, लेकिन सबकी नजरों में आ गए। मैगजीन द अटलांटिक की एक रिपोर्ट में पटेल को ट्रम्प के लिए कुछ भी करने वाला शख्स बताया गया है। ट्रम्प प्रशासन में जहां पहले से लगभग सभी लोग ट्रम्प के वफादार थे, वहां भी उन्हें ट्रम्प के सबसे वफादार लोगों में गिना जाने लगा था।

इस्कॉन का दावा- बांग्लादेश में एक और हिंदू पुजारी को गिरफ्तार किया गया, केंद्र में तोड़फोड़ की गई

कोलकाता/ढाका, एजेंसी। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने दावा किया कि अल्पसंख्यक समुदाय पर

लक्षित हमलों की एक श्रृंखला के बीच बांग्लादेश में एक और हिंदू पुजारी को गिरफ्तार किया गया है, और इस्कॉन केंद्र में तोड़फोड़ की गई। यह घटनाक्रम इस सप्ताह की शुरुआत में देशद्रोह के आरोप में एक अन्य भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन के बीच हुआ है। युवा पुजारी, जिसकी पहचान श्याम दास के रूप में हुई है, को कथित तौर पर उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह जेल में चिन्मय दास से मिलने गया था। राधारमण दास ने हैशटैग के साथ ट्वीट किया, क्या वह आतंकवादी जैसा दिखता है? निर्दोष इस्कॉन ब्रह्मचारियों की गिरफ्तारी बेहद चौंकाने वाली और परेशान करने वाली है। हालांकि, श्याम दास की गिरफ्तारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।अगस्त में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से हिंदू समुदाय के सदस्यों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, 200 से अधिक मंदिरों को भी निशाना बनाया गया है। इस सप्ताह, बांग्लादेश के अधिकारियों ने इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया, जिसमें चिन्मय कृष्ण दास का खाता भी शामिल है। यह उच्च न्यायालय में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका के साथ मेल खाता है, जिसमें अटॉर्नी जनरल ने संगठन को धार्मिक कट्टरपंथी संगठन कहा है। हालांकि, अदालत ने वैश्विक संगठन पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की गूंज सीमा पार भी हुई है, कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग के बाहर धार्मिक समूहों द्वारा विरोध प्रदर्शन देखा गया। अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि हिंदुओं के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करना बांग्लादेशी सरकार की जिम्मेदारी है।

बांग्लादेश में इंटरनेट सेवाएं 2 दिसंबर को बाधित रहेंगी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 2 दिसंबर की रात इंटरनेट सेवाएं तीन घंटे के लिए बाधित रहेंगी। यह रुकावट देश की पहली सबमरीन केबल की मरम्मत के कारण होगी। देश की पहली सबमरीन केबल प्रणाली, जिसे एसईए-एमई-डब्ल्यूई4 कहा जाता है, कॉक्स बाजार जिले में स्थित है, जो राजधानी ढाका से लगभग 400 किमी दक्षिण-पूर्व में है। बांग्लादेश सबमरीन केबल्स पीएलसी के अनुसार, 2 दिसंबर को सुबह 3:00 बजे से लेकर 5:59 बजे तक मरम्मत का काम भारत के चेन्नई लैंडिंग स्टेशन और सिंगापुर के टुआस लैंडिंग स्टेशन के पास किया जाएगा। इस दौरान इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। बांग्लादेश में इंटरनेट बैंडविड्थ मुख्य रूप से दो सबमरीन केबल्स के जरिए आती है, जो गहरे समुद्र से होकर गुजरती हैं। पहली केबल दक्षिण-पूर्वी कॉक्स बाजार में और दूसरी केबल बांग्लादेश के पातुआखाली जिले के कुआकाटा में स्थित है, जो ढाका से लगभग 204 किमी दक्षिण में है। वहीं, बांग्लादेश में गिरफ्तार किए गए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तार के विरोध में भारत में हो रहे विरोध के बीच इस्कॉन के एक और संत को बांग्लादेश में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह जानकारी इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने दी। राधारमण दास के अनुसार, बांग्लादेश पुलिस ने श्याम दास को भी हिरासत में ले लिया।

अमेरिका से डिफेंस डील नहीं करेगा सऊदी अरब, गाजा युद्ध की वजह से लिया फैसला

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब अमेरिका के साथ बड़ी डिफेंस डील साइन करने की मांग से पीछे हट गया है। इस डील के बदले सऊदी को इजराइल के साथ सामान्य रिश्ते बहाल करने थे। अब वो अमेरिका पर किसी छोटे डिफेंस मिलिट्री कॉरपोरेशन एग्रीमेंट साइन करने के लिए दबाव बना रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, गाजा युद्ध की वजह से मिडिल ईस्ट और मुस्लिम देशों में इजराइल के खिलाफ गुस्सा है। ऐसे में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ऐसा कोई बड़ा समझौता नहीं करना चाहते हैं। हालांकि, एमबीएस की शर्त है कि अगर इजराइल फिलिस्तीन देश बनाने के लिए ठोस कदम उठाता है तो वो उसे मान्यता दे सकते हैं। वहीं, रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू यह जानते हैं कि अगर वो हमास को किसी भी तरह की रियायत देते हैं तो उन्हें अपने देश में भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में दोनों नेता अपने-अपने देश की आंतरिक राजनीति में उलझे हुए हैं।

बाइडेन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले डील हो सकती है : वेस्टर्न डिप्लोमैट्स ने रॉयटर्स से कहा- इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अभी भी सऊदी अरब के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए एक्साइटेड हैं। अगर ऐसा होता है तो यह मील का पत्थर साबित होगा। इससे अरब दुनिया में इजराइल को बड़े पैमाने पर एक्सेप्टेंस मिलेगी। सऊदी और अमेरिका को उम्मीद है कि जनवरी में राष्ट्रपति जो बाइडेन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले एक छोटे

डिफेंस मिलिट्री एग्रीमेंट पर साइन हो सकता है। इस समझौते में जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज, डिफेंस इंडस्ट्री में पार्टनरशिप और हाई टेक्निक में सऊदी इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देना शामिल है।

फुल डिफेंस डील को सीनेट में दो तिहाई बहुमत जरूरी : रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी अमेरिकी-सऊदी फुल डिफेंस डील का अमेरिकी सीनेट में दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी है। जब तक सऊदी इजराइल को मान्यता नहीं देता, यह मुमकिन नहीं होगा। इस वक्त जिस समझौते पर बात चल रही है उसमें ईरान के खतरों से निपटने के लिए जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज शामिल है। यह अमेरिका और सऊदी डिफेंस फर्मों के बीच पार्टनरशिप को बढ़ावा देगा, और चीन-सऊदी की बढ़ती साझेदारी पर लगाम लगाएगा। यह समझौता एग्रीमेंट हाई टेक्नोलॉजी, खास तौर पर ड्रोन इंडस्ट्री में सऊदी निवेश को बढ़ावा देगा। हालांकि, इस डील में अमेरिका पर सऊदी को किसी भी हमले से बचाने की जिम्मेदारी नहीं होगी। इस एग्रीमेंट को लेकर सबसे बड़ी चिंता डोनाल्ड ट्रम्प के व्हाइट हाउस वापस लौटने की है। ट्रम्प कभी भी अलग फिलिस्तीन देश बनाने के समर्थक नहीं रहे हैं। हालांकि, अरब अधिकारियों का मानना है कि ट्रम्प और उनके दामाद जेरेड कुशनेर के मोहम्मद बिन सलमान से काफी अच्छे रिश्ते हैं, ऐसे में वो उन्हें इसके लिए राजी कर लेंगे।

जेलेंस्की बोले- यूक्रेन के कब्जे वाली जमीन नाटो कंट्रोल करे

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक इंटरव्यू में यूक्रेन के नियंत्रण वाले हिस्से नाटो के कंट्रोल में देने की बात की है। उनके मुताबिक, अगर नाटो इस इलाके को अपने कंट्रोल में ले लेता है तो युद्ध खत्म हो जाएगा। जेलेंस्की ने ब्रिटेन के स्काई न्यूज से कहा- अगर हम वॉर को हॉट जोन में जाने से रोकना चाहते हैं, तो हमें यूक्रेन के उस हिस्से को नाटो के कंट्रोल में लाना होगा जो हमारे पास है। जेलेंस्की ने एक ऐसा सिस्टम डेवलप करने की जरूरत बताई जिससे यह तय किया जाए कि रूस भविष्य में दोबारा हमला न कर सके। उन्होंने कहा- अगर हम युद्धविराम की बात करते हैं, तो हमें इस बात की गारंटी चाहिए कि पुतिन वापस नहीं आएंगे।

नाटो यूक्रेनी इलाकों के सिक्योरिटी की गारंटी ले : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, हमें यह काम तेजी से करना

होगा, इसके बाद यूक्रेन डिप्लोमैटिक तरीके से अपने इलाके का दूसरा हिस्सा भी वापस पा लेगा। उन्होंने नाटो से मांग की कि वो यूक्रेन के कंट्रोल वाले इलाके की सिक्योरिटी का गारंटी ले, ताकि वॉर को बढ़ने से रोका जा सके। जेलेंस्की के मुताबिक, वो रूसी कब्जे वाले यूक्रेन के हिस्से वापस पाने के लिए इंतजार करेंगे। अगर किसी समझौते से यूक्रेन के बाकी हिस्सों की सुरक्षा होती है तो यह लड़ाई खत्म हो जाएगी। यह बयान उस वक्त आया है जब दोनों देश एक दूसरे पर खतरनाक मिसाइलों से हमले कर रहे हैं।

ट्रम्प एक दिन में वॉर रुकवाने का दावा कर चुके हैं : अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के चुनाव जीतने के बाद युद्धविराम और पीस ट्रीटी की चर्चा तेज हो गई है। इलेक्शन कैंपेन के दौरान भी ट्रम्प ने लगातार दावा किया था कि अगर वो राष्ट्रपति बनेंगे तो एक दिन में यूक्रेन वॉर रुकवा देंगे। हालांकि, उन्होंने इस बार में कोई डिटेल जानकारी नहीं दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से रूस ने यूक्रेन के लगभग 18त्न हिस्से पर कब्जा कर लिया है। युद्ध शुरू होने से पहले जेलेंस्की लगातार पूरे यूक्रेन को नाटो में शामिल करने की मांग कर रहे थे।

जिस खालिस्तानी आतंकी पर दर्ज हैं 70 मुकदमे, उसे कनाडा ने दी जमानत

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की खालिस्तानियों से दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के मोस्?ट वांटेड गैंगस्टर अर्श डल्ला को कनाडा की अदालत ने महज 30 हजार डॉलर के निजी मुचलके पर जमानत दे दी है। अर्श डल्ला पर भारत में 70 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें कई हत्याओं और आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। इस फैसले ने एक बार फिर कनाडा में खालिस्तान समर्थक आर्तकियों के प्रति सहानुभूति को उजागर किया है। अर्श डल्ला, जो कभी लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य था, अब अपने पुराने सहयोगियों से जानी दुश्मनी बना चुका है। इस मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी 2025 को होगी। भारत सरकार अर्श डल्ला के प्रत्यर्पण के लिए कनाडा से बातचीत की तैयारी कर रही थी, लेकिन अदालत से जमानत मिल जाने के बाद मामला और जटिल हो गया है।

कनाडा में गिरफ्तारी, फिर जमानत : भारत में आतंकी गतिविधियों में लिप्त अर्श डल्ला को कनाडा पुलिस ने 28 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार किया था। वह खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख है और पंजाब के युवाओं को कनाडा बुलाकर आतंकवाद में शामिल करने का आरोप है। पुलिस को उसके पास से कई हाईटेक हथियार भी मिले थे, जिससे उसकी आतंकवादी गतिविधियों की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। अर्श डल्ला पर आरोप है कि वह भारत में हत्याओं और वसूली के मामलों में भी सक्रिय रहा है और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ उसका संपर्क रहा है। भारतीय एजेंसियां उसे भारत लाकर इन मामलों में उसकी जांच करना चाहती हैं।

गोलीबारी और गिरफ्तारी की कहानी : 28 अक्टूबर 2024 की रात कनाडा में एक गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें अर्श डल्ला घायल हो गया था। सूत्रों के मुताबिक, वह अपने साथी गुरजंत सिंह के साथ कार में जा रहा था, तभी कार में रखी बंदूक से एक्सिडेंटली गोली चल गई। गोली डल्ला के दाहिने हाथ में लगी और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। डल्ला ने पुलिस को अपनी गिरफ्तारी से पहले एक झूठी कहानी सुनाई थी, जिसमें उसने खुद पर हमले का दावा किया था।

भारत के लिए खतरा : अर्श डल्ला का पूरा नाम अर्शदीप डल्ला है और वह पंजाब के मोगा जिले का निवासी है। भारत में उसकी गिरफ्तारी के बाद उसकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वह कनाडा में बैठकर भारतीय युवाओं को आतंकवादी समूहों में शामिल करता है और आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिलवाता है। भारत सरकार और सुरक्षा एजेंसियां उसे गिरफ्तार करने और उसके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तत्पर हैं।

सीरिया में रूस ने भी उतार दी सेना, अलेप्पो में घुसे विद्रोहियों पर बरसाए बम

अलेप्पो, एजेंसी। सीरिया के शहर अलेप्पो में इस्लामिक विद्रोहियों के हमले के बाद रूस की सेना राष्ट्रपति बशर अल असद की मदद को उतर पड़ी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एयरफोर्स असद की सेना की मदद कर रही है और विद्रोहियों पर हवाई हमले कर रही है। 2020 में गृह युद्ध थमने के बाद एक बार फिर से बशर अल असद के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। 2011 से 2020 तक चले गृह युद्ध में लाखों लोग मारे गए थे। इसके बाद 2020 में सीजफायर का समझौता हुआ था। हयात तहरीर-अल शाम के लड़ाकों ने 40 फीसदी अलेप्पो शहर पर कब्जा कर लिया है। वहीं शनिवार को ही असद ने अपनी सेना को सुरक्षित निकलने का आदेश दे दिया था। हजारों सीरियाई विद्रोही अत्याधुनिक हथियारों के साथ और वाहनों में सवार होकर अलेप्पो के अंदर फैल गए। स्थानीय निवासियों और लड़ाकों ने यह जानकारी दी।

एक दिन पहले ही विद्रोही सीरिया के सबसे बड़े शहर में घुसे थे, जहां उन्हें सरकारी सैनिकों की ओर से बहुत कम प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। सीरिया के सशस्त्र बलों ने शनिवार को एक बयान में कहा कि अलेप्पो पर बड़े हमले का मुकाबला करने और लोगों की जान बचाने के लिए, उन्होंने फिर से सैनिकों की तैनाती की है और जवाबी हमले की तैयारी कर रहे हैं। बयान में स्वीकार किया गया कि विद्रोही शहर के बड़े हिस्से में घुस आए हैं। द्रोहियों को पुलिस मुख्यालय, शहर के केंद्र और अलेप्पो में उनके पुराने गढ़ के बाहर देखा गया। उन्होंने सीरियाई राष्ट्रपति बशर असद के पोस्टर फाड़ दिए और कुछ को जला दिया। यह घटनाक्रम असद के लिए शर्मिंदगी का

सबब बन गया है, जो 2016 में शहर पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने में कामयाब रहे थे। उस वक्त उन्होंने एक भीषण सैन्य अभियान के बाद विद्रोहियों और हजारों नागरिकों को इसके पूर्वी इलाकों से खदेड़ दिया था, जिसमें उनकी सेनाओं को रूस, ईरान और उसके सहयोगी समूहों का समर्थन प्राप्त था। अलेप्पो पर तब से विद्रोहियों ने हमला नहीं किया है। 2016 में अलेप्पो के लिए हुई लड़ाई सीरियाई सरकारी बलों और विद्रोही लड़ाकों के बीच युद्ध में एक महत्वपूर्ण मोड़ थी, जब 2011 में असद के शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन एक पूर्ण युद्ध में तब्दील हो गया था। विद्रोही गुट के एक लड़ाका अली जुमा ने कहा, मैं अलेप्पो का बेटा हूं। आठ साल पहले हमें यहां से निकाल दिया गया था। अब हम फिर लौट आए हैं और बहुत अच्छा लग रहा है।

11 महीने के कार्यकाल में कार्मिक डीआईजी नौशाद आलम ने बनाया कीर्तिमान

बिभा संवाददाता

राँची । भारतीय पुलिस सेवा 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी नौशाद आलम अपने बेहतर कार्यदक्षता तथा कार्यों के तत्क्षण निस्पादन के फलस्वरूप विभाग में एक बेहतर कार्य संस्कृति का सृजन किया है। श्री आलम ग्रामीण एसपी राँची, सीटी एसपी राँची के साथ-साथ साहेबगंज के लोकप्रिय एसपी भी रह चुके हैं। साहेबगंज में महज पांच माह के कार्यकाल में ही इनके द्वारा जनसंवाद, जनता दरबार जिला के थानों का निरीक्षण

सुविधाओं की सूधि, असुविधाओं की जानकारी मिलते ही वहां बेहतर व्यवस्था कायम करना इनकी उपलब्धि रही। साहेबगंज में पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थापनाकाल के दौरान पुरे भारत में मिर्चा चैकी की उपलब्धि और विशेषता से साहेबगंज जिला के साथ-साथ पुरा झारखण्ड भी गौरवान्वित हुआ। 1 जनवरी 2024 को पदोन्नति के पश्चात श्री आलम कार्मिक विभाग के डीआईजी बनाये गयें। इनके डीआईजी बनने पर कई ऐसे कार्य जो काफी समय से लंबित हैं उसे पूर्ण किया गया। वर्षों से पदस्थापना की आस में 31 जनवरी 2024 को सेवानिवृत होने वाले वैसे पुलिस अधिकारी जो पदोन्नति के आस छोड़ चुके थे उन्हें 27 जनवरी को पदोन्नति दे दी गयी। इस प्रकार से कहा जा सकता है कि उनके सबसे बेहतर सेवानिवृति की यह उपहार रही थी। कई पुलिस निरीक्षक जो डीएसपी के पदोन्नति के कगार पर थे उनका भी मामला निस्पादित हुआ। इसके अलावे सिपाहियों की सहायक अवर पुलिस निरीक्षक में पदोन्नति अवर पुलिस निरीक्षक को पुलिस निरीक्षक में पदोन्नति इनकी उपलब्धि में मुख्य रूप से शामिल है। अनुकम्पा के आधार पर ढाई सौ पुलिस अधिकारी एवं पुलिसकर्मियों के परिजनों को अनुकम्पा के आधार पर नौकरी भी इनकी उपलब्धि है। यही नहीं गंभीर रोग से पीड़ित और जुझ रहे पुलिसकर्मी और अधिकारी को तत्क्षण और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके ईलाज के लिए परिजनों को नगद राशि उपलब्ध कराया गया जो निश्चित तौर पर डीआईजी कार्मिक की बेहतर कार्यप्रणाली का सूचक है। ऐसे पुलिस अधिकारी से विभाग और राज्य दोनों गौरवान्वित होते हैं।

संक्षिप्त खबरें

ढुलाई से कमाई के मामले में धनबाद रेल मंडल का जलवा बरकरार, नवंबर तक 2087 करोड़ की हुई आमदनी

धनबाद(बिभा) : धनबाद रेल मंडल एक बार फिर अप्रैल से नवंबर तक सबसे अधिक माल ढुलाई कर देश मे सबसे कमाऊ रेल मंडल का दर्ज बनाए रखने में कामयाबी हासिल की है। इसके साथ यात्री सुविधाओं में भी कई अहम कार्य किए जा रहे हैं। धनबाद रेल मंडल के डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने आज बताया कि एक बार फिर धनबाद रेल मंडल ने सबसे ज्यादा 125.95 मिलियन टन माल ढुलाई कर आय के मामले में देश का सर्वश्रेष्ठ रेल मंडल बने रहने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने बताया कि नवंबर माह तक धनबाद रेल मंडल ने 2087 करोड़ रुपये का आय किया है। दूसरे नंबर पर रहे बिलासपुर रेल मंडल ने 122.06 मिलियन टन माल की ढुलाई किया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा टिकट चेकिंग से भी यात्रियों में जागरुकता आई है। जिस वजह से टिकट खरीद में भी यहाँ 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि यात्री सुविधाओं को देखते हुए नई ट्रेन देने समेत नई स्टॉपेज, रेल कोच, रेस्टोरेंट सहित आरयूबी-आरओबी जैसे कार्य जारी हैं।

राज्यपाल ने जेपी नड्डा को जन्मदिन की दी शुभकामनाएं

रांची(बिभा)। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी है। साथ ही राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को ट्वीट कर नैसर्गिक सौंदर्य और अद्भुत लोक संस्कृति से समृद्ध असम राज्य के स्थापना दिवस पर सभी असमवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने कहा है कि हमारी कामना है कि असम निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहे और यहां के नागरिकों के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे। दूसरी ओर, भाजपा के गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। दुबे ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि बाबा बैद्यनाथ से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु जीवन की कामना करता हूं।

ट्रेनों का सामान्य परिचालन

रांची(बिभा) : दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल के अंतर्गत नॉन इंटरलॉकिंग कार्य की वजह से रांची रेल मंडल से परिचालित निम्नांकित ट्रेनों के मार्ग में /प्रस्थान समय में परिवर्तन किया गया था लेकिन अब ये ट्रेनें सामान्य रूप से परिचालित होंगीं। ट्रेन संख्या 12019 हावड़ा -रांची शताब्दी एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 04/12/2024 एवं 05/12/2024 को अपने निर्धारित मार्ग चंद्रपुरा-बोकारो स्टील सिटी -कोटशीला -मूरी होकर चलेगी ।ट्रेन संख्या 12365 पटना -रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 04/12/2024 एवं 05/12/2024 को अपने निर्धारित मार्ग चंद्रपुरा -बोकारो स्टील सिटी -कोटशीला -मूरी होकर चलेगी। ट्रेन संख्या 20898/20897 रांची -हावड़ा -रांची वंदे भारत एक्सप्रेस, यात्रा प्रारंभ दिनांक 04/12/2024 एवं 05/12/2024 को अपने निर्धारित मार्ग मूरी -कोटशीला -पुरुलिया -चांडिल होकर चलेगी। ट्रेन संख्या 22823 भुवनेश्वर -नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ दिनांक 05/12/2024 को अपने निर्धारित प्रस्थान समय पर भुवनेश्वर से प्रस्थान करेगी ।ट्रेन संख्या 02831 धनबाद -भुवनेश्वर स्पेशल यात्रा प्रारंभ दिनांक 05/12/2024 को अपने निर्धारित प्रस्थान समय पर धनबाद से प्रस्थान करेगी।

सड़क दुर्घटना में महिला अधिवक्ता की मौत, सड़क पर लगाया जाम

धनबाद(बिभा)। झरिया थाना क्षेत्र के कतरास मोड़ के समीप सोमवार की शाम पेलोडर की चपेट में आकर एक महिला अधिवक्ता की मौत हो गई। मृत अधिवक्ता की पहचान जोरापोखर थाना क्षेत्र के डिगावाडीह निवासी श्याम वर्मा की पत्नी नेहा वर्मा के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि महिला धनबाद कोर्ट से अपना कार्य खत्म कर अपने पति श्याम वर्मा के साथ बाइक संख्या (जेएच 10 सीएच-8531) से वापस घर लौट रही थी। इसी दौरान उनकी बाईक कतरास मोड़ के समीप एक पेलोडर संख्या (जेएच 10 एफ-7252) की चपेट में आ गई, जिससे घटनास्थल पर ही महिला अधिवक्ता की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

जिले में 08 दिसंबर से वृहत स्तर पर पल्स पोलियो अभियान की होगी शुरूआत:उपायुक्त

बिभा संवाददाता

देवघर : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर द्वारा जानकारी दी गई है कि प्लस पोलियो अभियान की शुरूआत 08 दिसंबर से जिले में की जा रही हैं। अभियान को सफल बनाने के लिए सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सीडीपीओं, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं संबंधित नोडल अधिकारियों को निदेशित किया कि आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने में सभी अपना पूर्ण योगदान दें। साथ हीं 08 दिसंबर बूथ डे के दिन ज्यादा से

ज्यादा बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का निर्देश दिया गया है। साथ ही वैसे क्षेत्र जहाँ पर विगत वर्षों में पल्स पोलियो अभियान में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नही रहा है, उन सभी जगहों पर विजिट कर ग्राम सभा एवं जागरूकता के माध्यम से लोगो को जागरूक करें, ताकि अभियान में किसी भी स्तर पर कोई भी चूंक न हो।

इसके अलावे उपायुक्त विशाल सागर द्वारा जानकारी दी गई कि 09 व 10 दिसंबर को शेष बचे बच्चों को स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा अगले दो दिनों तक डोर-टू-डोर जाकर पल्स पोलियो की दवा पिलायी जायेगी, ताकि अभियान की शत प्रतिशत सफलता सुनिश्चित की जा सके। साथ ही उपायुक्त ने जिलावासियों से आग्रह करते हुए कहा कि पल्स पोलियो अभियान में सभी लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने बच्चों के साथ आस-पड़ोस के बच्चों के परिजनों को जागरूक करते हुए पोलियो की खुराक अवश्य पिलाना सुनिश्चित करे, ताकि स्वस्थ बच्चे हमारे देश के बेहतर भविष्य बन सकें।

ड्रोन की मदद से उत्पाद विभाग ने जंगल मे की छापेमारी, 8 हजार किलो जावा एंव 350लीटर शराब किया नष्ट

गिरिडीह : अवैध शराब के खिलाफ झारखंड व बिहार के सीमावर्ती इलाके के कारीपहाड़ी क्षेत्र के घने जंगल में झारखंड व बिहार के उत्पाद विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए बड़े पैमाने पर अवैध शराब नष्ट किया गया। उत्पाद विभाग गिरिडीह के अवर निरीक्षक रवि रंजन के नेतृत्व में रविवार को लोकायनयनपुर थाना के प्रभारी अमित कुमार चौधरी, थानसिंहडीह थाना के प्रभारी निरज कुमार, बिहार के नवादा जिला के मद्य निषेद्य विभाग के अवर निरीक्षक राजेश कुमार पटेल, ड्रोन प्रभारी के अलावे पुलिस बल ने लोकायनयनपुर ओपी थानसिंहडीह के अंतर्गत कारीपहाड़ी क्षेत्र के घने जंगल में ड्रोन की मदद से छापेमारी की।इस दौरान ड्रोन के मदद से कारीपहाड़ी के घने जंगल को स्कैन करते हुए अवैध शराब के अड्डे तक उत्पाद विभाग के कर्मी और पुलिस अवैध शराब बनाने वाले अड्डे पर पहुंचे और उपकरण, जावा महुआ जप्त करने के साथ ही भट्टी को नष्ट कर दिया। इस दौरान करीब 8 हजार 600 किलो जावा महुआ व लगभग 350 लीटर शराब नष्ट किया गया है। हालांकि इस दौरान अवैध शराब बनाने वाले लोग भागने में सफल रहे।

एआईसीसी राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेसियों संग की बैठक

बिभा संवाददाता

रांची : पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कार्यालय विधान भवन, कोलकाता में पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने बतौर सह-प्रभारी के रूप में राज्य की कार्यकारिणी बैठक में भाग लिया। बैठक में मुख्य रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव गुलाम अहमद मीर, सचिव असफ अली खान और पश्चिम बंगाल प्रदेश अध्यक्ष शुभंकर सरकार मौजूद रहे जहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरीय पदाधिकारी व कार्यकताओं की मौजूदगी में हुई बैठक में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और हमारे मार्गदर्शन में पार्टी के भविष्य के रोडमैप को आकार देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वहीं रणनीतियों पर चर्चा करने और विशिष्ट मुद्दों के समाधान के लिए संगठन के भीतर विभिन्न समूहों के साथ अलग-अलग बैठकें आयोजित की गईं। अंबा प्रसाद ने इस अवसर पर कहा कि बैठक में हुई चचाएँ सकारात्मक और प्रेरणादायक रहीं, जिससे पार्टी में नई ऊर्जा और दिशा आई।

प्रमंडल स्तरीय बाल संरक्षण कार्यशाला का आयोजन

बिभा संवाददाता

दुमका : कन्वेंशन सेंटर दुमका में मिशन वात्सल्य (कोई भी बच्चा पीछे न छूटे) विषय पर बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत हितधारकों का प्रमंडल स्तरीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दुमका के सांसद नलिन सोरेन ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य एवं देश के सभी बच्चों का संरक्षण एवं बेहतर भविष्य के निर्माण के साथ उन्हें आगे बढ़ाने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। कहा कि राज्य सरकार द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य एवं बेहतर शिक्षा के लिए योजनाएं चलायी जा रही है। हम सभी को मिलकर एक सामूहिक प्रयास करना होगा ताकि हर एक बच्चा अपने सपनों को पूरा कर सके।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने कहा कि बच्चो के विकास में बाधा डालने वाले को रोकना होगा।बच्चों को हर तरह संरक्षित करना महत्वपूर्ण है।कहा कि बाल मजदूरी हो या किसी अन्य प्रकार का उत्पीड़न हम सभी को मिलकर इसे रोकना होगा।जिला प्रशासन,पुलिस प्रशासन एवं गठित समितियां अपने अपने स्तर पर कार्य कर रही है,आमजनों को भी एक सामूहिक प्रयास करना होगा ताकि हर एक बच्चे एक बेहतर जिंदगी मिल सके।कहा कि वर्तमान समय मे कम उम्र के बच्चे भी नशे का शिकार हो रहे हैं इन सब से उन्हें बचाना होगा।

कार्यशाला के दूसरे सत्र तकनीकी सत्र में पीपीटी के माध्यम से बाल संरक्षण से संबंधित जानकारी दी गयी एवं परामर्श भी प्राप्त किये गए। इससे पूर्व पारंपरिक रीति रिवाज से अतिथियों का स्वागत किया गया एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया गया।

जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने को टास्क फोर्स की बैठक

बिभा संवाददाता

धनबाद। जिले के विभिन्न तालाबों और नदी-नाला सहित अन्य जल स्रोतों की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को चिह्नित कर उसे शीघ्र हटाने की कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर सोमवार को उप विकास आयुक्त सादात अनवर की अध्यक्षता में जल स्रोतों के संरक्षण के लिए और उसे अतिक्रमण एवं प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए टास्क फोर्स की एक बैठक समाहरणालय के सभागार में आयोजित कर यह निर्णय लिया गया है। इस दौरान उप विकास आयुक्त ने कहा कि नगर विकास एवं आवास विभाग के निदेर्शानुसार जल स्रोतों के आसपास अतिक्रमण हटाने एवं प्रदूषण को रोकने के लिए शहरी क्षेत्र के सभी जल स्रोतों का उसके मूल नक्शे के आधार पर आकार चिह्नित किया जाएगा। इसके बाद जल स्रोतों की भूमि तथा इसके आसपास की सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण और अवैध निर्माण को भी चिह्नित किया जाएगा।इसके बाद अतिक्रमण को नियमानुसार शीघ्र हटाने की कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी जल स्रोत की भूमि या इसके आसपास की सरकारी भूमि की अवैध बंदोबस्ती कर ली गई है तो उस अवैध बंदोबस्ती के विरुद्ध नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध बंदोबस्ती को रद्द करने का प्रस्ताव दिया जाएगा।

नशे में डॉक्टर ने कार से मारी टक्कर, हिरासत में

कोडरमा। जिले के चंदवारा सीएचसी में कार्यरत डॉ. अनीश कुमार सिन्हा ने सोमवार को तेज रफ़्तार कार चलाते हुए तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत पुराना बस स्टैंड के समीप कई लोगों को टक्कर मार दिया जबकि कई लोग बाल-बाल बचे। घटना के बाद पहुंची तिलैया थाना पुलिस ने डॉक्टर को हिरासत में ले लिया है। खबर भेजे जाने तक चिकित्सक थाना में ही थे। बताया जाता है कि इस दौरान डॉक्टर नशे में चूर थे।

बाधाओं के पार कर, वेस्ट बोकारो डिवीजन के दिव्यांग कर्मचारियों ने दिया उत्कृष्टता का परिचय

बिभा संवाददाता

वेस्ट बोकारो: टाटा स्टील के वेस्ट बोकारो डिवीजन ने कंपनी के सक्षम को सशक्त बनाना पहल के तहत दिव्यांग कर्मचारियों के कल्याण में अद्वितीय कदम उठाए हैं। 13 अगस्त, 2024 को वेस्ट बोकारो के सिक्यूरिटी विभाग में सीसीटीवी ऑपरेटर के रूप में चार दिव्यांग कर्मचारियों को नियुक्त किया गया, जो समावेशन और विविधता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

टाटा स्टील वेस्ट बोकारो डिवीजन के मानव संसाधन (एचआर) विभाग ने एटीपिक्ल एडवांटेज संस्था की मदद से दिव्यांग कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की। टाटा स्टील टेक्निकल सर्विसेज लिमिटेड और टाटा स्टील सपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के सहयोग से दिव्यांगों के लिए विज्ञापन जारी किया गया, जिसके बाद सिक्यूरिटी विभाग ने इनके लिए विशेष सुविधाएं सुनिश्चित की। इनमें

सुलभ शौचालय, कार्यालय के प्रवेश द्वार पर रैंप की स्थापना, बुनियादी फर्नीचर और आवास की व्यवस्था की गई, ताकि वे बेहतर कार्यस्थल का अनुभव कर सकें।

सिक्यूरिटी विभाग में भर्ती प्रक्रिया के तहत चार दिव्यांग कर्मचारियों का चयन किया गया, जिनमें प्रेम शर्मा, मोहम्मद हाशिम हसन, अंगद कुमार सिंह, और अभिलाष शर्मा शामिल हैं। इनकी नियुक्ति 13 अगस्त 2024 को वेस्ट बोकारो डिवीजन में की गई, और आवश्यक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 3 सितंबर 2024 को इन सभी ने सीसीटीवी ऑपरेटर के रूप में अपना योगदान शुरू किया। इन सभी कर्मचारियों के पास विभिन्न कंपनियों में काम करने का पूर्व अनुभव है। नियुक्ति के बाद, उन्हें व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें माइंस और प्लांट्स का नियमित दौरा, सीसीटीवी कैमरों की स्थापना वाले स्थानों का निरीक्षण और सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष की दैनिक परिचालन प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण शामिल था।

अनुराग दीक्षित, जेनरल मैनेजर, वेस्ट बोकारो डिवीजन, टाटा स्टील ने कहा, दिव्यांग कर्मचारियों की सीसीटीवी कंट्रोल रूम में नियुक्ति, हमारी समावेशी कार्यस्थल बनाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ये कर्मचारी वेस्ट बोकारो डिवीजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, और हम उन्हें आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कोलकाता के हाशिम हसन ने कहा, टाटा स्टील में नौकरी मिलना मेरे लिए सपना सच होने जैसा है। यह मेरे लिए बाहर आकर काम करने का पहला अनुभव है।

धनबाद के प्रेम शर्मा ने कहा, बचपन से टाटा स्टील की माइंस देखता आया हूं। मैंने कई कंपनियों में काम किया, लेकिन जब टाटा स्टील से नौकरी का प्रस्ताव मिला, तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

जमशेदपुर के अंगद कुमार सिंह ने कहा, मैंने बीटेक किया और पांच साल अन्य संस्थाओं में काम किया। मेरे परिवार के कई सदस्य टाटा स्टील से जुड़े हैं, और अब मुझे भी इस सम्मानित संगठन का हिस्सा बनने का अवसर मिला है।

पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर भागलपुर, बिहार के अभिलाष शर्मा ने कहा, दिव्यांग होने के कारण मुझे अस्थायी नौकरी मिलती थी, लेकिन टाटा स्टील ने मुझे स्थायी नौकरी दी, जो मेरे और मेरे परिवार के सुरक्षित भविष्य की दिशा में पहला कदम है।

नवनियुक्त सीसीटीवी ऑपरेटर एसओपी और गाइडलाइन के अनुसार शिफ्ट में काम करते हुए सीसीटीवी कंट्रोल रूम को प्रभावी ढंग से संभाल रहे हैं। थोड़े समय में ही उनका योगदान अत्यधिक सराहनीय रहा है। हाल ही में चोरी की घटना का उद्भेदन करने में इनका महत्वपूर्ण योगदान था। भविष्य में वेस्ट बोकारो डिवीजन के अन्य विभागों में भी दिव्यांग कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी। यह पहल टाटा स्टील की विविध और समावेशी कार्यस्थल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वर्तमान में वेस्ट बोकारो डिवीजन में 6% विविध कार्यबल है, जिसमें महिलाएं और ट्रांसजेंडर कर्मचारी भी शामिल हैं। यह पहल टाटा स्टील के 2025 तक 20% विविध कार्यबल हासिल करने के लक्ष्य में योगदान करेगी।

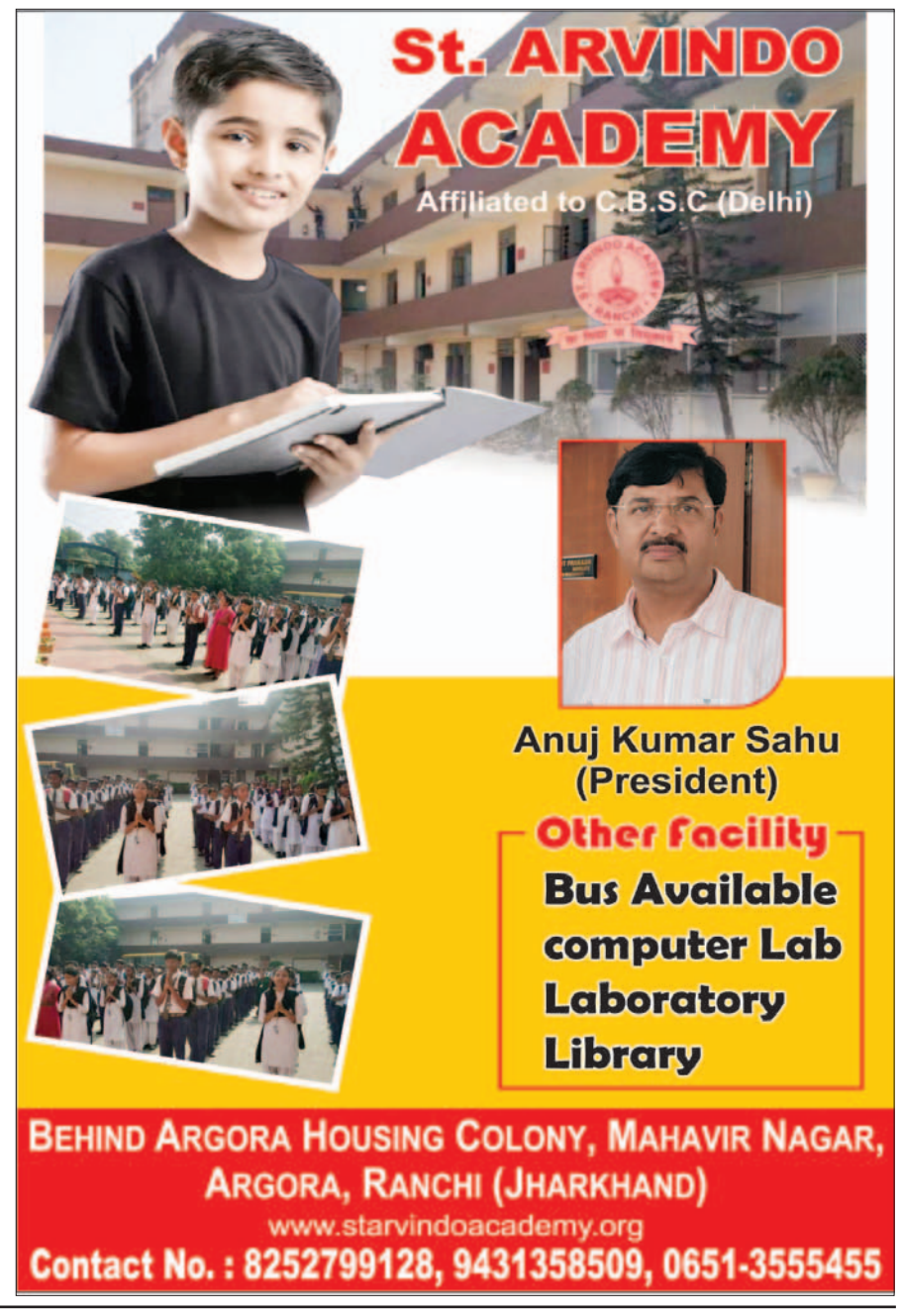

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक कविता साहू *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com